



श्री बाग्मती प्रदेश सरकार
मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरीषद्को कार्यालय
प्रदेश सुशासन केन्द्र
जावलाखेल, ललितपुर, नेपाल

स्थानिय तहको आवधिक योजना
(आ. व. २०७९/८०-२०८४/८५)

लिसंखुपाखर गाउँपालिका
सिन्धुपाल्चोक, बाग्मती प्रदेश, नेपाल

प्राबिधिक सहयोग :

ईन्जिनियरीङ्ग कन्सल्टेन्सी फर कन्सट्रुक्चिभ डेभलपमेन्ट इन नेपाल प्रा. लि.

गौमुखी ईन्जिनियरीङ्ग सर्भिसेस् प्रा. लि.

रुरल ईन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड म्यानेजमेन्ट कन्सल्ट प्रा. लि.

(इकोकोड नेपाल-जि.ई.एस.-आर.आई.एम. सी., जे. भि.

ललितपुर, नेपाल)

सम्पर्क ठेगाना

गौमुखी ईन्जिनियरीङ्ग सर्भिसेस् प्रा. लि.

सानेपा-२, ललितपुर, नेपाल

फोन नं.: ०१-५९०५००५

ईमेल: gaumukhiengineering@gmail.com

बिषयसुची

| | |
|--|----|
| परिच्छेद १. परिचय..... | १ |
| १.१ पृष्ठभूमि | १ |
| १.२ योजना तर्जुमाको उद्देश्यहरु | २ |
| १.३ स्थानीय तहको वस्तुस्थिति | २ |
| १.३.१ परिचय..... | २ |
| १.३.२ भौगोलिक तथा राजनीतिक अवस्था..... | २ |
| १.३.३ जनसंख्या विवरण तथा बनौट..... | ३ |
| १.३.४ सामाजिक अवस्था | ४ |
| १.४ आर्थिक अवस्था..... | ६ |
| १.५ स्थानीय तहको विकासको समीक्षा | ६ |
| १.६ योजना तर्जुमा आधारहरु | ७ |
| १.७ योजना तर्जुमा विधि तथा प्रक्रियाहरु..... | ९ |
| १.७.१ आवधिक योजना तयारी तथा कार्यशाला गोष्ठी | ९ |
| १.७.२ वस्तुस्थिति विश्लेषण | १० |
| १.७.३ योजना दस्तावेज तयारि..... | १० |
| १.७.४ मस्यौदा प्रस्तुति तथा सुझाव संकलन कार्यशाला तथा अन्तिम दस्तावेज तयारि..... | १० |
| १.८ योजना तर्जुमाको सीमाहरु | ११ |
| परिच्छेद २. समष्टिगत योजनाको अवधारणा | १२ |
| २.१ पृष्ठभूमि | १२ |
| २.२ योजना खाका | १२ |
| २.२.१ सोच..... | १२ |
| २.२.२ निर्देशक सिद्धान्त..... | १२ |
| २.२.३ रणनीतिक लक्ष्य | १२ |
| २.२.४ उद्देश्य | १३ |
| २.२.५ रणनीति र कार्यनीति | १३ |
| २.३ व्यवाको प्रवृत्ति र प्रक्षेपण..... | १५ |

| | | |
|-------------|---|----|
| २.४ | व्ययको प्रवृत्ति र प्रक्षेपण | १६ |
| २.४.१ | लगानीको आवश्यकता र स्रोत | १६ |
| २.४.२ | स्रोत साधनको बाँडफाँड तथा परिचालनका आधारहरू | १७ |
| परिच्छेद ३. | आर्थिक क्षेत्र | १८ |
| ३.१ | कृषि विकास | १८ |
| ३.१.१ | पृष्ठभूमि | १८ |
| ३.१.२ | प्रमुख समस्या र चुनौतीहरू | १८ |
| ३.१.३ | प्रमुख अवसरहरू | १८ |
| ३.१.४ | सोच | १९ |
| ३.१.५ | लक्ष्य | १९ |
| ३.१.६ | उद्देश्य | १९ |
| ३.१.७ | रणनीति र कार्यनीति | १९ |
| ३.१.८ | अपेक्षित उपलब्धि | २१ |
| ३.२ | उद्योग, वाणिज्य र आपूर्ति | २२ |
| ३.२.१ | पृष्ठभूमि | २२ |
| ३.२.२ | प्रमुख समस्याहरू | २२ |
| ३.२.३ | अवसरहरू | २२ |
| ३.२.४ | सोच | २२ |
| ३.२.५ | लक्ष्य | २२ |
| ३.२.६ | उद्देश्य | २२ |
| ३.२.७ | रणनीति र कार्यनीति | २३ |
| ३.२.८ | अपेक्षित उपलब्धि | २५ |
| ३.३ | पर्यटन | २६ |
| ३.३.१ | पृष्ठभूमि | २६ |
| ३.३.२ | अवसरहरू | २६ |
| ३.३.३ | सोच | २६ |
| ३.३.४ | लक्ष्य | २६ |

| | | |
|-------------|---------------------------------------|----|
| ३.३.५ | उद्देश्य | २६ |
| ३.३.६ | रणनीति र कार्यनीति | २७ |
| ३.३.७ | प्रमुख कार्यक्रमहरु | २७ |
| ३.३.८ | अपेक्षित उपलब्धि..... | २७ |
| ३.४ | आम्दानी, रोजगारी र वित्तीय सेवा | २८ |
| ३.४.१ | पृष्ठभूमि | २८ |
| ३.४.२ | प्रमुख समस्याहरु | २८ |
| ३.४.३ | अवसरहरु | २८ |
| ३.४.४ | सोच..... | २८ |
| ३.४.५ | लक्ष्य..... | २८ |
| ३.४.६ | उद्देश्य | २८ |
| ३.४.७ | रणनीति र कार्यनीति | २९ |
| ३.४.८ | अपेक्षित उपलब्धि..... | २९ |
| परिच्छेद ४. | सामाजिक क्षेत्र | ३० |
| ४.१ | जनसंख्या तथा बसाइँसराइ | ३० |
| ४.१.१ | पृष्ठभूमि | ३० |
| ४.१.२ | प्रमुख समस्याहरु | ३० |
| ४.१.३ | अवसर..... | ३० |
| ४.१.४ | सोच..... | ३० |
| ४.१.५ | लक्ष्य..... | ३० |
| ४.१.६ | उद्देश्य | ३० |
| ४.१.७ | रणनीति तथा कार्यनीति | ३० |
| ४.१.८ | प्रमुख कार्यक्रमहरु | ३१ |
| ४.१.९ | अपेक्षित उपलब्धिहरु..... | ३१ |
| ४.२ | शिक्षा..... | ३१ |
| ४.२.१ | पृष्ठभूमि | ३१ |
| ४.२.२ | प्रमुख समस्या | ३२ |

| | | |
|-------|----------------------------|----|
| ४.२.३ | अवसरहरु | ३२ |
| ४.२.४ | सोच | ३२ |
| ४.२.५ | लक्ष्य | ३२ |
| ४.२.६ | उद्देश्य | ३२ |
| ४.२.७ | रणनीति तथा कार्यनीति | ३२ |
| ४.२.८ | प्रमुख कार्यक्रम | ३६ |
| ४.२.९ | अपेक्षित उपलब्धि | ३६ |
| ४.३ | स्वास्थ्य तथा पोषण | ३६ |
| ४.३.१ | पृष्ठभूमि | ३६ |
| ४.३.२ | प्रमुख समस्याहरु | ३७ |
| ४.३.३ | अवसर | ३७ |
| ४.३.४ | सोच | ३७ |
| ४.३.५ | लक्ष्य | ३७ |
| ४.३.६ | उद्देश्य | ३७ |
| ४.३.७ | रणनीति तथा कार्यनीति | ३७ |
| ४.३.८ | अपेक्षित उपलब्धिहरु | ३९ |
| ४.४ | खानेपानी तथा सरसफाइ | ४० |
| ४.४.१ | पृष्ठभूमि | ४० |
| ४.४.२ | अवसर | ४० |
| ४.४.३ | सोच | ४० |
| ४.४.४ | लक्ष्य | ४० |
| ४.४.५ | उद्देश्य | ४० |
| ४.४.६ | रणनीति तथा कार्यनीति | ४० |
| ४.४.७ | अपेक्षित उपलब्धिहरु | ४१ |
| ४.५ | लक्षित समुदाय विकास | ४२ |
| ४.५.१ | पृष्ठभूमि | ४२ |
| ४.५.२ | प्रमुख समस्याहरु | ४२ |

| | | |
|-------------|----------------------------|----|
| ४.५.३ | अवसर..... | ४२ |
| ४.५.४ | सोच..... | ४३ |
| ४.५.५ | लक्ष्य..... | ४३ |
| ४.५.६ | उद्देश्य | ४३ |
| ४.५.७ | रणनीति तथा कार्यनीति | ४३ |
| ४.५.८ | अपेक्षित उपलब्धिहरु..... | ४४ |
| परिच्छेद ५. | पूर्वाधार क्षेत्र..... | ४५ |
| ५.१ | सिंचाइ..... | ४५ |
| ५.१.१ | पृष्ठभूमि | ४५ |
| ५.१.२ | प्रमुख समस्याहरु | ४५ |
| ५.१.३ | अवसर..... | ४५ |
| ५.१.४ | सोच..... | ४५ |
| ५.१.५ | लक्ष्य..... | ४५ |
| ५.१.६ | उद्देश्य | ४५ |
| ५.१.७ | रणनीति तथा कार्यनीति | ४५ |
| ५.१.८ | अपेक्षित उपलब्धिहरु..... | ४६ |
| ५.२ | ऊर्जा..... | ४७ |
| ५.२.१ | पृष्ठभूमि | ४७ |
| ५.२.२ | प्रमुख समस्याहरु | ४७ |
| ५.२.३ | अवसर..... | ४७ |
| ५.२.४ | सोच..... | ४७ |
| ५.२.५ | लक्ष्य..... | ४७ |
| ५.२.६ | उद्देश्य | ४८ |
| ५.२.७ | रणनीति तथा कार्यनीति | ४८ |
| ५.२.८ | अपेक्षित उपलब्धिहरु..... | ४९ |
| ५.३ | सडक तथा यातायात | ४९ |
| ५.३.१ | पृष्ठभूमि | ४९ |

| | | |
|-------------|--|----|
| ५.३.२ | प्रमुख समस्याहरु | ५० |
| ५.३.३ | अवसर | ५० |
| ५.३.४ | सोच | ५० |
| ५.३.५ | लक्ष्य | ५० |
| ५.३.६ | उद्देश्य | ५० |
| ५.३.७ | रणनीति तथा कार्यनीति | ५० |
| ५.३.८ | अपेक्षित उपलब्धिहरु | ५१ |
| ५.४ | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि पूर्वाधार | ५२ |
| ५.४.१ | पृष्ठभूमि | ५२ |
| ५.४.२ | प्रमुख समस्याहरु | ५२ |
| ५.४.३ | अवसर | ५२ |
| ५.४.४ | सोच | ५२ |
| ५.४.५ | लक्ष्य | ५२ |
| ५.४.६ | उद्देश्य | ५२ |
| ५.४.७ | रणनीति तथा कार्यनीति | ५३ |
| ५.४.८ | अपेक्षित उपलब्धिहरु | ५४ |
| ५.५ | आवास तथा वस्ती विकास | ५५ |
| ५.५.१ | पृष्ठभूमि | ५५ |
| ५.५.२ | सोच | ५५ |
| ५.५.३ | लक्ष्य | ५५ |
| ५.५.४ | उद्देश्य | ५५ |
| ५.५.५ | रणनीति तथा कार्यनीति | ५५ |
| ५.५.६ | अपेक्षित उपलब्धिहरु | ५६ |
| परिच्छेद ६. | लोकतन्त्र र सुशासन | ५७ |
| ६.१ | मानव अधिकार | ५७ |
| ६.१.१ | पृष्ठभूमि | ५७ |
| ६.१.२ | प्रमुख समस्याहरु | ५७ |

| | | |
|-------------|---------------------------------|----|
| ६.१.३ | अवसर..... | ५७ |
| ६.१.४ | सोच..... | ५८ |
| ६.१.५ | लक्ष्य..... | ५८ |
| ६.१.६ | उद्देश्य | ५८ |
| ६.१.७ | रणनीति तथा कार्यनीति | ५८ |
| परिच्छेद ७. | अन्तरसम्बन्धित विषय | ५९ |
| ७.१ | प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापन..... | ५९ |
| ७.१.१ | पृष्ठभूमि..... | ५९ |
| ७.१.२ | सोच..... | ५९ |
| ७.१.३ | लक्ष्य..... | ५९ |
| ७.१.४ | उद्देश्य | ५९ |
| ७.१.५ | रणनीति तथा कार्यनीति | ६० |
| ७.१.६ | प्रमुख कार्यक्रमहरु | ६० |
| ७.२ | विपद् व्यवस्थापन..... | ६१ |
| ७.२.१ | पृष्ठभूमि | ६१ |
| ७.२.२ | प्रमुख समस्याहरु | ६१ |
| ७.२.३ | अवसर..... | ६१ |
| ७.२.४ | सोच..... | ६२ |
| ७.२.५ | लक्ष्य..... | ६२ |
| ७.२.६ | उद्देश्य | ६२ |
| ७.२.७ | रणनीति तथा कार्यनीति | ६२ |
| ७.३ | जलवायु परिवर्तन अनुकुलन..... | ६४ |
| ७.३.१ | पृष्ठभूमि | ६४ |
| ७.३.२ | प्रमुख समस्याहरु | ६४ |
| ७.३.३ | अवसर..... | ६४ |
| ७.३.४ | सोच..... | ६४ |
| ७.३.५ | लक्ष्य..... | ६५ |

| | |
|--|----|
| ७.३.६ उद्देश्य | ६५ |
| ७.३.७ रणनीति तथा कार्यनीति | ६५ |
| ७.३.८ प्रमुख कार्यक्रमहरु | ६५ |
| ७.४ मानव संशाधन विकास | ६६ |
| परिच्छेद ८. योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन र अनुगमन तथा मूल्याङ्कन | ६९ |
| ८.१ योजना तर्जुमा | ६९ |
| ८.२ आयोजना बैङ्क | ६९ |
| ८.३ संस्थागत तथा कार्यान्वयन व्यवस्था | ७० |
| ८.४ तहगत सम्बन्ध तथा अन्तरसरकार समन्वय | ७१ |
| ८.५ जोखिम व्यवस्थापन | ७२ |
| ८.६ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन | ७२ |
| ८.७ वार्षिक समिक्षा | ७४ |
| परिच्छेद ९. नतिजा खाका | ७५ |
| ९.१ पृष्ठभूमि | ७५ |
| अनुसुचिहरु | |
| अनुसूची १: वडा स्तरीय योजना तर्जुमा उपस्थिति | |
| अनुसूची २: दिगो विकास लक्ष्य २०३० | |
| अनुसूची ३: सन्धर्भ सामग्रीहरु | |
| अनुसूची ४: आयोजना बैक | |
| अनुसूची ५: नतिजा खाका | |
| अनुसूची ६: तस्विरहरु | |
| अनुसूची ७: श्रोत नक्सा | |

परिच्छेद १. परिचय

१.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले व्यवस्था गरेको स्थानीय तहको अधिकार क्षेत्र एवं स्थानीय तह संचालन सम्बन्धि स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ मा व्यवस्थित काम, कर्तव्य र जिम्मेवारीहरू स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७५ लगायत आइन हरू अबलम्बन गरेर यो तर्जुमा तयार गर्न खोजिएको हो। स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ अनुसार हरेको गाउँपालिका तथा नगरपालिकाले स्थानिया स्तरको विकासकानिम्ति आफ्नो अधिकारक्षेत्र भित्रका विषयमा आवधिक, वार्षिक, रणनीतिक क्षेत्रगत आवधि योजना लागु गर्ने व्यवस्था रहेको पाईन्छ। यस प्रकारका योजना तर्जुमा गर्दा नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारको नीति, लक्ष्य, समयसीमा र प्रक्रिया सँग अनुकूल हुने गरि तर्जुमा गर्नुपर्ने उल्लेख पनि गरिएको छ। यस योजनामा योजना तर्जुमा सम्बन्धि संवैधानिक व्यवस्था, विगतका प्रयास अवाम अभ्यास, उपलब्ध कार्यविधि तथा निर्देशिका, संघिय शासन व्यवस्था अनुसार ऐन तथा नियमले गरेको व्यवस्था तथा स्थानीय वस्तुस्थिति एवं आवश्यक तथा अत्यावश्यक पूर्वाधार तथा कार्यक्रमहरू आधार लिईने छ।

यसैगरी योजना तर्जुमा वातावरण, सुशासन, बालमैत्री, विपद व्यवस्थापन, जलवायु परिवर्तन अनुकूल, लैङ्गिक तथा सामाजिक समावेशीकरण जस्ता अन्तरसम्बन्धित विषयहरूलाई ध्यानमा राखेर गर्नु पर्ने व्यवस्था स्पष्ट गरि तोकिएको छ। प्राथमकरण गर्नु पर्ने विषयहरू पनि तोकिएको र स्थानीय तहले कार्यसम्पादन गर्दा लागतलाई न्यूनीकरण, स्रोत साधनको अधिकतम उपयोग तथा प्रभावकारी सेवा प्रवाह सम्बन्धि व्यवस्था स्पष्ट उल्लेख गरेको पाईन्छ। सोहि व्यवस्था अनुसार उत्पादनमुलक तथा छिटो प्रतिफल दिने, गरिवी निवारण, जीवनस्तरमा दिगो सुधार, रोजगारीका, अवसरमा वृद्धि, समावेशी, जनसहभागितामा वृद्धि, दिगो विकास र स्थानीय संस्कृति संरक्षण जस्तो विषयलाई प्राथमिक रूपले जोड दिनुपर्ने देखिन्छ। नेपालको संविधान बमोजिम स्थानीय तहलाई प्राप्त अधिकार तथा कानुन बमोजिम स्थानीय तहको योजना तर्जुमा सम्बन्धी अधिकार र जिम्मेवारीलाई मनन् गरि संघिय शासन व्यवस्था अनुसार राज्यको पुनर्स्थापना पछि स्थानीय सरकारको रूपमा स्थापित यस लिसंखु पाखर गाउँपालिका पहिलो प्रयासको रूपमा यस प्रथम आवधिक विकास योजना तर्जुमा गरेको छ।

यस प्रथम आवधिक विकास योजना तर्जुमा प्रक्रियामा गाउँपालिकाको विकासको वर्तमान अवस्था अध्ययन तथा विश्लेषण गरी गाउँपालिकाको समष्टिगत विकास लागि दुरदृष्टि, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यनीति तथा प्रमुख कार्यक्रम तर्जुमा गरिएको छ। यस योजनाले गाउँपालिकाको समग्र तथा योजनावद्ध विकासका लागि गर्नुपर्ने कार्यको मार्गदर्शन तथा नतिजा अनुगमन र प्रभाव लेखाजाखाको लागि आधार प्रदान गर्नुका साथै आगामी ५ वर्षको मार्गचित्र तयार गरी त्यसका लागि श्रोत परिचालनको योजना समेत तय गरेको छ। यस आवधिक योजनाको आधारमा मध्यमकालिन खर्च संरचना र मध्यमकालिन खर्च संरचनाको आधारमा वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तयार गरी निर्धारित प्रक्रिया अनुसार वार्षिक योजनाको कार्यान्वयन, नतिजाको अनुगमन तथा प्रगति मापन एवम् असर र प्रभावको लेखाजोखा गरिनेछ।

१.२ योजना तर्जुमाको उद्देश्यहरू

यस आवधिक योजनातथा मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मुख्य उद्देश्यहरू देहाय बमोजिम रहेका छन्

- आवधिक योजनाको दृष्टि, लक्ष्य, उद्देश्य तथा क्षेत्रगत रणनीति तथा कार्यनीति पहिचान गर्ने
- आय व्ययको प्रक्षेपण गर्ने
- पहिचान गरिएको कार्यक्रमहरूलाई संघीय, प्रादेशिक, स्थानीय तथा दिगो विकास (२०३०) लक्ष्यहरूसंग पंक्तिबद्ध गर्ने
- मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्ने

१.३ स्थानीय तहको वस्तुस्थिति

१.३.१ परिचय

लिसंखु पाखर गाउँपालिका संघिय लोकतान्त्रिक गणतन्त्र नेपालको बागमती प्रदेश सिन्धुपाल्चोक जिल्लाको दक्षिण पूर्व भागमा अवस्थित रहेको छ । यो गाउँपालिका सिन्धुपाल्चोक जिल्ला सदरमुकाम चौतारा बाट ८१.५ कि मि सडक दुरी दक्षिण पूर्वमा रहेको छ । नेपाल सरकारको पछिल्लो राज्य पुनसंरचना २०७३ ले लिसंखु, ठुल धादिङ, अत्तरपुर, जेठल, पट्कु र ठूलो पाखरसहित सात गाउँ विकास समितिलाई समावेश गरि लिसंखु पाखर गाउँपालिका नामाकरण गरिएको हो । यस गाउँपालिकाको क्षेत्र फल ९८.६१ वर्ग कि मि रहेको छ ।

१.३.२ भौगोलिक तथा राजनीतिक अवस्था

यस गाउँपालिका पूर्वमा हल्दीवारी गाउँपालिका र विर्तामोड नगरपालिकासँग, पश्चिममा झापा गाउँपालिका, उत्तरमा कनकाई गाउँपालिका र दक्षिणमा कचकवल गाउँपालिकासँग सिमा राख्दछ । यस गाउँपालिका तराई भेगमा पर्दछ । यस गाउँपालिकाको उत्तरपूर्वमा दोलखा जिल्लाको त्थिमेस्वर नगरपालिका पर्दछ भने दक्षिण पूर्वमा सोही जिल्लाको सैलुंग गाउँपालिका पर्दछ । त्यसैगरी दक्षिण भागमा थोरै भएपनि रामेछाप जिल्लाको दोरम्बा गाउँपालिकासँग सिमाना रहेक छ । त्यसैगरी दक्षिण पश्चिममा काभ्रे जिल्लाको चौरी देउराली र भुम्लु गाउँपालिका, उत्तर पश्चिममा सिन्धुपाल्चोक जिल्लाकै सुनकोशी गाउँपालिका रहेको छ भने उत्तर पूर्वमा त्रिपुरा सुन्दरी गाउँपालिका पर्दछ ।

यो गाउँपालिका ७ वटा वडामा विभाजन भएको छ । वडा विभाजनको हिसाबले यस गाउँपालिकाको साविक गाविसहरू लिसंखु, ठुलो धादिङ, अत्तरपुर र जेठाल एक भागमा रहेका छन् भने ठुलो पाखर र पट्कु अर्को भागमा रहेका छन् ।

तालिका १ पुनसंरचित गाउँपालिकाको वडागत विवरण

| नयाँ वडा | समावेश गाविस / नगरपालिका | क्षेत्रफल(वर्ग कि.मी.) |
|----------|--------------------------|------------------------|
|----------|--------------------------|------------------------|

| | | |
|-------|-----------------|-------|
| १ | ठुलो धादिङ(१-९) | ११.६१ |
| २ | लिसंखु(१-५,७) | २१.८७ |
| ३ | लिसंखु(६,८,९) | ११.४९ |
| ४ | अत्तरपुर(१-९) | २३.२५ |
| ५ | जेठल(१-९) | १०.४२ |
| ६ | पेट्कु(१-९) | ५.२ |
| ७ | ठुलो पाखर(१-९) | १४.६१ |
| जम्मा | | ९८.४५ |

१.३.३ जनसंख्या विवरण तथा बनौट

केन्द्रीय तथ्यांक विभागले गरेको जनगणना २०७८ अनुसार यस गाउँपालिकामा महिला ५८४७ गरि कूल जनसंख्या ११५६० रहेको छ । त्यस्तै घर संख्या ३६०५ र परिवार संख्या ३७४६ रहेको छ।

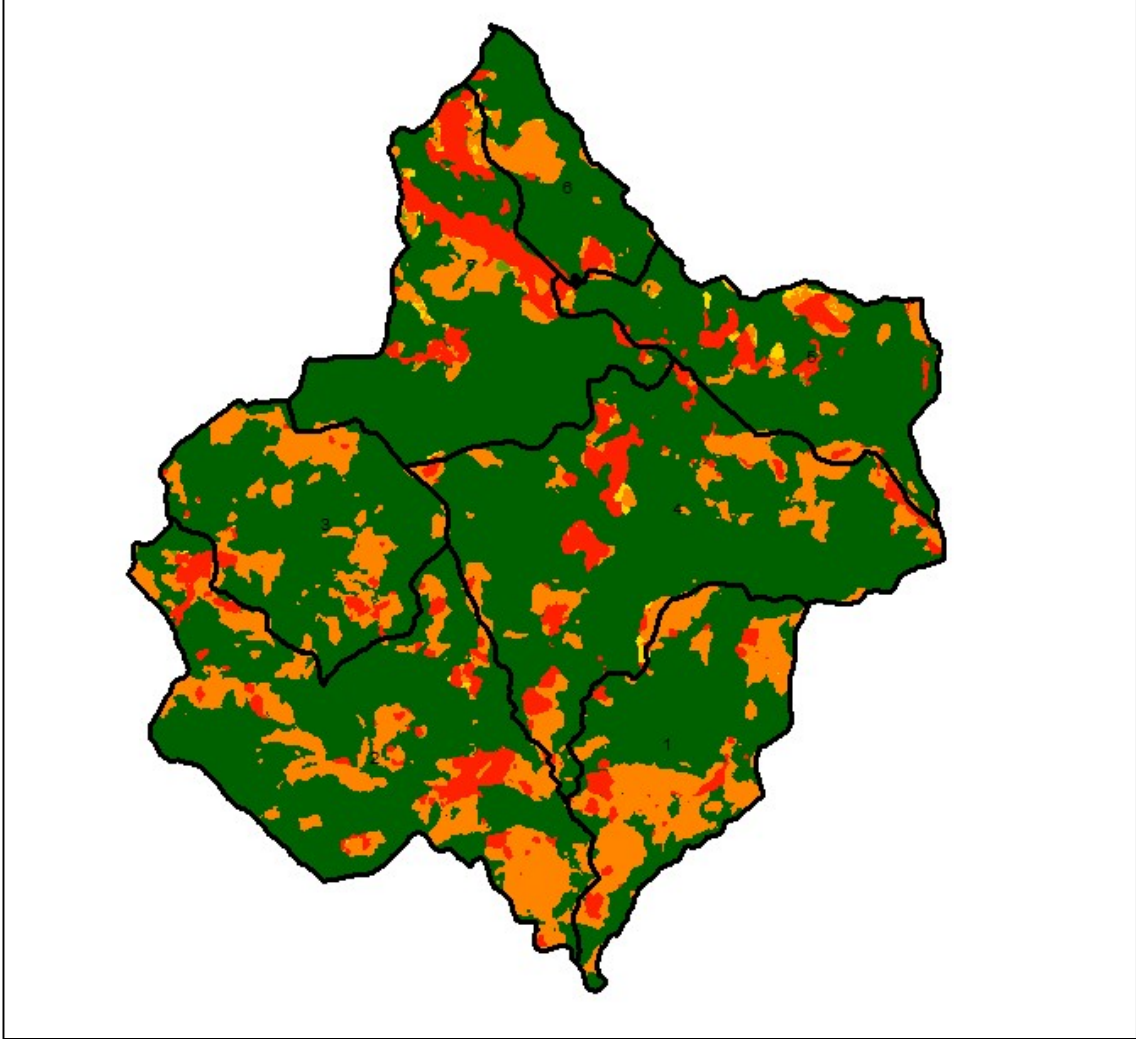
तालिका २ वाडागत जनसंख्या विवरण

| वडा न. | घरधुरी | जनसंख्या | | |
|--------|--------|----------|-------|-------|
| | | पुरुस | महिला | जम्मा |
| १ | ४९८ | ६८९ | ७६० | ११४९ |
| २ | ३९८ | ५६६ | ६८७ | १२५३ |
| ३ | ४८० | ६६० | ६५० | १३१० |
| ४ | ४६४ | ७६४ | ८१० | १५७४ |
| ५ | ६४४ | ११७१ | ११५४ | २३२५ |
| ६ | ३८१ | ६०१ | ६३० | १२३१ |
| ७ | ७४० | १२६२ | ११६६ | २४२८ |
| जम्मा | ३५०५ | ५७१३ | ५८४७ | ११५६० |

१.३.३.१ वर्तमान भू-उपयोग

यस गाउँपालिकामा प्राकृतिक दृस्टीकोणले खेतीयोग्य जमिनको वर्चस्व रहेको पाईन्छ । यस गाउँपालिकामा अधिकांश क्षेत्र वन जङ्गलले ओगटेको पाईन्छ। तसैगरी खेति गरिएको जमिनको वन पछिको बढी भू-भाग रहेको छ। तलको चित्रमा प्रस्तुत गरिएको हरियो भाग जंगल हो भने रातो भागले बस्ति तथा मानव निर्मित क्षेत्रको रूपमा बुझ्न सकिन्छ।

तस्विर १ गाउँपालिकाको भू-उपयोग



१.३.३.२ विपद जोखिम व्यवस्थापन तथा सरसफाई

यस गाउँपालिकामा विपदको सामना गर्ने तैयारी निकै न्यून रहेको पाइन्छ। वर्षेनी पहिरो तथा बाढीको सामना गर्नु पर्ने यस गाउँपालिकामा कुनै ठोस् विपद व्यवस्थापन योजना विकास नभएको पाइन्छ।

१.३.४ सामाजिक अवस्था

लिसंखु पाखर गाउँपालिकाले पालिका शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला खेलकुद, बालबालिका, लक्षित वर्ग, अपाङ्गलगायतका क्षेत्रमा सामाजिक विकसमार्फत व्यवस्थित रूपमा कामहरू गरिरहेको छ। गाउँपालिकाभित्र सामाजिक विकासअन्तर्गत सबैको छुट्टाछुट्टै शाखामार्फत स्थानीयको कमलाई सहज बनाएको छ।

१.३.४.१ शिक्षा

यस गाउँपालिकाको बागमती प्रदेशमा पहिलो आधारभूत शिक्षा सुनिश्चित गाउँपालिका भएको घोषणा गर्ने तयारी रहेको छ । पहिलो चरणमा धेरै बालबालिकाहरू विद्यालय बाहिर नै रहेको तथ्यांक आएपछि २०७८ शालको साउन ३१ देखि भदौ ३१ सम्म दोस्रो चरणको भर्ना अभियान संचालन गरिएको थियो । लिसंखु पाखर गाउँपालिकाभित्र विद्यालय उमेर समूह ४ देखि १३ वर्ष भित्रका सबै विद्यालयमा आएकालाई शिक्षा सुनिश्चितता घोषणा भएको छ ।

गाउँपालिकागत रूपमा यस गाउँपालिकामा खुद पूर्ण दरबन्दी छैन । विद्यालयगत रूपमा प्राथमिक तहको जम्मा ३५ वटा पुल दरबन्दीलाई माथिल्लो तहमा गणना गरिएको छ । जसमध्ये १९ वटा दरबन्दी मिलान भएको छ । बाकी १६ वटा दरबन्दी विद्यालयहरूमा समग्र शिक्षक संख्याको अबस्थाअनुसार मिलान भएको छ । त्यसैगरी गाउँपालिकामा दलित छात्रवृत्ति ६५ जना, छात्रा छात्रवृत्ति ६९४ जना र अपाङ्ग छात्रवृत्ति २ जनालाई प्रदान गरिएको छ । लिसंखु पाखर गाउँपालिकाले स्थानीय बिसयबस्तुहरूलाई समेटेर कक्षा १ देखि ८ सम्म स्थानीय पाठ्यक्रम लागु गर्ने गरी निर्माण कार्य अन्तिम चरणमा पुर्याइएको छ ।

पाठ्यपुस्तकमाथिको निर्भरतालाई कम गरि थप पठन सामग्रीको बन्दोबस्त गर्न तपसिलका १० वटा विद्यालयमा पुस्तकालय स्थापना भएका छन् ।

1.3.4.2 स्वास्थ्य

यस गाउँपालिकामा अवस्थित स्वास्थ्य चौकीहरूले स्थानिय बासिलाई सर्वसुलभ तरिकाले औषधि उपचारको व्यवस्था गरेको छ । यस गाउँपालिकामा कुल ५ वटा स्वास्थ्य संस्था रहेको पाइएको छ । वडा नं १ र ३ बाहेक अन्य वडामा वडा स्तरीय अथवा स्वास्थ्य चौकी उपस्थित रहेको पाईन्छ । यस गाउँपालिकामा ३ स्वास्थ्य चौकी र २ वडा स्वास्थ्य कार्यालय रहेको पाईन्छ । त्यसैगरी १ संख्यामा प्रशुती गृह रहेको यस गाउँपालिकामा १३ वटा फार्मसी ११ वटा क्लिनिक रहेको पाईन्छ ।

1.3.4.3 लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण

महिला हकसम्बन्धी नीति, योजना, कार्यन्वयन, महिलाको आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक क्षमता विकास लैंगिक हिम्सा निवारण मुखी कार्यक्रमहरू र लैंगिक उत्तर्दायिक बजेट ।

1.3.4.4 खानेपानी तथा सरसफाई

लिसंखु पाखर गाउँपालिकामा ५ वर्षको अवधिमा सना-ठूला गरेर धेरै खानेपानी योजनाहरू निर्माण भएका छन् । गाउँपालिकामा जनप्रतिनिधि अएपछि ७१ वटा खानेपानी योजनाहरू निर्माण सम्पन्न भएका छन् । गाउँपालिका भित्र ९० प्रतिशत स्थानीयवासी खानेपानीको पहुँचभित्र रहेका छन् । लिसंखु पाखर वडा नम्बर

४ को सिक्ने, धुपिचौर मुहानबाट २ कि.मि पाइप गाडेर बस्तीसम्म खानेपानी पुर्याइएको छ । विभिन्न आमा समूहहरूमा आबद्ध रहेका सुनौलो १००० दिनको आमा समूहको सदस्यहरूलाई पोषण खानपान र सरसफाइ सम्बन्धी अभिमुखिकरण कार्यक्रम संचालन भएका छन् ।

१.४ आर्थिक अवस्था

१.४.१.१ आमदानी, रोजगारी र वित्तीय सेवा

लिसंखु पाखर गाउँपालिकाले स्थानीयको आर्थिक विकासका लागि विभिन्न कार्यक्रम संचालन गरिरहेको छ । पशु, कृषि, आयआर्जन, विभिन्न रोजगारीमुलक कार्यक्रम, प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रमलगायत नागरिकको जीवनस्तरमा प्रत्यक्ष रूपमा सुधार ल्याउनका लागि संचालन गरेका कार्यक्रमहरू हुन् । स्थानीयको आर्थिक स्तर सुधार गरेर गाउँमा नै रोजगारीको सिर्जना गर्नका लागि गाउँपालिकाले १ प्रतिशत ब्याजदरमा सुरु गरेको अध्यक्ष उद्यमशीलता कार्यक्रम गाउँपालिकाको लोकप्रिय कार्यक्रम हो । त्यस्तै कृषिमा सुधार ल्याउने उद्देश्यले तरकारी खेती गर्ने कृषकहरूका लागि अनुदानको कार्यक्रम पनि अहेले प्रभावकारी रूपमा संचालन भइरहेको छ । समग्रमा स्थानीय आर्थिक हिसाबले जीवनस्थरमा सुधार ल्याउका लागि गाउँपालिकाले संचालन गरेको नियमित कमले गाउँपालिकावासी खुसि छन् ।

१.५ स्थानीय तहको विकासको समीक्षा

यस लिसंखु पाखर गाउँपालिका अन्तर्गत रहेका साबिकका गाविसहरूमा आवधिक योजना बनाएको पाइदैन । आवधिक योजना निर्माण गरी त्यसको दिशानिर्देश बिना स्थानीय स्तरको बार्षिक बजेट तथा योजना तर्जुमा प्रक्रियालाई आधार मानेर योजना निर्माण र कार्यान्वयन गरेको हुँदा आवधिक योजनाको महत्व नभएको हुनसक्छ । स्थानीय विकासका महत्वपूर्ण सवालहरूका सम्बन्धमा उचित किसिमको निर्णयमा पुग्न, विकास कार्यक्रमलाई दिर्घकालिन सोच र उद्देश्यबाट अभिप्रेरित गर्न, स्थानीय सम्भावनाहरूलाई आर्थिक तथा सामाजिक सम्बृद्धिमा रूपान्तरण गर्न, विकासका अवरोधकको पहिचान गरि समाधान किटान र श्रोत साधनको विनियोजनलाई माग निर्देशन गर्न, स्थानीय आवश्यकता र प्राथमिकता विच तालमेल कायम गर्न, विकास प्रक्रियामा नेतृत्व, स्वमित्व र सहयोगी भूमिकाको स्पष्ट कार्यक्षेत्र किटान र जिम्मेवारी निर्धारण गर्न, सेवा सुविधालाई सर्वसुलभ, गुणस्तरीय र विश्वशानिय बनाउन आवधिक योजना तर्जुमा गर्नु पर्ने सरकारको बाध्यकारी प्रावधान हुँदाहुँदै पनि प्रक्रियाको रूपमा योजना तर्जुमा गरी अभिलेखिकरण गरिदा जनताका वास्तविक मागहरूलाई सम्बोधन गर्न नसकिने र विकासको प्रतिफल आम जनमानसमा जान नसकी सन्तुलित विकास हुन नसकेको हो । यदपी विकास लागि केही प्रयत्न र थोरै भएपनि उपलब्धि नभएको होइन ।

जनतालाई केन्द्रबिन्दुमा राखेर सम्पूर्ण योजना तर्जुमा प्रक्रियामा लक्षित वर्गको अर्थपूर्ण सहभागिता सुनिश्चित गराउने जनकेन्द्रित विकास, पारदर्शी, जवाफदेही, स्वच्छ एवं सदाचारयुक्त, परिणाममुखी र जनसहभागितामुलक सुशासन प्रक्रिया, यथसम्भव स्थानीय श्रोत साधन र सीपको प्रयोग गरी योजनामा दिगोपना ल्याउने, निर्णय प्रक्रियामा सम्पूर्ण सरोकारवालाहरूको अर्थपूर्ण सहभागिता सुनिश्चित गर्ने,

समावेशीकरण, गरिबीको रेखामुनि रहेका एवं विपन्न र सिमान्तकृत वर्ग, अपांग, गरिब एवं पिछडिएको वर्ग, दलित, मधेसी, आदि सबैको सेवा सुविधामा पहुँचपुगी समतामुलक विकास, समन्वय र साझेदारी, क्षमता अभिवृद्धि गर्न, भु-उपयोग, सामाजिक न्याय, सामाजिक न्याय, विकासका नयाँ चुनौतीहरुको सम्बोधन, केन्द्रिय एवं प्रादेशिक योजनासंग तादात्म्यता, एकीकृत बस्ती विकास, वातावरण मैत्री, बालमैत्री, लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण, दिगो विकास र मानव संसाधन विकास जस्ता विकासका नयाँ आयामहरुमा विगतका योजनाहतुले खासै ध्यान पुर्याएको देखिदैन। जनताको साझा अवाधराना स्थापित गर्ने, विकास प्रक्रियामा सबैको जगारुकता र संगठित प्रयास पहल गर्ने, जनतालाइ अधिकार प्रति सचेत र कर्तव्य प्रति जागरुक बनाउने, स्वयमसेवी, अपनत्व, सहअस्तित्व र मित्रताको पप्रवर्दन गर्ने महत्वपूर्ण औजारको रुपमा रहेको सामाजिक परिचालनलाई विगतका योजनाहरुमा समावेश गरेको पाइदैन। जसले गर्दा विकासको प्रतिफल समान रुपमा वितरण हुन् नसकी धनी र गरिब बिचको खाडल वृद्धि भएको पाइन्छ।

समिक्षाका प्रक्रियाहरु

विगतको गाउँपालिका वस्तुस्थिति विवरण समिक्षाका लागि निम्न प्रक्रियाहरु अवलम्ब गरिएको थियो।

- सम्पूर्ण सहभागीहरु पुर्व निर्धारित पांच वटा बिषयगत समूहहरु (आर्थिक विकास, सामाजिक विकास, भौतिक पूर्वाधार विकास, वन तथा वातावरण र संस्थागत श्रोत तथा क्षमता विकास) मा विभाजन गरिएको थियो।
- प्रत्येक विषयगत समुहलाई गाउँपालिका वस्तुस्थिति पुस्तक उपलब्ध गराई निम्नअनुसारका विषयबस्तुहरु माथि समिक्षा गर्न अनुरोध गरिएको थियो।
 - योजना तर्जुमा तथा कार्यान्वयनको क्रममा देखिएका सकारात्मक पक्ष तथा कमी कमजोरीहरु
 - योजना कार्यान्वयनको समयमा आइपरेका विभिन्न जोखिमपक्ष हरुले प्रत्यक्ष वा परोक्षरुपमा पारेको प्रभाव
 - अन्य विविध जानकारी

१.६ योजना तर्जुमा आधारहरु

संघीय नेपालको संविधान अन्तर्गत मौलिक हक, राज्यका निर्देशक सिद्धान्त र नीति, स्थानीय तहको अधिकार, संघीय एवं प्रदेश नीति र कानून तथा स्थानीय नीति र कानून बमोजिम स्थानीय तहको विकासको मार्गाचित्र निर्माण गरिनुपर्ने हुन्छ। लिसंखु पाखरगाउँपालिकाको यस प्रथम आवधिक विकास योजना देहायअनुसारका नीतिगत तथा कानूनी व्यवस्थालाई आधार लिई तर्जुमा गरिएको छ।

- नेपालको संविधान
- नेपाल सरकारबाट स्वीकृत संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको अधिकारहरुको कार्यविस्तृतीकरण प्रतिवेदन
- स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४

- अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४
- संघ र प्रदेश सरकारले जारी गरेका विषयगत नीति, कानून तथा मापदण्ड (भूउपयोग नीति, कृषि विकास रणनीति)
- पर्यटन नीति, वन तथा वातावरण ऐन, विद्यालय क्षेत्र सुधार योजना तथा १५ वर्षे स्वास्थ्य क्षेत्र रणनीति, बहुक्षेत्रीय
- पोषण योजना, बस्ती विकास, शहरी योजना तथा भवन निर्माण सम्बन्धी आधारभूत निर्माण मापदण्ड आदी)
- नेपाल सरकारको दीर्घकालिन सोच, पन्द्रौ राष्ट्रिय योजना (संघीय आवधिक योजना), प्रदेश ३ सरकारको प्रथम आवधिक योजनाको आधार पत्र
- नेपाल सरकार, प्रदेश सरकार तथा स्थानीय सरकारको मध्यमकालिन खर्च संरचना
- नेपाल सरकार, प्रदेश सरकारबाट राजस्व बाडफाड, वित्तीय समानीकरण, सशर्त अनुदान, समपुरक तथा विशेष अनुदान, स्थानीय आय (कर शुल्क, सेवा शुल्क तथा दस्तुर), जनसहभागिता आदी
- विकासका अन्तरसम्बन्धित (साझा) विषयहरू (लैंगिक समानता तथा समावेशीकरण, सुशासन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन, जलवायु परिवर्तन अनुकुलन आदी)
- नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारको अवलम्बन गरेका आर्थिक नीतिहरू
- दीगो विकास लक्ष्यको राष्ट्रिय र प्रादेशिक मार्गचित्र
- दीगो विकास लक्ष्य (सन् २०१५—२०३०)
- नेपाल पक्ष भएका अन्तर्राष्ट्रिय सन्धी सम्झौताहरू तथा नेपाल सरकारले अन्तर्राष्ट्रियस्तरमा जनाएका प्रतिवद्धताहरू नेपालको संविधानले संघ, प्रदेश र स्थानीय तहले आफ्नो अधिकार क्षेत्र भित्रको विषयमा कानून बनाउने, बार्षिक बजेट बनाउने, नीति तथा योजना तयार गर्ने र त्यसको कार्यान्वयन गर्ने व्यवस्था गरेको छ (धारा ५९ को उपधारा १)। संविधानको अधिकारको सूचीको अवस्था अनुसार नेपाल सरकारबाट स्वीकृत संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको अधिकारहरूको कार्य विस्तृतीकरण प्रतिवेदनमा स्थानीय स्तरका आवधिक योजना र बार्षिक योजना तथा बजेट स्वीकृती सम्बन्धी कार्यलाई स्थानीय तहको कार्यसूचीमा सूचीकृत गरिएको छ। स्थानीय शासन संचालन सम्बन्धी संघीय कानून, स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को परिच्छेद ६ को दफा २४ को उपदफा १ अनुसार गाउँ/नगरपालिकाले आफ्नो अधिकार क्षेत्रको भित्रका विषयमा स्थानीयस्तरको विकासका लागि आवधिक, बार्षिक र विषय क्षेत्रगत मध्यकालिन तथा दीर्घकालिन विकास योजना बनाई लागू गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ। यस प्रकार योजना बनाउदा नेपाल सरकार, प्रदेश सरकारको नीति, लक्ष्य, उद्देश्य, समयसीमा र प्रक्रियासाग अनुकुल हुने गरी सुशासन, वातावरण, बालमैत्री, जलवायु परिवर्तन अनुकुलन, विपद् व्यवस्थापन, लैंगिक तथा सामाजिक समावेशीकरण जस्ता अन्तरसम्बन्धित विषयहरूलाई ध्यान दिनु पर्ने व्यवस्था गरेको छ।

यसका अतिरिक्त स्थानीय सरकार संचालन ऐनले गाउँपालिका तथा नगरपालिकाले योजना तर्जुमा गर्दा देहायअनुसार गर्नुपर्ने व्यवस्थालाई यस आवधिक योजनामा समायोजन गरिएको छ।

- मध्यम तथा दीर्घकालिन प्रकृतिका आयोजनाहरूको सूची तयारी,
- योजना तर्जुमा प्रक्रियामा स्थानीय वृद्धीजिवि, विषयविज्ञ, अनुभवी, पेशाविद्, महिला, बालबालिका, दलित, युवा, अल्पसंख्यक, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, ज्येष्ठ नागरिक, सीमान्तकृत तथा लोपोन्मुख समुदाय लगायतका सरोकारवालाको अधिकतम सहभागिता,
- कार्यक्रम र प्रमुख आयोजनाहरूको स्रोत साधनको पूर्वानुमान र योजना कार्यान्वयन तालिका तयार,
- योजनामा संघ तथा प्रदेश सरकारबाट संचालन गर्न आवश्यक आयोजना कार्यक्रमलाई अवसरको रूपमा समावेश
- आवधिक योजनामा आधारमा वार्षिक योजना तर्जुमा गर्दा आयोजनाको संभाव्यता अध्ययन, अनुसन्धान तथा प्रभाव मूल्याङ्कनलाई कार्यनीतिमा समावेश
- गाउँपालिकामा गैर सरकारी संस्था, उपभोक्ता समिति, सहकारी संस्था र सामुदायिक संस्थाले संचालन गर्ने तथा साझेदारीमा संचालन हुने आयोजना, कार्यक्रम तथा लगानी समेतलाई योजनामा संलग्न
- नेपाल सरकारको स्वीकृति बमोजिम विकास साझेदार तथथा अन्तरराष्ट्रिय गैर सरकारी संस्थाबाट गाउँपालिकामा संचालन भएका तथा हुने कार्यक्रम तथा लगानीलाई योजनामा मध्यनजर तथा समावेश संवैधानिक व्यवस्था तथा स्थानीय सरकार संचालन सम्बन्धी संघ र प्रदेश कानूनका अतिरिक्त स्थानीय तहको आवधिक योजना तर्जुमा प्रक्रियामा गाउँपालिकाको सन्दर्भमा उपयुक्त हुने नीतिगत तथा कानूनी व्यवस्थालाई समस्थानीयकरण गरी आधारको रूपमा अपनाइएको छ

१.७ योजना तर्जुमा विधि तथा प्रक्रियाहरू

१.७.१ आवधिक योजना तयारी तथा कार्यशाला गोष्ठी

गाउँ तथ्यांक समावेश गरि आवधिक विकास योजना तर्जुमा कार्यशाला गोष्ठीको आयोजना गरियो । गोष्ठीमा वस्तुस्थिति विवरण, आधार सूचनाको आधारमा विषयगत वस्तुस्थिति विश्लेषण, योजनाको नतिजा, कार्यान्वयन कार्यपालिकाको आयोजना र नेतृत्व तथा विषयक्षेत्र योजना तर्जुमा समितिहरूको संयोजनमा आवधिक विकास योजना तर्जुमा कार्यशाला गोष्ठीको आयोजना गरियो । गोष्ठीमा वस्तुस्थिति विवरण, आधार सूचनाको आधारमा विषयगत वस्तुस्थिति विश्लेषण, योजनाको नतिजा, कार्यान्वयन योजना, विषय क्षेत्रगत लक्ष्य तथा उद्देश्य हासिल गर्ने रणनीति तथा अपेक्षित प्रतिफल हासिल गर्न अवलम्बन गर्ने कार्यनीति तर्जुमा गरियो । यसका साथै कार्यशालामा गत आर्थिक वर्षहरूमा उपलब्ध स्रोतको आधारमा आवधिक योजनाको अवधिमा गाउँपालिकाको आन्तरिक स्रोत, राजस्व बाडफाटबाट प्राप्त राजस्व, संघ तथा प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने अनुदान समेत अन्य विभिन्न स्रोतबाट प्राप्त योजना, विषय क्षेत्रगत लक्ष्य तथा उद्देश्य हासिल गर्ने रणनीति तथा अपेक्षित प्रतिफल हासिल गर्न अवलम्बन गर्ने कार्यनीति तर्जुमा गरियो । यसका साथै कार्यशालामा गत

आर्थिक वर्षहरूमा उपलब्ध स्रोतको आधारमा आवधिक योजनाको अवधिमा गाउँपालिकाको आन्तरिक स्रोत, राजस्व बाडफाटबाट प्राप्त राजस्व, संघ तथा प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने अनुदान समेत अन्य विभिन्न स्रोतबाट संकलन गरियो।

१.७.२ वस्तुस्थिति विश्लेषण

राष्ट्रिय जनगणना २०६८ को प्रतिवेदन, स्थानीय तह सम्बन्धी जानकारी पुस्तिका, कृषि गणना र गाउँपालिकाबाट संचालित कृषि सर्वेक्षण २०७६ लाई प्रमुख आधार मानी गाउँपालिकाको वस्तुस्थिति विवरण तयार गरियो। वस्तुस्थिति विवरणमा गाउँ कार्यापालिका कार्यालय, विषयगत शाखा, वडा कार्यालय, स्थानीय संघ, संस्था र समूहबाट प्राप्त सूचना तथा अन्य द्वितीय स्रोतबाट उपलब्ध सूचना समावेश गरियो। यस आवधिक योजना तर्जुमा प्रक्रियामा अन्तर्गत वस्तुस्थिति विश्लेषण गोष्ठीमा गरिने सहभागितामूलक छलफलबाट प्राप्त सूचना समेतको आधारमा वस्तुस्थिति विश्लेषण विवरण थप सूचना तथा जानकारीमूलक बनाइयो। वस्तुस्थिति विश्लेषण विवरणबाट प्राप्त सूचनालाई यस योजनाको आधाररेखा सूचनाको रूपमा उपयोग गरियो, जसलाई योजनाको आधार दस्तावेजकारूपमा लिइयो।

१.७.३ योजना दस्तावेज तयारि

योजना तर्जुमा प्राविधिक टोलीको सहयोगमा वस्तुस्थिति विवरण तथा आधार सूचना, वस्तुस्थिति विश्लेषण र योजना तर्जुमा कार्यशाला गोष्ठीको नतिजा, विषयक्षेत्र योजना तर्जुमा समितिको छलफल तथा परामर्शबाट प्राप्त विवरण, सूचना तथा निष्कर्ष नतिजामूलक योजना तर्जुमाको ढाचामा लिपिवद्ध गरी योजना दस्तावेजको मस्यौदा तयार गरिएको छ। योजना दस्तावेजलाई मुख्य ८ परिच्छेदमा विभाज गरिएको छ। जसअनुसार परिचय, गाउँपालिकाको संक्षिप्त चिनारी, योजनाको अवधारणा तथा प्रारूप, विषय, क्षेत्रगत योजना, संस्थागत तथा कार्यान्वयन व्यवस्था रहेका छन्। सन्दर्भ सामग्रीको रूपमा राष्ट्रिय तथा प्रदेश आवधिक योजना, साविक जिल्ला तथा स्थानीय निकायका गाविसहरूका आवधिक, विषय क्षेत्रगत गुरुयोजनाको प्रारूपलाई उपयोग गरिएको छ। साथै योजनाविद्, विषयविज्ञ तथा सरोकारवालाको समेत सुझाव लिई योजना तर्जुमा प्राविधिक टोलीद्वारा नतिजामूलक योजनाको ढाचामा स्थानीय तहका अधिकार क्षेत्रकाविषय एवं प्राविधिक पक्षहरूलाई तर्कपूर्ण एवं वस्तुनिष्ठ ढंगबाट प्रस्तुत गरी आवधिक योजनाको मस्यौदा दस्तावेज तयार गरिएको छ।

१.७.४ मस्यौदा प्रस्तुति तथा सुझाव संकलन कार्यशाला तथा अन्तिम दस्तावेज तयारि

स्थानीय तहको आवधिक योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, योजनाको स्तरीय ढाचा, सहभागितामूलक कार्यशाला, विषयविज्ञको सुझाव र परामर्शका आधारमा तयार योजनाको मस्यौदा दस्तावेजलाई गाउँपालिकाका पदाधिकारी, कर्मचारी सरोकारवाला माझ मस्यौदा प्रस्तुती सुझाव संकलन कार्यशालाको आयोजना गरी प्रस्तुती, छलफल तथा सुझाव प्राप्त गरिनेछ। कार्यशालामा प्रस्तुती, विषय क्षेत्र समूह तथा वृहत समूह छलफल र परामर्श गरी आवधिक योजनालाई पूर्ण बनाउन आवयक सुझाव प्राप्त गरिनेछ। त्यस कार्यशालामा

सहभागितामूलक प्रक्रियाबाट गाउँपालिकाको दिर्घकालिन सोच (vision), विकासका निर्देशक सिद्धान्तको रूपमा योजनाको ध्येय (:Mission), योजनाको समष्टिगत लक्ष्य (Goal), उद्देश्य (Objectives) तथा रणनीति (Strategies) तर्जुमा गरिने छ ।

यस कार्यशालाबाट योजनाको वित्तीय विश्लेषणमा जनसमुदाय, नीजि क्षेत्र, गैसस तथा समुदायिक संस्था,संघ तथा प्रदेश सरकारबाट सिधै कार्यान्वयन हुन आयोजना तथा कार्यक्रममा हुने लगानी समेत विश्लेषण गरी अपुग श्रोत परिचालन रणनीति तय गरिने छ । कार्यशालामा योजनाको नतिजा खाकामा आधारित भई प्रस्तावित प्रमुख आयोजनाको प्रक्रिया अनुगमन, प्रतिफल, असर तथा प्रभावको नतिजा अनुगमन तथा लेखाजोखाको खाका प्रस्तुत तथा छलफल गरिने थियो । यस कार्यशाला गोष्ठीमा कार्यापालिकाका पदाधिकारी, सबै विषय क्षेत्र योजना तर्जुमा समिति पदाधिकारी, कर्मचारी, स्थानीय विषयविज्ञ तथा अगुवा, समाजसेवी बुद्धीजिवि, लक्षित वर्ग तथा समुदाय, राजनीतिक दल, गैसस र समुदायिक संस्थाका प्रतिनिधि ईत्यादीको उपस्थिति रहने छ । यस कार्यशालाको निष्कर्ष तथा कार्यशाला र सरोकारवालाबाट प्राप्त सुझाव तथा पृष्ठपोषणलाई समावेश गरी लिसंखु पाखर गाउँपालिकाको प्रथम आवधिक विकास योजनाको दस्तावेजलाई अन्तिम रूप प्रदान गरिने छ ।

१.८ योजना तर्जुमाको सीमाहरू

- तथ्यांक सीमा
 - यसमा प्रयोग गरेको सीमाहरू संघीय सरकार, प्रदेश सरकार, र स्थानीय तहको प्रकाशित र अप्रकाशित तथ्यांकहरू
 - दोस्रो तहबाट संकलन गरेका सूचनाहरू
 - PRA, FGD
 - यसले वर्तमान अवस्थाको सांकेतिक प्रतिनिधित्व गर्दछ

परिच्छेद २. समष्टिगत योजनाको अवधारणा

२.१ पृष्ठभूमि

देशको कुनै पनि भूभागको विकास त्यसको योजनामा आधारित हुन्छ। योजनाबद्ध विकास गर्नु कुनैपनि गाउँको प्रमुख एजेन्डा हुने गर्दछ। त्यसै अनुरूप यस आवधिक योजना निर्माण पनि योजनाबद्ध विकासको अपरिहार्य कार्यका रूपमा हामीले लिएका छौं। कुनै पनि योजना को सुरुवात, त्यस गाउँको दिर्घकालिन सोचमा अधिएको हुन्छ जसले योजनाको मार्ग दर्शाउने गर्दछ। दिर्घकालिन सोचको निर्माणले आवश्यक उपयुक्त नीति, सिद्धान्त, रणनीति, कार्यक्रम पहिचान गर्न सहज हुने र त्यसको स्पष्टताले योजनाले लक्षित गरेका सूचकहरूको पहिचान गरि सोच हासिल गर्न सकिन्छ। लिसंखु पाखरगाउँपालिकाका अग्रणी क्षेत्रहरूमा कृषि, पर्यटन, उद्योग तथा पूर्वाधार विकासलाई मानिएको छ। यस आवधिक योजनामा पनि तिनै क्षेत्रहरूलाई गाउँपालिकाको दिर्घकालिन विकासका प्रमुख पक्षहरू मानिएको छ।

२.२ योजना खाका

२.२.१ सोच

स्वस्थ, सुखी र समृद्ध लिसंखु पाखर, पर्यटन, जलस्रोत, शिक्षा र कृषिमा आधुनिकीकरण र आत्मनिर्भर

२.२.२ निर्देशक सिद्धान्त

यस गाउँपालिकाले तल उल्लेखित पाँच वटा निर्देशक सिद्धान्तलाई विकास र समृद्धिका योजना कार्यान्वयन गर्ने र सरकार संचालन गर्ने मूलमन्त्रको रूपमा ग्रहण गर्नेछ।

क) सामाजिक न्यायमा आधारित प्रतिफल वितरण

ख) सामुदायिक पुँजी-सम्पत्ती निर्माण

ग) समाजवाद उन्मुख आर्थिक समृद्धि

घ) लोकतन्त्र र सङ्घीय शासन पद्धतीको संस्थागत सबलीकरण

ङ) पर्यावरणीय न्यायमा आधारित विकास

२.२.३ रणनीतिक लक्ष्य

“स्वस्थ, सुखी र समृद्ध लिसंखु पाखर, पर्यटन, जलस्रोत, शिक्षा र कृषिमा आधुनिकीकरण र आत्मनिर्भर” नाराका साथ संचालन गरिएका विकासका अभियान अर्जतगत शिक्षा, स्वास्थ्यको विकास, कृषि क्षेत्रमा आधुनिकीकरण, रोजगारीका अवसरको सृजना र दिगो पूर्वाधारको विकास गरि नागरिकको जीवनस्तर वढाउने लक्ष्य राखिएको छ।

२.२.४ उद्देश्य

- आर्थिक विकासका लागि लगानी र सुरक्षा बढाउने
- कृषि, पशुपन्छी जन्य उत्पादनमा आत्मनिर्भर हुन आधुनिकिकरण गर्ने ।
- उत्पादन र रोजगारीको प्रवर्धन गर्ने
- व्यापार, व्यवसाय र उद्यमशिलताको विकास गर्ने
- धार्मिक, साँस्कृतिक, भौगोलिक र जैविक धरोहरहरूको संरक्षण गर्दै पर्यटन व्यवसाय प्रवर्धन गर्ने
- स्वास्थ्य सेवालाई सुदृढ गर्ने
- गुणस्तरिय शिक्षा, प्राविधिक शिक्षालाई प्राथमिकताका आधारमा विकास गर्ने
- सवैका लागि सुरक्षित शुद्ध पिउने पानी उपलब्ध गराउने ।
- पुर्ण सरसफाई वस्ति र सवैका लागि सुरक्षित पिउने पानी ।
- राष्ट्रिय भु उपयोग नीति अनुरूप जमिनको विभाजन र सदुपयोग गर्ने ।
- मापदण्डयुक्त भौतिक पूर्वाधार विकास र बस्ती व्यवस्थापन गर्ने
- वातावरणीय संरक्षण र विपद् व्यवस्थापनको दिगो उपाय अख्तियार गर्ने
- प्राकृतिक स्रोत सम्पदाको संरक्षण र भू-उपयोगलाई संवृद्धिको उपायमा परिचालन
- संस्थागत विकास, सुशासन र सार्वजनिक सेवामा क्षमता अभिवृद्धि गर्ने
- सामाजिक सुरक्षा र सुरक्षणलाई सर्वोपरि प्राथमिकता

२.२.५ रणनीति र कार्यनीति

स्थानीय तहले लिएका उद्देश्य तथा लक्षलाई हासिल गर्न देहायअनुसारका क्षेत्रगत रणनीति निर्धारण गरिएको छ ।

आर्थिक विकास

- कृषकको उद्दम्सिलता विकास हुने गरि व्यवसायिक कृषिको व्यवस्थापन तथा औद्योगिककरण गरि कृषि उत्पादनको प्रवर्द्धन, व्यवसायिकरण, विविधिकरण र बजारीकरणलाई प्रोत्साहन गर्ने ।
- कृषि भूमिको पूर्णता सदुपयोग गरि उर्वरता निरन्तर कायम हुने गरि वृद्धि गर्ने ।
- पशुपन्छी स्वास्थ्यमा विशेष ध्यान दिई उत्पादनको गुणस्तर र उत्पादकत्वको वृद्धि गर्ने
- पशुपन्छी जन्य उत्पादन प्रवर्धन, व्यवसायीकरण, बजारीकरण र विविधिकरण गरि कृषकको उद्यम्सिल बनाई औद्योगिककरण गर्ने
- विद्यमान सिंचाई प्रणालीको संरक्षण, सम्भार र स्तरोन्नति गरि पूर्ण रूपमा उपयोग गर्ने र नयाँ सिंचाई योजनाको विकास गरि असिंचित कृषि योग्य जमिनमा सिंचाईको दायरा वृद्धि गर्ने ।
- प्रमुख जलश्रोतको पहिचान गरि संरक्षणको सुनिश्चितता सहित खानेपानी तथा सिंचाईका लागि उचित उपयोग गर्ने

- वैज्ञानिक वन संरक्षण र व्यवस्थापन प्रणाली अनुसार वन पैदावारको उत्पादन वृद्धि गरि वन पैदावारको आपूर्ति सहज बनाउने र आम्दानीमा वृद्धि गर्ने
- स्थानीय कच्चा पदार्थ, श्रोत-साधन, सिप तथा प्रविधिमा आधारित लघु तथा घरेलु तथा साना उद्योगको विकास र विस्तार गर्ने
- व्यावसायिक गतिविधिमा केन्द्रित वित्तीय सेवाको पहुँच वृद्धि गरि शिक्षित तथा उद्दम्शील युवा लक्षित वित्तीय सेवा विस्तार गर्ने
- न्युन आयको बचत परिचालन गरि पुँजी निर्माण उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी गर्न व्यवस्था गर्ने।
- सहकारी सेवामा सुशासन कायम गरि विषयगत उत्पादन समुहलाई सहकारीमा आवद्ध गर्ने।

सामाजिक विकास:

- विद्यालयको संस्थागत सक्षमता वृद्धि गरि गुणस्तरीय, व्यवहारिक तथा जिवनूपयोगी शिक्षाको सुनिश्चितता गर्ने।
- सूचना प्रविधिलाई आधार बनाई आधुनिक र गुणस्तरीय शिक्षा उपलब्ध गराउन शिक्षा अतिरिक्त सुविधा व्यवस्था गराई उत्साहाजनक वातावरण वृद्धि गर्ने।
- गुणस्तरीय आधारभूत स्वास्थ्य सेवाका लागि आवश्यक पूर्वाधार निर्माण गरि सबै नागरिकमा सहज पहुँच को व्यवस्था गर्ने।
- स्वास्थ्य संस्थाको सुध्दिकरण गरि सेवाको गुणस्तरमा अविबृद्धि गर्ने।
- सम्भावित मुहानको संरक्षण तथा नयाँ प्रविधि प्रयोग गरि सुरक्षित खानेपानी तथा सरसफाइमा न्यायोचित पहुँचमा वृद्धि गर्ने।
- महिलालाई उद्दमी र आत्मनिर्भर बनाई हक अधिकार सुनिश्चितता गर्ने।
- बालबालिकालाई रचनात्मक विकास गर्ने र व्यवहारिक बनाउने।

पूर्वाधार विकास:

- कृषि, पर्यटन तथा सामाजिक सेवा प्रवाहलाई सहज र सुलभ हुने तथा सबै बस्तीमा पहुँच पुग्ने गरि गुणस्तरीय सडक पूर्वाधारको विकास र विस्तार गर्ने।
- सडकको मापदण्ड, वर्गीकरण, नामकरण र प्राथमिकताक्रम सहित यातायात गुरुयोजना तर्जुमा गरि विपद जोखिम न्यूनीकरणलाई समावेस गरि सडक निर्माण र संचालन गर्ने
- इन्टरनेट तथा टेलिफोन सेवाको पहुँच र गुणस्तरमा अभिवृद्धि गर्ने
- सूचना तथा सेवा प्रवाहलाई प्रविधिमैत्री बनाउने र सेवामुखी सार्वजनिक क्षेत्रमा निःसुल्क इन्टरनेटको व्यवस्था गर्ने

वन, वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन

- पाखो र नाङ्गो क्षेत्रलाई वृक्षारोपण गरी हरियाली बनाउने
- प्रत्येक वनमा बृहत हाइटेक नर्सरी स्थापना गर्ने

- मुहानको पहिचान तथा संरक्षण सहित स्वच्छ खानेपानीको व्यवस्था गर्ने
- जलाधार तथा सिमसार क्षेत्रको संरक्षण गर्ने
- भवन निर्माण आचार संहिता अनिवार्य रूपमा लागु गर्ने
- जोखिम पार्श्वचित्रको आधारमा विपद जोखिम न्यूनीकरण मूल प्रवाहीकरण गर्ने
- विपद जोखिम न्यूनीकरण सम्बन्धी नीति, कानून बनाई लागु गर्ने

सुशासन तथा संस्थागत विकास

- गाउँपालिकाको केन्द्रमा मापदण्ड अनुसारको जग्गा व्यवस्था तथा कार्यालय भवन निर्माण गरी आवश्यक जनशक्ति सहितको सेवा प्रदान गर्ने
- गाउँपालिकामा करको दयारा फराकिलो गर्ने
- गै.स.स., विकास साझेदार, वित्तीय लगानीकर्ता र निजी साझेदार लगानीकर्ताहरुको लगानी वृद्धि गर्ने
- योजना कार्यन्वयनको सुरुदेखि अन्त्यसम्म सूचकमा आधारित नियमित र प्रभावकारी अनुगमनका साथै आवश्यक पृष्ठपोषण प्रदान गर्ने
- अनुगमन तथा मुल्यांकन तेस्रो पक्षद्वारा गर्ने व्यवस्था गर्ने

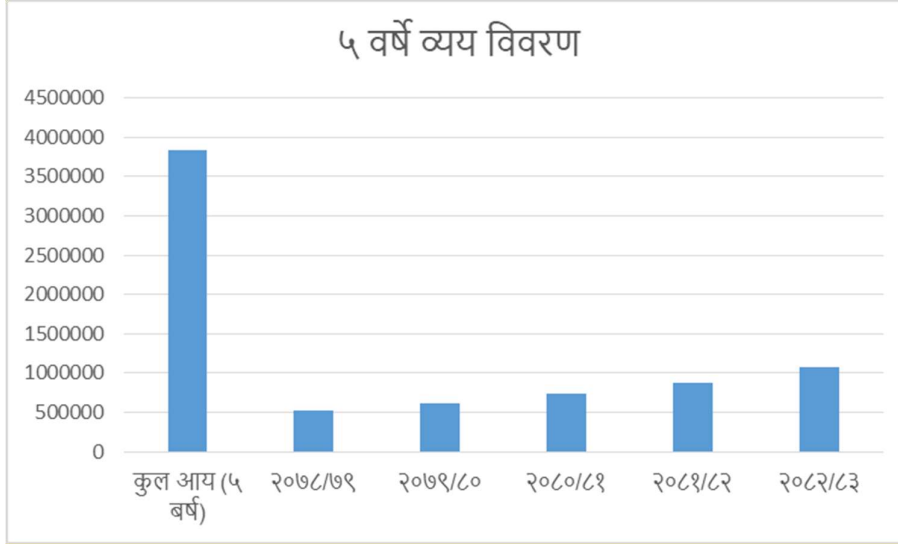
२.३ व्याको प्रवृत्ति र प्रक्षेपण

यस गाउँपालिकाको व्ययको प्रवृत्ति तलको तस्विरेमा दर्शाइएको छ ।

| सी.नं. | बजेटका श्रोतहरू | आ. व. | | वार्षिक प्रक्षेपण (वार्षिक वर्ष अनुसार रकम (रु. हजारमा)) | | | | |
|--------|---------------------------------|---------|---------|--|---------|---------|---------|---------|
| | | २०७७/७८ | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ | २०८३/८४ |
| १ | व्याय | ४२५४३८ | ४८९३२७ | ४७३२२४ | ५०३८४३ | ५३७१५६ | ५७३४१६ | ६१२८९९ |
| २ | राजस्व | १०५६८८ | १०५७७२ | १०९३५६ | ११३२४९ | ११७४८२ | १२२०८८ | १२७१०६ |
| ३ | बान्तरिक श्रोत | ६५०० | ६५०० | ७१५० | ७८६५ | ८६५२ | ९५१७ | १०४६८ |
| | नगद | ६५०० | ६५०० | | | | | |
| | नगद ऋण | | | | | | | |
| ४ | राजस्व बाँडफाँड प्राप्त रकम | ९९१८८ | ९९२७२ | १०२२०६ | १०५३८४ | १०८८३० | ११२५७२ | ११६६३७ |
| ४.१.१ | राजस्व बाँडफाँड - सशिय सरकार | ७४७४७ | ७५२०० | ७५७२६ | ७६२५६ | ७६७९० | ७७३२८ | ७७८६९ |
| ४.१.२ | राजस्व बाँडफाँड - प्रदेश सरकार | २४४४१ | २४०७२ | २६४७९ | २९१२७ | ३२०४० | ३५२४४ | ३८७६८ |
| ५ | अन्तर सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण | ३११३४५ | ३५९२०१ | ३६३८६८ | ३९०५९५ | ४१९६७५ | ४५१३२७ | ४८५७९३ |
| ५.१ | संघिय सरकार | २७१००० | ३०५२०० | ३०७७४० | ३३२१४५ | ३५८६९४ | ३८७५८६ | ४१९०३८ |
| ५.१.१ | सशर्त अनुदान चालु | १५३१०० | १६७७९५ | १८४५७५ | २०३०३२ | २२३३३५ | २४५६६९ | २७०२३६ |
| ५.१.२ | समानिकरण अनुदान | ११०४०० | ११३३०० | ११८९६५ | १२४९१३ | १३११५९ | १३७७१७ | १४४६०३ |
| ५.१.३ | सम्पुरक अनुदान | | ४२०० | ४२०० | ४२०० | ४२०० | ४२०० | ४२०० |
| ५.१.४ | विशेष अनुदान | ७५०० | १२५००. | | | | | |
| ५.१.५ | प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम | | ७४०५. | | | | | |
| ५.२ | प्रदेश सरकार | ४०३४५ | ५४००१ | ५६१२९ | ५८४४९ | ६०९८१ | ६३७४२ | ६६७५५ |
| ५.२.१ | सशर्त अनुदान चालु | २००२५ | १४५९२ | १६०५१ | १७६५६ | १९४२२ | २१३६४ | २३५०१ |
| ५.२.२ | समानिकरण अनुदान | ९९९४ | ९५५२ | १०२२१ | १०९३६ | ११७०२ | १२५२१ | १३३९७ |
| ५.२.३ | सम्पुरक अनुदान | ५३२६ | २९८५७ | २९८५७ | २९८५७ | २९८५७ | २९८५७ | २९८५७ |
| ५.२.४ | विशेष अनुदान | ५००० | | ० | ० | ० | ० | ० |
| ६ | गत वर्षको नगद मौज्जात | ८४०५ | २४३५४ | | | | | |

२.४ व्ययको प्रवृत्ति र प्रक्षेपण

| कुल आय (५ वर्ष) | २०७८/७९ | २०७९/८० | २०८०/८१ | २०८१/८२ | २०८२/८३ |
|-----------------|----------|---------|----------|----------|-------------|
| 3835641.67 | 529547.5 | 620431 | 735534.7 | 881820.5 | 1068307.951 |



२.४.१ लगानीको आवश्यकता र स्रोत

नेपाल संघीय स्वरूपमा गए पश्चात सम्बृद्धिको दिशामा अगाडी बढ्नका लागि स्थानीय तह देखि नै विकास र सम्बृद्धि आवश्यक छ। तसर्थ गाउँपालिकाका सम्पूर्ण बस्ती, वडा तहसम्म यातायात, संचार, शिक्षा तथा स्वास्थ्य र सार्वजनिक सेवा सम्बन्धि पूर्वाधारको निर्माण तथा विस्तार गर्नका लागि लागनीको टड्कारो आवश्यकता रहेको छ। उच्च गुणस्तरको स्वास्थ्य, शिक्षा र पोषण सहितको मानव पुंजी निर्माण, कृषकमा नवीनतम ज्ञान तथा सीप विकास, यन्त्रीकरण, सिंचाई, भुमि विकास, चक्लाबन्दी र उच्च मूल्यका कृषि तथा वन पैदावारको विकास गरि कृषि क्षेत्रमा उत्पादकत्वमा वृद्धि गर्न आवश्यक छ। उर्जाको सहज र सुलभ उपलब्धता, आधुनिक प्रविधिको अवलम्बन र उच्च प्रविधि तथा ज्ञानमा आधारित सेवा प्राप्त गर्न लागनीको आवश्यकता पर्ने देखिन्छ।

उपरोक्त प्रकृतिका भौतिक पूर्वाधार तथा सार्वजनिक सेवा प्रवाहका लागि गाउँपालिका सम्भव भएसम्म अन्तरिक आयमा वृद्धि, राजस्व तथा गैरकर राजस्व संकलनमा तदारुकता देखाई श्रोत संकलनमा योगदान दिन सक्छ। यसका अलावा पर्यटन क्षेत्रलाई बढोत्तरी गर्दै आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटकबाट लाभ लिन सकिन्छ साथ साथै बनपैदावार र जडीबुटीको पनि सम्भावना रहेको यस गाउँपालिकामा उपरोक्त तरिकाले दोहन गर्न सकेममा गाउँपालिकालाई आवश्यक पर्ने श्रोतको लागि अन्य क्षेत्रसंगको परनिर्भरता हटाउन सकिन्छ।

२.४.२ स्रोत साधनको बाँडफाँड तथा परिचालनका आधारहरू

आवधिक योजना तथा मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमाको लक्ष्य तथा उद्देश्य हासिल गर्ने गरि श्रोत र साधनको बाँडफाँड तथा परिचालन गर्नु आवश्यक छ। सम्बृद्धि आधार निर्माण गर्न सार्वजनिक, निजी र सहकारी क्षेत्र बीचको सहकार्यबाट उल्लेख्य उपलब्धि हासिल हुने गरि श्रोत साधनको बाँडफाँड तथा परिचालन गर्नुपर्ने छ।

बिषय क्षेत्रगत रणनीति बमोजिम पहिचान गरिएका बिषय क्षेत्रमा रानीतिक हस्तक्षेप गरेमा लगानीको उच्चतम प्रतिफल हासिल हुनेछ। स्थानीय स्तरका कार्यक्रम र आयोजना स्थानीय तहबाटनै सम्पन्न गर्ने गरि श्रोत र साधनको बाँडफाँड गर्नुपर्दछ। योजनाले लिएको लक्ष्य हासिल गर्न सार्वजनिक लगानीलाई कृषि तथा वन, औद्योगिक पूर्वाधार निर्माण र अन्य पूर्वाधार निर्माण जस्ता क्षेत्रमा लागनी केन्द्रित गर्नु आवश्यक हुन्छ। मानवपुंजी निर्माण र सोको उच्चतम उपयोगले उत्पादकत्व अभिवृद्धि, उच्चआयको आधार निर्माण र सुखको अनुभूति हुन सक्छ साथै पर्यावरण संरक्षण, सभ्य र न्यायपूर्ण समाज निर्माण तथा सुशासनलाई थप सुदृढ बनाउनेगरि सार्वजनिक, निजी तथा सहकारी र सामुदायिक क्षेत्रको श्रोत परिचालन आवश्यक छ। यसको साथै श्रोत साधनको बाँडफाँड गर्दा समग्र क्षेत्र, बर्ग, जातजाति बर्ग, लिंगको प्रतिनिधित्व हुने गरि सार्वजनिक निजी साझेदारीको अवधारणा अनुरूप चाँडो प्रतिफल प्राप्त हुने, गरिबी निवारणहुने र स्थानीय श्रोत साधनको उच्चतम उपयोग हुने क्षेत्रमा श्रोत साधनलाई परिचालन गर्न आवश्यक छ।

परिच्छेद ३. आर्थिक क्षेत्र

३.१ कृषि विकास

३.१.१ पृष्ठभूमि

देशका धेरै भू-भागमा झैं यस गाउँपालिकामा पनि कृषि मुख्य व्यवसाय रहेको पाइन्छ। कृषि भूमिले गाउँपालिकामा कृषिमा उपयोग भएको जमिनको अवस्था अंकित गर्दछ। अहिलेको अवस्थामा कृषिमा प्रयोग भएको धेरै जग्गामा एक बालि बढी लगाईएको पाईन्छ। रहेको कृषि योग्य जमिनमा बढी भागमा सिचाईको पूर्वाधार विकास नभएको पाईन्छ। यस गाउँपालिकामा आलु अधिकांश कृषकद्वारा उब्जनी गरेको देखिन्छ भने तरकारी लगायत फलफुल खेति पनि हुने गरेको छ।

३.१.२ प्रमुख समस्या र चुनौतीहरू

त्यसैगरी खेति किसानमा युवाहरू आकर्षित नरहेको र अधिकांश कृषक धेरै बर्षबाट कृषि गर्दै आएका पाको उमेरका भएको पाईन्छ। त्यसैगरी कृषि निर्वाहमुखी मात्र रहेको। प्रमुख चुनौती भनेको लगानी र अर्थ नै देखिन्छ। युवाहरूलाई आकर्षण गर्नका निम्ति ल्याइने नीति तथा योजना प्रभावकारी नरहेको पाईन्छ। सिचाईलाई नदि श्रोतबाट ल्याउन पहल गर्नु पर्ने देखिन्छ। कृषिलाई व्यावसायिक रूपमा विकास गर्न नसक्नु सबैभन्दा ठुलो चुनौती रहेको देखिन्छ। त्यसैगरी जग्गाको खण्डिकरण, घडेरीकरण र खेत बाँझो राख्ने प्रवृत्तिले गर्दा थप चुनौती उत्पन्न भएको देखिन्छ। कृषि उत्पादन पनि पशुपालनका लागि चाहिने दाना उत्पादनका निम्ति पर्याप्त रहेको छ भाबे मासु तथा दुग्ध जन्य उत्पादनको बजार मूल्य रहेको पाईन्छ। त्यसैगरी घासखेती गर्ने उचित व्यवस्थाको कमि भएको देखिन्छ भने पशुपन्छीलाई लाग्ने रोगहरूलाई निर्मुल पार्न असहज अवस्था रहेको पाईन्छ। त्यसैगरी नक्ष सुधार सम्बन्धि जनचेतनाको कमिले उत्पादनमा कमि आउनुको साथै पशु उत्पादनको सहज बजारीकरण नभएको पाईन्छ। अहिलेको अवस्थामा बढ्दै गरेको पशु सेवा प्राविधिकहरू र गाउँपालिका स्तरमा पशुसेवा प्रसार संयन्त्रले नयाँ अवसर प्रदान गरेको देखिन्छ। सो अवसर सदुपयोग गर्न जनचेतनाको कमि तथा पशु प्राविधिकहरूलाई उचित वातावरण प्रदान नगरेको जस्ता चुनौती हरू देखिएको छ।

३.१.३ प्रमुख अवसरहरू

यस गाउँपालिकाको भूमिको उर्वरता र जनशक्ति अवसरका पक्ष हुन्। रहेका मुहानहरू संरक्षण गर्न सके सिचाईको सम्भावना पनि रहेको पाईन्छ। रणनीति तय गरि कार्यन्वयन गर्न सकिने देखिन्छ भने विदेशबाट फर्किएका युवा हरूलाई सिप, ज्ञान प्रदान गरि जनशक्ति बढाउन सकिने सम्भावना रहेको छ। नयाँ प्रविधि र नया कृषिका प्रणाली पनि प्रयोगमा ल्याई उत्पादनमा प्रशंसनीय वृद्धि गर्न सकिने देखिन्छ।

यस गाउँपालिकामा पशुपालनका लागि उपर्युक्त चरण क्षेत्र रहेको पाईन्छ भने उपर्युक्त हावापानी पनि रहेको छ। कृषि उत्पादन पनि पशुपालनका लागि चाहिने दाना उत्पादनका निम्ति पर्याप्त रहेको छ भने मासु तथा दुग्ध जन्य उत्पादनको बजार मूल्य रहेको पाईन्छ। त्यसैगरी घासखेती गर्ने उचित व्यवस्थाको कमि भएको देखिन्छ भने पशुपन्छीलाई लाग्ने रोगहरूलाई निर्मुल पार्न असहज अवस्था रहेको पाईन्छ।

त्यसैगरी नश्व सुधार सम्बन्धि जनचेतनाको कमिले उत्पादनमा कमि आउनुको साथै पशु उत्पादनको सहज बजारीकरण नभएको पाईन्छ। अहिलेको अवस्थामा बढ्दै गरेको पशु सेवा प्राविधिकहरु र गाउँपालिका स्तरमा पशुसेवा प्रसार संयन्त्रले नयाँ अवसर प्रदान गरेको देखिन्छ। सो अवसर सदुपयोग गर्न जनचेतनाको कमि तथा पशु प्राविधिकहरुलाई उचित वातावरण प्रदान नगरेको जस्ता चुनौती हरु देखिएको छ। त्यसैगरी पशुजन्य उत्पादनको स्वच्छता तथा गुणस्तर कायम गर्न पनि चुनौतिपूर्ण रहेको पाईन्छ।

३.१.४ सोच

- कृषिमा आधुनिकीकरण सहितको व्यवसायीकरण

३.१.५ लक्ष्य

- कृषि र पशुजन्य उत्पादनको गुणस्तर वृद्धि गरी व्यवसायीकरण गर्ने

३.१.६ उद्देश्य

१. सम्पूर्ण कृषियोग्य जमिनमा व्यावसायिक कृषि हुनेछ।
२. कृषि भूमिको उर्वरता विकासका निम्ति आवश्यक रणनीतिहरु अपनाईने छ
३. कृषि उत्पादन र उत्पादकत्वमा वृद्धि गरि जिवानोस्तर विकास गरिनेछ।
४. कृषि उत्पादनका लागि बजार व्यवस्था गरि व्यवसायीकरण गरिनेछ।
५. पशुपन्छी उत्पादनमा वृद्धि हुनेछ।
६. पशुपन्छी उत्पादनको गुणस्तर कायम गरि निर्यात गरिनेछ।
७. मत्स्यपालनको लागि उपर्युक्त स्थानमा साझेधारिमा लगानी गरिनेछ।
८. मौरीपालन जस्ता उद्योग संचालन गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ।

३.१.७ रणनीति र कार्यनीति

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति |
|---|-------------------------------------|--|
| १. सम्पूर्ण कृषियोग्य जमिनमा व्यावसायिक कृषि हुनेछ। | • कृषि भूमिको पूर्णता सदुपयोग गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> • कृषि योग्य जमिनलाई कृषि गर्न अगुवा कृषकलाई प्रोत्साहन गरिनेछ। • युवाहरुलाई लक्षित गरि आकर्षण बढाई जनशक्तिको वृद्धि गरिनेछ। • घरदैलो गरि कृषि भूमिलाई बाँझो राखिएको कारण पहिचान गरि बाँझोपन न्यूनीकरण गरिनेछ। |

| | | |
|---|--|--|
| <p>२. कृषि भूमिको उर्वरता विकासका निम्ति आवश्यक रणनीतिहरू अपनाईने छ</p> | <ul style="list-style-type: none"> • कृषि भूमिको उर्वरता निरन्तर कायम गरि वृद्धि गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> • कृषि गर्ने आधुनिक तरिका कार्यन्वयन गरिनेछ। • प्राकृतिक उर्भरता वृद्धि गरिनेछ। |
| <p>३. कृषि उत्पादन र उत्पादकत्वमा वृद्धि गरि जिवानोस्तर विकास गरिनेछ।</p> | <ul style="list-style-type: none"> • कृषि उत्पादन लाई प्रवर्द्धन, व्यवसायिकरण र विविधिकरण प्रोत्साहन गरि कृषकको उद्दम्सिलता विकास गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> • बीउ तथा बेर्ना को उत्पादन स्थानीयस्तरमा गरी सहज आपूर्तिका निम्ति कृषि सहकारी तथा शिक्षक समूहलाई प्रोत्साहन गरिनेछ। • स्याउ, ओखर, आरुबखडा लगायतका फलफूल पकेट क्षेत्र विकास गरी प्रवर्द्धन गरिनेछ। • सिचाई कुलो, पोखरी र अन्य आयोजना को नियमित मर्मत सम्भारका लागि आवश्यक कोषको व्यवस्था गरिनेछ। • कृषिको आधुनिक तरिकाहरू अपनाइ उत्पादनमा वृद्धि गरिनेछ। • कृषिका निम्ति आवश्यक सुविधा सहजीकरण गरिनेछ। |
| <p>४. कृषि उत्पादनका लागि बजार व्यवस्था गरि व्यवसायीकरण गरिनेछ।</p> | <ul style="list-style-type: none"> • कृषि उत्पादनलाई बजारीकरण गरी आर्थिक, व्यवसायिक कृषिको व्यवस्थापन गरि औद्योगिकरण गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> • कृषि उत्पादनलाई भण्डारण गर्ने व्यवस्था गरिनेछ। • कृषि उत्पादनलाई आर्यात गरि आर्थिक वृद्धि गरिनेछ। • कृषिलाई व्यवसायिक बनाउन बजार सहजीकरण गरिनेछ। |
| <p>५. पशुपन्छी उत्पादनमा वृद्धि हुनेछ।</p> | <ul style="list-style-type: none"> • पशुपन्छी उत्पादन प्रवर्द्धन, व्यवसायीकरण र विविधिकरण गरि कृषकको उद्दम्सिल बनाउने | <ul style="list-style-type: none"> • पशुपन्छी क्षेत्रहरू पहिचान तथा निर्धारण गरि सो सम्बन्धि सेवा, सुविधा र प्रविधि एकीकृत रुपमा उपलब्ध गराउने व्यवस्था गरिनेछ। • घर दैलो गरि पशु सेवा प्रसार र पशु स्वास्थ्य सेवा सहजीकरण गरि भरपर्दो बनाईने छ। |
| <p>६. पशुपन्छी उत्पादनको गुणस्तर कायम गरि निर्यात गरिनेछ।</p> | <ul style="list-style-type: none"> • पशुजन्य उत्पादन, प्रशोधन र बजारीकरण | <ul style="list-style-type: none"> • पशुपालन पकेट क्षेत्रहरूमा पशुजन्य उत्पादन संकलन, प्रसोधन केन्द्रको विकास गरिनेछ। |

| | | |
|--|--|--|
| | <p>व्यवसायलाई प्रवर्धन गर्न औद्योगिकरण गर्ने</p> <p>• पशुपन्छिजन्य उपजको विशिष्टीकरण गरि उत्पादन र उत्पादकत्वको वृद्धि गर्ने</p> | <p>• स्थानीय उद्दमी, व्यवसायी, सहकारीको साझेदारीमा पशुपन्छी पालन, उत्पादन, प्रसोधन उद्योग तथा केन्द्र स्थापनामा जोड दिइनेछ।</p> <p>• इच्छक युवा, लक्षित वर्गलाई पशुपालन उद्दम सिर्जना र विकास सम्बन्धि तालिम संचालन गर्ने।</p> <p>• जैविक मलको महत्त्व बारे सचेतना गरि पशुपालनमा वृद्धि गरिनेछ।</p> <p>• हावापानी उपर्युक्त नक्ष पशुपन्छी उपलब्धि सहज गरिनेछ।</p> <p>• स्थानीय माग र सम्भावना अनुसार अनुशन्धान गरि पशुपालन पकेट क्षेत्र स्थापना गर्ने।</p> |
| <p>७. मत्स्यपालनको लागि उपर्युक्त स्थानमा साझेधारिमा लगानी गरिनेछ।</p> | <p>• माछा, मौरी र अन्य उत्पादन प्रवर्धन, व्यवसायीकरण र विविधिकरण गरि कृषकको उद्यमिसल बनाउने</p> | <p>• मत्स्यपालन, मौरीपालन तथा अन्यका लागि उपर्युक्त स्थान पहिचान तथा निर्धारण गरि सोसम्बन्धि सेवा, सुविधा र प्रविधि एकीकृत रूपमा उपलब्ध गराउने व्यवस्था गरिनेछ।</p> |

३.१.८ अपेक्षित उपलब्धि

- कृषि उपजको व्यवसायीकरण र उत्पादन वृद्धि भएको हुने
- खेतियोग्य जमीनमा सिंचाई सुविधा उपलब्ध भएको हुने
- आधुनिक पशुपालन व्यवसायको माध्यमबाट पशुजन्य उत्पादनमा आत्मनिर्भर भएको हुने

३.२ उद्योग, वाणिज्य र आपूर्ति

३.२.१ पृष्ठभूमि

उद्योग, वाणिज्य र आपूर्ति आर्थिक क्रियाकलाप, रोजगारी तथा मूल्य अभिवृद्धि शृंखलाका प्रमुख आधार हुन्। त्यसैगरी पर्यटनको विकास नेपालको सन्धर्भमा आर्थिक विकास सँग महत्त्वपूर्ण रूपले अन्तरसम्बन्धित छ। यस गाउँपालिकामा उद्योग तथा व्यापारको स्थिति निराशाजनक भएको देखिन्छ। पर्यटन उद्योग विकास गर्न भने दोलखा जिल्लाको जिरी जाने बाटोको सामिप्याताले प्रदान गर्दछ।

३.२.२ प्रमुख समस्याहरू

औद्योगिक उत्पादनमा गुणस्तरीयता कायम गर्न नसक्नु, औद्योगिक क्षेत्रमा पूर्वाधारको विकास बढ्न नसक्नु नै लिसंखु पाखरगाउँपालिकाको प्रमुख समस्या हो। लगानी तथा विभिन्न पूर्वाधारको अभावका कारण अपेक्षित विकास हुन नसकेको देखिन्छ। च्योईफेल कुन्डेलिङ्ग गुम्बाजस्ता अन्य थुप्रै धार्मिक स्थलहरूले धार्मिक पर्यटन विकासमा टेवा पुर्‍याउँछन्।

३.२.३ अवसरहरू

कृषिमा मात्र भर पर्ने स्थानीयहरूका अनुसार कृषिबाट उत्पादित थुप्रै पदार्थ उद्योगको अभावमा सदुपयोग हुन नसकेको देखिन्छ। प्राकृतिक तथा कृषिजन्य कच्चा पदार्थ र विभिन्न श्रोत र साधनले यस गाउँपालिकाको औद्योगिक सम्भावना प्रचुर देखिन्छ। उद्योग संचालन गर्नका लागि आवश्यक कच्चा पदार्थको उत्पादन पर्याप्त रहेको त्यसैगरी आकर्षण र उत्साहित गर्न सकिए जनशक्तिको अभाव पनि नहुने देखिन्छ।

३.२.४ सोच

- उद्योग र वाणिज्य क्षेत्रको योगदानमा वृद्धि गरी आर्थिक रूपान्तरण गर्नु

३.२.५ लक्ष्य

- औद्योगिक उत्पादन एवं उत्पादनशील सेवा सुविधाको उपलब्धता गुणस्तरमा वृद्धि गरी रोजगारीको सुनिश्चिता गर्ने

३.२.६ उद्देश्य

१. उद्योग क्षेत्रको उत्पादन वृद्धि गरी रोजगारीका अवसर सिर्जना गर्ने
२. औद्योगिक क्षेत्रको उत्पादन वृद्धि गरी राष्ट्रिय उत्पादनमा यस क्षेत्रको योगदान बढाउनु
३. आन्तरिक निर्यात व्यापार प्रवर्द्धन गरी रोजगारी वृद्धि गर्ने
४. गाउँपालिकाको उत्पादन वृद्धि गरि आपूर्ति न्युनिकरण गर्ने।

३.२.७ रणनीति र कार्यनीति

यस गाउँपालिकामा उद्योग क्षेत्रमा विद्यमान समस्या तथा चुनौती मध्यनजर गरि दिर्घकालिन लक्ष्य प्राप्त गर्न देहायअनुसारका रणनीति, कार्यनीति तथा कार्यक्रम राखिएको छ।

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|--|
| <p>१. उद्योग क्षेत्रको उत्पादन वृद्धि गरी रोजगारीका अवसर सिर्जना गर्ने</p> <p>२. औद्योगिक क्षेत्रको उत्पादन वृद्धि गरी राष्ट्रिय उत्पादनमा यस क्षेत्रको योगदान बढाउनु</p> | <ul style="list-style-type: none"> स्थानीय कच्चा पदार्थ, श्रोत र साधन, सिप तथा प्रविधिमा आधारित लघु तथा घरेलु तथा साना उद्योगको विकास र विस्तार गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> कृषि, पशु, माछा र वनमा आधारित उत्पादन, प्रसोधन र बजारीकरण सम्बन्धि उद्योगको स्थापना र संचालन गर्ने। उत्पाहित स्थानीय व्यावासायी, सहकारी, उद्यमीको साझेधारिमा कृषि सम्बन्धि उद्योग निर्माण गर्ने। युवा लक्षित सिपमुलक र उद्यमिसलता विकास गर्ने तालिम कार्यक्रम संचालन गर्ने। स्थानीयलाई कृषि उत्पादनमा प्रोत्साहित गरि उद्योगको कच्चा पदार्थको रूपमा उपयोग गराउन सहज गर्ने। उद्यम व्यवसाय संचालनमा एकल महिला, भूमिहीन, अपाङ्गता तथा सिमान्तकृतलाई प्राथमिकता दिने। लघु उद्यम प्रवर्धन तथा विकास गर्न रणनीतिक योजना तर्जुमा गरि गाउँपालिकास्तरीय कार्यविधि निर्माण गरिन लागु गर्ने। |
| <p>३. आन्तरिक निर्यात व्यापार प्रवर्द्धन गरी रोजगारी वृद्धि गर्ने</p> | <ul style="list-style-type: none"> वाणिज्य क्षेत्रलाई आय आर्जनको प्रमुख सम्भागका रूपमा स्थापित गर्न स्थानीय व्यापार र लगानीलाई एकीकृत दृष्टिले सहजीकरण गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> निर्यातयोग्य वस्तु तथा सेवाको उत्पादन र विकासमा विकासमा स्थानीय श्रम, सिप र प्रविधिको उपयोग गर्दै पृष्ठ तथा अग्र सम्बन्धहरु सुदृढ गर्ने। निजि क्षेत्रको प्रतिस्पर्धिप्रत्स्पर्धि क्षमता अभिवृद्धिका लागि निजि क्षेत्रसँगको साझेदारीमा वस्तुको उत्पादन, गुणस्तर सुधार र निर्यात प्रवर्धन गर्ने। |

| | | |
|--|---|---|
| | <ul style="list-style-type: none"> • निर्यात हुने सेवा र सुविधाको गुणस्तर बढाउन उत्पादनशील आयात र व्यवस्थापनमा जोड दिई निर्यात प्रवर्धन गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> • उद्योगको विकास र विस्तारद्वारा निर्यात प्रवर्धन गर्दै बस्तु तथा सेवाको बजार विविधिकरण एवं विस्तार गर्न वाणिज्य नीति निर्माण गर्ने। • बाह्य लगानीलाई व्यापारिक बस्तु उत्पादन र रोजगारी वृद्धिमा प्रोत्साहन गर्ने। • लघुवित्त प्रदायक संस्थाहरूसँगको सम्पर्कको विकास र बजारसँगको सम्बन्ध विस्तार गरी गरिव तथा पिछ्छाएका वर्ग, द्वन्दपिडित समुहलाई समेत लक्षित गरि लघु उद्यमलाई विस्तार गर्ने। • लघुउद्यम तथा साना उद्योग मार्फत स्वरोजगार व्यवसाय सिर्जना र विकासका लागि लघु कर्जा कार्यक्रमलाई प्रभावकारी बनाउने। |
| | <ul style="list-style-type: none"> • निर्यात व्यापारका लागि पहिचान गरिएका र गरिने बस्तुको वस्तुगत व्यापार विविधिकरण गर्ने। | <ul style="list-style-type: none"> • निर्यातका लागि सम्भाव्य मुख्य-मुख्य बस्तु तथा सेवाको निर्यात रणनीति तयार गर्ने। • उच्च मूल्य र कम आयतन भएका बस्तु र सेवाहरूको निकासी बढाईनेछ। |
| <p>४. गाउँपालिकाको उत्पादन वृद्धि गरि आपूर्ति न्युनिकरण गर्ने।</p> | <ul style="list-style-type: none"> • वाणिज्य सम्बन्धि विद्यमान संरचना, पूर्वाधार एवं आधारहरूको क्षमता अभिवृद्धि तथा सुदृढीकरणमा जोड दिई अधिकतम उपयोग गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> • स्वस्थ व्यापार व्यवसायको अभिवृद्धि गर्न कार्यक्रम संचालन गर्ने। • परम्परागत सीप र कौशल भएका बस्तु तथा सेवाको उत्पादनलाई संरक्षण प्रवर्धन र व्यवसायीकरण गर्ने। • गाउँपालिकामा थप नयाँ बैंक स्थापना तथा लघु उद्यमी व्यवसायिक सहकारीको विकास गर्ने। • आन्तरिक बजार तथा बस्तु र सेवाको बजारीकरणको संरचना र क्षमता अभिवृद्धि गर्ने। |

| | | |
|--|--|---|
| | | <ul style="list-style-type: none">• स्थानीय उत्पादनको विक्रीबाट लाभ लिन संस्थागत व्यवस्था तथा पूर्वाधार विकास गर्ने।• बजार केन्द्र तथा नाकाहरुलाई व्यापारिक केन्द्रको रूपमा विकास गर्न प्रयास गर्ने। |
|--|--|---|

३.२.८ अपेक्षित उपलब्धि

स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योगको स्थापना एवं बजारको विकास भएको हुनेछ

३.३ पर्यटन

३.३.१ पृष्ठभूमि

विश्व मानचित्रमा प्राकृतिक सुन्दरताले प्रख्यात नेपाल, दक्षिण एसियाकै प्रमुख पर्यटकीय गन्तव्य रहेको छ। धार्मिक तथा सांस्कृतिक सम्पदाले सम्पन्न देशको प्राय सबै ठाउँहरूमा पर्यटकीय दृष्टिकोणले सम्भावना बोकेका छन्। यस गाउँपालिकाको प्रमुख पर्यटकीय गन्तव्यको रूपमा विकास भएको केहि बस्ति र गुम्बाहरू रहेको पाईन्छ। विभिन्न बौद्ध धर्म प्रतिबिम्बित गर्ने गुम्बाहरू रहेका यस गाउँपालिकामा प्रमुख पर्यटकीय आकर्षण **हृस्यांगो** बस्ति रहेको पाईन्छ। शिशिर ऋतुमा हिमपात हुने स्थल समेत रहेको यस गाउँपालिकामा सामान्य पूर्वाधारको विकास तथा प्रचार प्रसारको कमीले गर्दा पर्यटकिय स्थलहरूको मान दबिएको देखिन्छ। आउने पर्यटक तथा स्थानीयका निमित्त खाजा पसल तथा होटल हरुको संख्या पनि न्यून देखिएको छ। यद्यपि सडक लगायतका पूर्वाधार विकास गर्न सके यस गाउँपालिकालाई काठमाडौँ सहर नजिकै रहेको आकर्षक पर्यटकीय नगरीको रूपमा विकास गर्न सक्ने सम्भावना रहेको देखिन्छ। तर पर्यटकीय विकासकानिमित्त चाहिने पूर्वाधार तथा अन्य क्षेत्रको विकासमा देखिने आर्थिक अवरोधलाई निर्मुल पार्न आवश्यक लगानी आकर्षण गर्न चुनौतिपूर्ण देखिन्छ।

३.३.२ अवसरहरू

बौद्ध धर्मालम्बीलाई लक्षित गरि पर्यटन विकास गर्ने अवसर रहेको छ।

३.३.३ सोच

पर्यटकीय उत्पादन एवं उत्पादनशील सेवा सुविधाको उपलब्धता गुणस्तर र उपयोगमा वृद्धि गरी रोजगारीको सुनिश्चिता

३.३.४ लक्ष्य

पर्यटकीय पूर्वाधार, सेवा तथा सुविधाको प्रवर्द्धन भई पर्यटकको आगमनमा वृद्धि गर्ने

३.३.५ उद्देश्य

- गाउँपालिकालाई आकर्षक तथा थप सुरक्षित गन्तव्यको रूपमा विकास गर्दै पर्यटन आगमनमा उल्लेखनीय वृद्धि गरी जनताको आयस्तरमा वृद्धि गर्नु
- पर्यटकीय गन्तव्य स्थल तथा उपजमा विविधिकरण र विकास गर्नु
- गाउँपालिका अन्तर्गतक प्रमुख पर्याकीय उपजहरूको बजारीकरण तथा प्रवर्द्धन गर्नु

३.३.६ रणनीति र कार्यनीति

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|---|
| १ गाउँपालिकालाई आकर्षक तथा थप सुरक्षित गन्तव्यको रूपमा विकास गर्दै पर्यटन आगमनमा उल्लेखनीय वृद्धि गरी जनताको आयस्तरमा वृद्धि गर्नु | <ul style="list-style-type: none"> पर्यटन प्रवर्द्धन र विकास गर्न सार्वजनिक, निजी सहकारी र सामुदायिक क्षेत्र संग साझेदारी एवं सहकार्य गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> प्रमुख पर्यटकीय स्थलहरू सम्म सहज पहुँच पुर्याउने पर्यटन पदमार्ग मार्फत एकीकृत पर्यटकीय र मनोरंजन स्थल निर्माण तथा संचालनमा निजी क्षेत्र को लगानी प्रोत्साहन गरिनेछ |

३.३.७ प्रमुख कार्यक्रमहरू

- प्रमुख पर्यटकीय स्थलहरूमा आवश्यक पूर्वाधारहरू (विश्राम स्थल, चमेना गृह, शौचालय, पोर्टर शेल्टर, पर्यटक संरचना केन्द्र आदि
- पर्यटन प्रवर्द्धनको लागि निजी तथा अन्य क्षेत्र समेतको सहभागितामा प्रचार प्रसार अभियान कार्यक्रमहरू संचालन

३.३.८ अपेक्षित उपलब्धि

- आन्तरिक पर्यटकको संख्यामा वृद्धि

३.४ आम्दानी, रोजगारी र वित्तीय सेवा

३.४.१ पृष्ठभूमि

पशु, कृषि, आयआर्जन, विभिन्न रोजगारीमुलक कार्यक्रम, प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रमलगायत नागरिकको जीवनस्तरमा प्रत्यक्ष रूपमा सुधार ल्याउनका लागि संचालन गरेका कार्यक्रमहरू हुन् । स्थानीयको आर्थिक स्तर सुधार गरेर गाउँमा नै रोजगारीको सिर्जना गर्नका लागि गाउँपालिकाले १ प्रतिशत ब्याजदरमा सुरु गरेको अध्यक्ष उद्यमशीलता कार्यक्रम गाउँपालिकाको लोकप्रिय कार्यक्रम हो ।

३.४.२ प्रमुख समस्याहरू

गाउँपालिका भित्र वित्तीय संस्था न्यून भएको कारण स्थानीयलाई पहुँचको समस्या देखिएको छ । स्थानीय पहुँचमा सहजता ल्याउन सके अझै आर्थिक विकासमा ऋण तथा लगानीले सहयोग हुने अवसर रहेको देखिन्छ । त्यसैगरी अझै पनि बचतको महत्त्वको बारेमा स्थानीयलाई सजग बनाउनु चुनौतिपूर्ण देखिएको छ । सहकारी साक्षरता विस्तार गर्न र सहकारी लगानीलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा परिचालन गर्न चुनौतिपूर्ण रहेको देखिन्छ । आर्थिक क्षेत्रमा सक्रिय भएपनि शिक्षा, स्वास्थ्य जस्ता सामाजिक क्षेत्रमा लगानी बढाउन तथा बचत तथा ऋणविचको व्याजदरलाई सन्तुलन ल्याउन पनि चुनौतिपूर्ण रहेको देखिन्छ ।

३.४.३ अवसरहरू

पहुँच सुदृढ नभएपनि खाताको हिसाबले संख्या उत्साहाजनक रहेको देखिन्छ । बढी जनताको कुनै हिसाबको खाता भएको देखिन्छ । तसर्थ यस गाउँपालिकाको यस क्षेत्रमा सबल पक्ष भनेको अधिकांश स्थानीयको कुनै स्थानीयलाई बचत खाता हुनु देखिएको छ । त्यसैगरी सहूलियत ब्याजदर तथा दिर्घकालिन व्यावसायिक प्रयासहरूमा स्थानीय सहकारीहरूले लगानी गर्न गाउँपालिकाले सहजीकरण गरेमा आर्थिक विकासमा परिवर्तन आउने देखिन्छ ।

३.४.४ सोच

स्थानीय श्रोत, श्रम, सीप र पुँजीको अधिकतम परिचालनमार्फत आर्थिक-सामाजिक रुपन्तरण

३.४.५ लक्ष्य

उपलब्ध स्थानीय श्रोत, श्रम, सीप र पुँजीको सामुहिक रूपमा परिचालन गरी सामाजिक सशक्तिकरण गर्ने

३.४.६ उद्देश्य

१. बैंक तथा वित्तीय सेवामा लक्षित वर्गको पहुँच वृद्धि भई रोजगारी सिर्जना हुनेछ ।
२. ऋण तथा लगानीमा बैंक र वित्तीय संस्थाको माध्यमबाट सहज वातावरण बनाइने छ ।

३.४.७ रणनीति र कार्यनीति

यस गाउँपालिकामा बैंक तथा वित्तीय संस्था क्षेत्रमा विद्यमान समस्या तथा चुनौती मध्यनजर गरि दिर्घकालिन लक्ष्य प्राप्त गर्न देहायअनुसारका रणनीति, कार्यनीति तथा कार्यक्रम राखिएको छ।

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|---|
| १. बैंक तथा वित्तीय सेवामा लक्षित वर्गको पहुँच वृद्धि भई रोजगारी सिर्जना हुनेछ। | <ul style="list-style-type: none"> व्यावसायिक गतिविधिमा केन्द्रित वित्तीय सेवाको पहुँच वृद्धि गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> बैंक तथा वित्तीय संस्थाको माध्यमबाट कृषि क्षेत्रमा लगानी वृद्धि गरि पैरवी गर्ने। वित्तीय साक्षरताको कार्यक्रम संचालन गर्ने। आर्थिक कारोवार विस्तारका लागि बैंक तथा वित्तीय संस्थाका साखा विस्तार सहजीकरण गर्ने। |
| २. ऋण तथा लगानीमा बैंक र वित्तीय संस्थाको माध्यमबाट सहज वातावरण बनाइने छ। | <ul style="list-style-type: none"> उद्दम्शील युवा लक्षित बैन तथा वित्तीय सेवा विस्तार गर्ने। | <ul style="list-style-type: none"> युवालाई व्यासायिक ऋणमा सहूल्यता र सहजताका साथै प्रोत्साहन गर्ने। वैदेशिक रोजगारबाट फर्केका युवाहरुको सिप सदुपयोग गर्न व्यवसाय गर्न प्रोत्साहन र आर्थिक सहजीकरण गर्ने। |

३.४.८ अपेक्षित उपलब्धि

- योजनाको अन्त्यमा रोजगारी संख्याको दोब्बर वृद्धि गर्ने
- बैंक, वित्तीय संस्था, सहकारी र समुदायिक वित्तको पहुँच वृद्धि गर्ने।

परिच्छेद ४. सामाजिक क्षेत्र

४.१ जनसंख्या तथा बसाइँसराइ

४.१.१ पृष्ठभूमि

केन्द्रीय तथ्यांक विभागले गरेको जनगणना २०७८ अनुसार यस गाउँपालिकामा महिला ५८४७ गरि कूल जनसंख्या ११५६० रहेको छ । त्यस्तै घर संख्या ३६०५ र परिवार संख्या ३७४६ रहेयो छ ।

४.१.२ प्रमुख समस्याहरु

गाउँपालिकाको शिशुहरुलाई उचित पोषण प्रदान गर्न नसकेको देखिन्छ भने ज्येष्ठ नागरिकको उचित व्यवस्थापन नभएको पाईन्छ। शिक्षा र स्वास्थ्यको पूर्वाधारको अवस्था तथा रोजगारीको कमीले विदेशिने दरलाई न्यूनीकरण गर्नु चुनौतिपूर्ण रहेको देखिन्छ ।

४.१.३ अवसर

यस गाउँपालिकाको जनसंख्या विवरणले सशक्त जनसंख्या उमेर समुहको वर्चस्व रहेको तथ्यांकले सबल पक्षलाई दर्शाउँछ ।

४.१.४ सोच

जनसंख्यामा सन्तुलन ल्याई औसत आयु तथा औसत आय वृद्धि गर्ने।

४.१.५ लक्ष्य

मृत्युदर तथा बाहिरि बसाइँसराइ न्यूनीकरण गरि आर्थिक वृद्धि गर्ने।

४.१.६ उद्देश्य

- १ गाउँपालिकाको जनसंख्या वृद्धि दर सन्तुलित राख्ने
- २ गाउँपालिका भित्र पंजीका दर्तालाई दुरुस्त र प्रविधिमैत्री बनाउने र सम्पूर्ण अभिलेखलाई बिद्वुतीय अभिलेखमा राख्ने
- ३ जीविकोपार्जन र वृत्ति विकासका आधुनिक अवसरहरु सिर्जना गरी गुणस्तरीय जीवन सुनिश्चित गर्ने

४.१.७ रणनीति तथा कार्यनीति

जनसंख्या तथा बसाइँसराइ सम्बन्धि निर्धारित दिर्घकालिन लक्ष प्राप्त गर्न देहाय अनुसारका रणनीति, कार्यनीति तथा कार्यक्रम तय गरिएको छ ।

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|---|
| १. गाउँपालिकाको जनसंख्या वृद्धि दर सन्तुलित राख्ने | • जन्मदर सुदृढ गरि मृत्युदर न्यूनीकरण गर्ने | • शिशु तथा गर्भवती मृत्युदर न्यूनीकरण गर्ने। |
| | • ज्येष्ठ नागरिकलाई उचित सुविधा प्रदान गर्ने | • ज्येष्ठ नागरिकलाई उचित स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित गर्ने। |
| २. जीविकोपार्जन र वृत्ति विकासका आधुनिक अवसरहरू सिर्जना गरी गुणस्तरीय जीवन सुनिश्चित गर्ने | • बाहिरि बसाईसराई कम गर्न आवश्यक व्यवस्था मिलाईने | • रोजगारका कारण हुने बाहिरि बसाईसराई नियन्त्रण गर्न रोजगार सिर्जना गर्ने। |

४.१.८ प्रमुख कार्यक्रमहरू

- शिशु तथा गर्भवती पोषण सम्बन्धि कार्यक्रम गर्ने।
- आन्तरिक बसाई सराई व्यवस्थापन गर्न अभिलेख राख्ने।
- हरेक नागरिकको पहुँचमा शिशु तथा गर्भवती स्वास्थ्य सेवा बनाउनु।
- ज्येष्ठ नागरिकको अवस्था बारे तथ्यांक संकलन गरि निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्ने।
- उद्दिष्टिता विकास गर्ने कार्यक्रमहरू प्रारम्भ गर्ने।

४.१.९ अपेक्षित उपलब्धिहरू

योजनाको अन्त्यमा शिशु तथा गर्भवती मृत्युदर ०% बनाउने अनि रोजगारको सृजना गरेर बाहिरि बसाईसराई पनि न्यून हुनेछ। त्यसै गरी जनसंख्या व्यवस्थित र प्रजनन दरमा सन्तुलन आएको हुनेछ।

४.२ शिक्षा

४.२.१ पृष्ठभूमि

शिक्षा मानव विकासको मूल आधार हो । संविधानले पनि आधारभूत शिक्षालाई मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरेको छ। दिगो विकासको लक्ष्यमा पनि शिक्षालाई महत्वका साथ स्थान दिइएको छ। पन्ध्रौँ योजनाको आधारपत्रमा पनि शिक्षालाई समृद्धिको मूल आधारको रूपमा लिइएको छ। संविधानले आधारभूत र माध्यमिक शिक्षालाई स्थानीय तहको एकल अधिकारको रूपमा स्थापित गर्दै अनिवार्य आधारभूत शिक्षा र निःशुल्क माध्यमिक शिक्षाको व्यवस्था गरेको छ। लिसंखु पाखर गाउँपालिकाभित्र विद्यालय उमेर समूह ४ देखि १३ वर्ष भित्रका सबै विद्यालयमा आएकालाई शिक्षा सुनिश्चितता घोषणा भएको छ ।

४.२.२ प्रमुख समस्या

यस गाउँपालिकामा विद्यालयहरूको भौतिक पूर्वाधार अपर्याप्त रहेको पाइन्छ भने सामुदायिक विद्यालय प्रतिको आकर्षण न्यून भइरहेको देखिन्छ। विद्यार्थी भर्ना दर र विद्यालयबाट पढाई पुरा गर्नेको दरमा समानता ल्याउन। सबै तहमा गुणस्तर शिक्षा अभिवृद्धि गर्नेको साथै रोजगारीमूलक शिक्षा विकास गर्न सकेको र अपूर्ण शिक्षक दरबन्दी जस्ता चुनौती रहेको पाइन्छ।

४.२.३ अवसरहरू

यस गाउँपालिकाको आधारभूत शिक्षा सुनिश्चितता घोषणाले शिक्षा प्रति ध्यानाकर्षण बढी हुने अवसर प्रदान गरेको छ।

४.२.४ सोच

- शिक्षामा सबैको पहुँच र गुणस्तर अभिवृद्धि गरी प्रतिस्पर्धी मानव पुँजीको विकास

४.२.५ लक्ष्य

- आधारभूत र गुणस्तरीय शिक्षा सेवामा न्यायोचित पहुँच पुर्याउने
- रोजगारी एवं स्वरोजगारीका लागि सीपमूलक शिक्षाको विस्तार गर्ने

४.२.६ उद्देश्य

- शिक्षामा समतामूलक अवसरहरू सुनिश्चित गर्दै शिक्षालाई सीपयुक्त, समयसान्धर्भिक र गुणस्तर बनाउनु
- बैकल्पिक उपायहरूको अवलम्बनबाट सबै तह एवं प्रकारको शिक्षा र सीपमूलक तालिममा पहुँच अभिवृद्धि गर्नु
- शैक्षिक प्रशासनमा निरन्तर सुधार र सुशासनलाई संस्थागत गर्नु

४.२.७ रणनीति तथा कार्यनीति

यस गाउँपालिकाको शिक्षा सम्बन्धि दिर्घकालिन लक्ष्य र चुनौतिहरू मध्यनजर गरि देहाय अनुसारको रणनीति , कार्यनीति तथा कार्यक्रम रहेको छ।

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|--|
| १. बैकल्पिक उपायहरूको अवलम्बनबाट सबै तह एवं प्रकारको शिक्षा र सीपमूलक तालिममा पहुँच अभिवृद्धि गर्नु | <ul style="list-style-type: none"> • गुणस्तरीय, व्यवहारिक तथा जिवानपयोगी शिक्षाको सुनिश्चितता गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> • विद्यालय शिक्षा सम्बन्धी स्थानीय पाठ्यक्रममा कृषि अभ्यासका लागि नर्सरी, फलफूल, तरकारी खेती र |

| | | |
|--|--|--|
| | | <p>मौरीपालनको व्यवहारिक ज्ञान समावेश गरी पठनपाठ र अभ्यासको व्यवस्था गर्ने।</p> <ul style="list-style-type: none"> • स्थानीय कृषि विकासका लागि माध्यमिक विद्यालयमा कृषि अभ्यास केन्द्र स्थापना गरी वेर्ना उत्पादन, फलफुल तथा तरकारी खेती र मौरीपालन सम्बन्धमा व्यवहारिक ज्ञान तथा सीप विकास गर्ने। • नयाँ शैक्षिकशत्रु सुरु हुनु अगाडी विषयगत शिक्षक, समयानुकूल र तहगत तालिम शैक्षिक सत्रको बीचमा सञ्चालन गर्ने। • शिक्षण सिकाई तथा हाजिरीमा सूचना तथा संचार प्रविधि प्रयोग गर्ने। • नियमित रूपमा अतिरिक्त क्रियाकलाप, सेवा आयोग कक्षा संचालन, कृषि उद्यम विकास लगायत रचनात्मक कार्यहरु संचालनको व्यवस्था गर्ने। • हरेक विद्यालयमा वगैचा स्थापना र विरुवा रोपणको अभ्यास संस्थागत गर्ने • विद्यालयमा आई पर्ने संभावित संकटसँग तयारी रहन विपद व्यवस्थापन सामाग्रीवितरण र तालिम सञ्चालन गर्ने। |
|--|--|--|

| | | |
|--|---|---|
| | | <ul style="list-style-type: none"> • श्रम बजारमा माग अनुसारको विषयवस्तुलाई पाठ्यक्रम र पठनपाठनमा समावेश गर्दै लाग्ने। |
| | <ul style="list-style-type: none"> • सूचना प्रविधिमा आधारित प्रभावकारी संयन्त्रका स्थापना गरी विद्यालयहरूको अनुगमन र निरीक्षणलाई व्यवस्थित गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> • प्रविधिमा आधारित शिक्षालाई प्रबर्धन गर्न सबै विद्यालयहरूमा सुविधा सम्पन्न ICT ल्याव स्थापना गर्ने। • विद्यार्थी संख्याको आधारमा विद्यालयहरूलाई मर्ज गर्ने तथा शिक्षक दरबन्दी निर्धारण र समायोजन र सरुवाको प्रवन्ध गर्ने। • विद्यालय सम्बन्धी तथ्याङ्क र विद्यालय सुधार योजना अध्यावधिक गर्ने। • विद्यालय र अध्यापन कार्यको अनुगमन र निरीक्षण गरि शिक्षाको गुणस्तरका सुधारको लागि पृष्ठपोषण र सहजीकरण गर्ने। • ई—हाजिरी र सिसि क्यामेरा जडान गरी विद्यालयहरूको अनुगमन गर्ने प्रणालीलाई मजबुत बनाउने। |
| | <ul style="list-style-type: none"> • विद्यालय शिक्षाको सबै तहको शिक्षामा गुणस्तर सुनिश्चितता गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> • शिक्षण सिकाइमा टेवा पुर्याउने डिजिटल पाठ्य सामग्रीको व्यवस्था मिलाउने। • अत्याधुनिक पुस्तकालय, बाल उद्यान, फुलवारी, खेलमैदान जस्ता |

| | | |
|--|---|--|
| | | <p>विद्यालयका पूर्वाधारहरूलाई विकास र विस्तार गर्दै लग्ने।</p> <ul style="list-style-type: none"> • समयसापेक्ष शैक्षिक गुणस्तर कायम गर्न शिक्षकलाई पेशागत दक्षता एवम् क्षमता वृद्धि गर्न तालिम र प्रोत्साहनको व्यवस्था गर्ने। • सामुदायिक शिक्षामा अभिभावकको सहभागिता बढाउन अभिभावक शिक्षा संचालन गर्ने। |
| | <ul style="list-style-type: none"> • विद्यालयको संस्थागत सक्षमता वृद्धि गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> • नतिजामा आधारित विद्यालय सुधार कार्ययोजना (SIP) निर्माण र कार्यन्वयनलाई निरन्तरता दिने। • विद्यालय भौतिक संरचना तथा पठनपाठनलाई वालमैत्री बनाउने। • विद्यालय व्यवस्थापन समितिको गठन, पुनःगठन, सहजीकरण गरि विद्यालयमा शैक्षिक व्यवस्थापनका वातावरण तयार गर्न परिचालन गर्ने। • विद्यालयमा बालक्लब, इकोक्लब र बाल सहभागिता अभिवृद्धिको प्रयासलाई संस्थागत गर्ने। |
| <p>२. शिक्षामा समतामुलक अवसरहरू सुनिश्चित गर्दै शिक्षालाई सीपयुक्त, समयसान्धर्भिक र गुणस्तर बनाउनु</p> | <ul style="list-style-type: none"> • विद्यालयहरूमा शिक्षा अतिरिक्त सुविधा व्यवस्था गरि उत्साहाजनक वातावरण बनाउने | <ul style="list-style-type: none"> • विद्यार्थीको टिकाउदरमा वृद्धि गर्न ३ वर्ष भन्दा माथिका बाल बालिकालागि पनि दिवा खाजा दिने निति अवलम्बन गर्ने। |

| | | |
|--|--|---|
| | | <ul style="list-style-type: none"> • प्रत्येक विद्यालयमा स्वास्थ्य सेवा एवं स्वास्थ्य शिक्षाका लागि १ जना नर्सको व्यवस्था गर्ने। • खेलकुद मैदानको निर्माण तथा व्यवस्थापन गरी विद्यार्थीको सिर्जनशिलता र खेलकुद प्रवर्धनको व्यवस्था गर्ने। • विद्यालयमा खेलकुदलाई प्रवर्धन गर्न पर्याप्त मात्रामा खेलकुदका समग्री व्यवस्था गरिनुका साथै बालबालिकाहरुको प्रतिभा पहिचान र प्रोत्साहनका लागि अतिरिक्त क्रियाकलाप सञ्चालन र पुरस्कारको प्रवन्ध गर्ने। |
|--|--|---|

४.२.८ प्रमुख कार्यक्रम

- प्राविधिक शिक्षाको प्रवर्धन गरि सिपमुलक शिक्षाको व्यवस्था गर्ने।

४.२.९ अपेक्षित उपलब्धि

- जीवन उपयोगी गुणस्तरीय आधारभूत प्राविधिक तथा उच्च शिक्षामा सम्वेशी समतामुलक पहुँच वृद्धि भएर दक्ष जनशक्ति उत्पादन भएको हुनेछ
- प्राविधिक शिक्षामा सबैको पहुँच सुनिश्चित भएको हुनेछ
- शिक्षण सिकाई प्रक्रियामा प्रविधिको प्रयोग भएको हुनेछ

४.३ स्वास्थ्य तथा पोषण

४.३.१ पृष्ठभूमि

नेपाल सरकारले हरेक जनताको पहुँचमा सहज स्वास्थ्य सेवा पुर्याउने प्रतिवद्धता पुरा गर्न विभिन्न कार्ययोजना गरेको पाईन्छ । सो अनुरूप हरेक स्थानीय तह सरह यस गाउँपालिकामा पनि स्वास्थ्य र पोषण हरेक

स्थानीयको पहुँचमा पुर्याउनकानिम्ति विभिन्न कार्यक्रमहरू संचालन गरिएको छ । विभिन्न प्रयासहरू गरिएपनि स्वास्थ्य स्थिति अझै उत्सहाजनक नरहेको पाईन्छ ।

४.३.२ प्रमुख समस्याहरू

स्वास्थ्य संस्थाहरूमा आवश्यक उपकरण र फर्निचर नरहेको र पर्याप्त स्वास्थ्यकर्मी नहुनु जस्ता समस्याहरू रहेको देखिन्छ । स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम संचालन हुँदा पनि सुचना प्रवाह गर्न नसकेको अवस्था पनि देख्न सकिन्छ । स्वास्थ्य संस्थाहरू भौगोलिक हिसाबले न्यायोचित वितरण गर्न र स्वास्थ्य सेवाको नियमित अनुगमन गर्नु जस्ता चुनौती विद्यमान रहेको पाईन्छ । त्यसैगरी स्वास्थ्य बिमा पनि न्यायोचित ढङ्गले लागु गर्न नसकेको अवस्था रहेको देखिन्छ भने बाहिरि अनुदानलाई उपयोग र व्यवस्थित परिचालन गर्न नसकेको अवस्था देखिन्छ ।

४.३.३ अवसर

स्वास्थ्य संजालको संजाल तयार भएको अवस्था रहेको छ भने स्वास्थ्य र पोषण सम्बन्धि धेरै जनता जागरण भएको पाईन्छ । सहि तथा कुशल ढंगले सूचना प्रवाह गर्न सके स्थानीयले स्थानीय तह मै सहज उपचार पाउने अवसर देखिन्छ ।

४.३.४ सोच

गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवामा सबै जनताको पहुँचमार्फत स्वस्थ र सबल नागरिक विकास

४.३.५ लक्ष्य

आधारभूत र गुणस्तरीय शिक्षा, स्वास्थ्य तथा खानेपानी तथा सरसफाई सेवामा न्यायोचित पहुँच पुर्याउने

४.३.६ उद्देश्य

- सबै वर्ग र समुदायका नागरिकहरूको आधारभूत तथा गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवामा समतामुलक पहुँच अभिवृद्धि गराउनु
- स्वस्थ जनशक्ति तयार गर्नु, रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता बढाउनु तथा पोषण युक्त खाद् सामग्रीमा पहुँच बढाउनु
- सहुल्यत स्वास्थ्य सेवाको प्रवर्द्धन हुनु
- समानजनक न्यायोजित स्वास्थ्य सेवा वितरण गरिनु

४.३.७ रणनीति तथा कार्यनीति

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति |
|----------|--------|-----------|
|----------|--------|-----------|

| | | |
|--|---|--|
| <p>१. सबै वर्ग र समुदायका नागरिकहरुको आधारभूत तथा गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवामा समतामुलक पहुँच अभिवृद्धि गराउनु</p> | <ul style="list-style-type: none"> • आधारभूत स्वास्थ्य सेवालाई सहज र गुणस्तरीय बनाउने | <ul style="list-style-type: none"> • प्रत्येक स्वास्थ्य संस्थाको पहुँचमा हुनेगरी एम्बुलेन्स सेवाको विस्तार गर्ने। • ५ वर्ष मुनिका सम्पूर्ण बालबालिकाको वृद्धि अनुगमन गरि पोषण स्थितिमा सुधार ल्याउने। • आमा समूह र महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविकाहरु क्षमता विव्कास र सुविधामा सुधार गरि सामुदायिक स्वास्थ्यलाई प्रभावकारी बनाइने छ। • विद्यालयको पहुँचमा स्वास्थ्यकर्मी उपलब्ध गराई विद्यार्थीको स्वास्थ्य संवेदनशिलतालाई टेवा पुर्याउने। • विद्यार्थी तहमा रहेका सम्पूर्णलाई आवश्यक स्वास्थ्य चेतना प्रदान गर्ने। • निम्न वर्गका घरपरिवारलाई स्वास्थ्य सेवामा सहल्यता दिने। |
| <p>१. स्वस्थ जनशक्ति तयार गर्नु, रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता बढाउनु तथा पोषण युक्त खाद् सामग्रीमा पहुँच बढाउनु</p> | <ul style="list-style-type: none"> ○ स्वास्थ्य सम्बन्धि मनोवृत्ति परिवर्तन गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> ○ कुनै नसर्ने दिर्घकालिन रोगी प्रति जनसमुदायको रहेको व्यावोहार परिवर्तन गर्ने। ○ घातक रोगहरु समयमा पहिचान गरि उपचार गराउने। ○ किशोर किशोरीलाई मध्यनजर गरेर स्वास्थ्य सम्बन्धि ज्ञान प्रबर्धन गर्ने। |
| | <ul style="list-style-type: none"> ○ स्थानीय स्वास्थ्य संस्थाको सुदुधिकरण तथा सेवाको गुणस्तर अभिवृद्धि गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> ○ स्वास्थ्य संस्थाको अनुगमन तथा सुपर्वेक्षण प्रणालीको विकास गर्ने। सबै स्वास्थ्य संस्थामा बर्थिंग सेन्टरको विस्तार गरि प्रसुती सेवालाई सहज र भरपर्दो बनाउने। ○ आयुर्वेद चिकित्सालय स्थापना गरि गुणस्तरीय सेवामा वृद्धि गर्ने। ○ विषेसज्ञ सेवा प्रदान गर्न कम्तिमा १५ सैयाको कम्तिमा १ वटा अस्पताल निर्माण गरि संचालन गर्ने। |

| | | |
|---|--|--|
| | | <ul style="list-style-type: none"> ○ सामुदायिक स्वास्थ्यलाई मजबुत बनाउदै स्वास्थ्य सुविधा सुधार गर्नु। |
| <p>१. सहल्यत स्वास्थ्य सेवाको प्रवर्द्धन हुनु</p> | <ul style="list-style-type: none"> ○ स्वास्थ्य सेवालाई सहज र गुणस्तरीय बनाउन आवश्यक पूर्वाधार निर्माण गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> ○ गाउँघर क्लिनिक तथा खोप केन्द्र निर्माणका साथै स्वास्थ्य चौकीमा सभाहल र प्रतिक्षालय निर्माण गर्ने। ○ स्वास्थ्य संस्थामा अपुग संरचना निर्माण र उपकरणहरू थप गर्दै लाग्ने। ○ स्वास्थ्य संस्थामा खानेपानी तथा शौचालयको उचित व्यवस्थापन गर्ने। ○ स्वास्थ्य पूर्वाधार महिला, अपांग र ज्येष्ठ नागरिक मैत्री रूपमा निर्माण गरिनेछ। |

४.३.८ अपेक्षित उपलब्धिहरू

यस योजनाको अन्तिममा बिरामी पर्दा सर्वप्रथम स्वास्थ्य चौकी/ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/अस्पताल जाने जनसंख्या तथा स्वास्थ्य संस्थामा प्रसुती गराउने गर्भवती महिलाको प्रतिशत १०० भएको हुनेछ।

४.४ खानेपानी तथा सरसफाइ

४.४.१ पृष्ठभूमि

स्वच्छ खानेपानी मानिसको नैसर्गिक अधिकार हो । नेपाल सरकारले जनताको खानेपानी तथा सरसफाई जस्तो आधारभूत आवश्यकता पुरा गर्नका निम्ति विभिन्न नीति तथा योजना हरेक वर्ष ल्याउने गरेको छ । यस गाउँपालिकामा पनि सो अनुरूप विभिन्न योजनाहरू संचालन गरेको पर्इन्छ । लिसंखु पाखर गाउँपालिकामा ५ वर्षको अवधिमा सना-ठूला गरेर धेरै खानेपानी योजनाहरू निर्माण भएका छन् । गाउँपालिकामा जनप्रतिनिधि अप्पछि ७१ वटा खानेपानी योजनाहरू निर्माण सम्पन्न भएका छन् । त्यसैगरी गाउँपालिका भित्र ९० प्रतिशत स्थानीयवासी खानेपानीको पहुँचभित्र रहेका छन् ।

४.४.२ अवसर

यस क्षेत्रमा अवसर भनेको उचित व्यवस्था गरि खानेपानीको सम्भावनालाई सदुपयोग गर्नु हो भने त्यसैगरी धेरै सहरीकरण नभएका कारण बेलामै सरसफाई सम्बन्धि कार्यक्रम अगाडी बढाए भविष्यमा समस्या खेप्न नपर्ने देखिन्छ । अवसर उत्साहजनक भएपनि आर्थिक बन्देजका कारण खानेपानी आयोजनाहरू चुस्त रूपले निर्माण तथा संचालन नगरेको पाइन्छ भने त्यसैगरी सरसफाई सम्बन्धि जनचेतनाको कमिको कारण फोहोर जम्मा हुन थालेको पाइन्छ ।

४.४.३ सोच

खानेपानी तथा सरसफाई सेवाबाट नागरिकको स्वास्थ्य तथा जीवनशैलीमा सुधार

४.४.४ लक्ष्य

सबै घरधुरीमा स्वच्छ खानेपानी सुविधा पुर्याउने र सरसफाईको सुनिश्चितता गर्ने

४.४.५ उद्देश्य

- सबैका लागि पिउने पानी तथा शौचालय व्यवस्था गर्ने
- पानीका मुहानहरू संरक्षण गर्ने तथा वातावरणीय सन्तुलन सहितका आयोजनाहरू निर्माण गर्ने
- दिगो रूपमा फोहोर मैला व्यवस्थापनको संयन्त्र निर्माण गरी सरसफाई सुनिश्चित गर्ने

४.४.६ रणनीति तथा कार्यनीति

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|--|
| ○ पानीका मुहानहरू संरक्षण गर्ने तथा वातावरणीय | ○ स्वच्छ खानेपानी आपूर्तिलाई जनस्वास्थ्य र पूर्ण सरसफाई | ○ जलश्रोत व्यवस्थापन गुरुयोजना तयार गरि खानेपानी, सिचाई, विद्युत र भू तथा जलाधार |

| | | |
|---|--|---|
| <p>सन्तुलन सहितका आयोजनाहरू निर्माण गर्ने</p> | <p>रणनीतिको रूपमा विकास गर्ने</p> | <p>संरक्षण समेत समेटी रणनीति तयार गर्ने।</p> <ul style="list-style-type: none"> ○ खानेपानी सेवा सुविधालाई जनस्वास्थ्य तथा पूर्ण सरसफाई कार्यक्रमसँग एकीकृत गरि संचालन गर्ने। ○ खानेपानीको मूलहरूको पहिचान गरि संरक्षण गर्ने। ○ विद्यमान खानेपानी आयोजनाको निरन्तरता, संरक्षण र मर्मतसम्भारको व्यवस्था गर्ने। ○ फोहोर व्यवस्थापन गरि स्वच्छ वातावरण व्यवस्था गर्ने |
| <ul style="list-style-type: none"> ○ सबैका लागि पिउने पानी तथा शौचालय व्यवस्था गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> ○ सबै घरधुरीमा खानेपानी सुविधाको पहुँच सुनिश्चित गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> ● एक घर एक धारा कार्यक्रमका लागि वृहत तथा वैकल्पिक प्रणालीमा आधारित आयोजना संचालन गरि खानेपानी सुविधाको उपलब्धतालाई सहज र प्रभावकारी बनाउने। ● लिफ्ट खानेपानी प्रविधि मार्फत सुख्खा क्षेत्रहरूमा खानेपानीको व्यावास्था गर्ने र लिफ्टिंग खानेपानी योजना संचालन गर्ने। ● आकाशे पानि संकलनको लागि घैटो कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिई सुख्खा क्षेत्रमा कृत्रिम पोखरी निर्माण गरि खानेपानीको आपूर्तिलाई सहज बनाउने। |

४.४.७ अपेक्षित उपलब्धिहरू

योजनाको अन्तिममा १००% घरधुरीमा खानेपानी सुविधा पुग्नेछ। सबै घर र सार्वजनिक स्थलमा शौचालय भएको हुनेछ। फोहोरमैला व्यवस्थापन भएर फोहोरमैला पुनः प्रयोग भएको हुनेछ। जनताको सहभागितामा गाउँपालिकाको वातावरण सफा र स्वच्छ भएको हुने छ।

४.५ लक्षित समुदाय विकास

४.५.१ पृष्ठभूमि

कुनै पनि स्थानको हरेक क्षेत्रको विकासका लागि विभिन्न समुदायको न्यायोचित विकास आवश्यक रहन्छ। सम्पूर्ण जनताकोनिमित्त विकास गरिने हुँदा कुनै पनि समुदाय बन्चित नहुने हिसाबले विकास गर्नु पर्दछ। समावेशी समाज निर्माण गर्नका निमित्त सम्पूर्ण वर्गले अधिकार र सबै सुविधाको समानजनक अनुभूति गर्न पाउन पर्दछ। महिला, बालबालिका तथा किशोरकिशोरी, दलित, जनजाति तथा अन्य सि

मान्तकृत वर्गलाई लक्षित गरि विकासका रणनीति तयार पार्न संवेदनशील तथा महत्त्वपूर्ण रहेको हुन्छ। सशक्त जनशक्ति उत्पादनका निमित्त युवा विकास निकै महत्त्वपूर्ण हुन्छ भने बालबालिका तथा किशोर किशोरीको विकास भविष्यको दक्ष जनशक्ति उत्पादनाकानिमती अपरिहार्य रहेको छ। त्यसैगरी महिला तथा विभिन्न समुदाय र सिमान्तकृत समुदायको विकासले समावेशी समाजको निर्माणका निमित्त महत्त्वपूर्ण।

४.५.२ प्रमुख समस्याहरु

उत्पीडनमा परेपनि खुलेर कुरा राख्न नसकेका कारण अझै महिलाको स्थितिमा सकारात्मक परिवर्तन आउन सकेको छैन। महिला हिसापनि यस गाउँपालिकामा देखिएको सामाजिक समस्या हो। महिलाको जनसंख्या उत्सहाजनक रहेको कारण उचित सदुपयोग गर्न सके राम्रो जनशक्ति तयार पार्ने अवसर रहेको देखिन्छ। त्यसैगरी कृषिमा तथा अन्य आर्थिक क्रियाकलापमा संलग्न गराई निकै आकर्षक अर्थको श्रोत विकास हुने सम्भावना देखिएको छ। तर समाजको बन्धनलाई तोडेर आफ्नो विचार राख्न नसक्ने अवस्था चुनौतिपूर्ण रहेको पाईन्छ। धेरै महिला हरु सचेत रहेपनि धेरै समुदायका महिला हरु संस्कृतिले बाँधिएको कारण आर्थिक क्रियाकालाप तथा अन्य कार्यमा उत्सहाजनाक सहभागिता जनाउन असमर्थ रहेको चुनौति देखिन्छ। यस क्षेत्रमा सबल पक्ष भनेको विद्यालय भर्ना दर रहेको पाईन्छ। अधिकांश बालबालिका विद्यालय भर्ना भएको देखिए पनि आर्थिक बाध्यताका कारण केहि बन्चित भएको कम्जोर पक्ष रहेको देखिन्छ। त्यसैगरी विद्यालय छोड्ने दर पनि आपत्तिजनक रहेको छ भने बाल विवाह तथा बालश्रम जस्ता सामाजिक समस्या अझै यथावत रहेको देखिन्छ।

ठुलो मात्रामा युवा विदेशिएको कारण वृद्धवृद्धाहरु आफ्नो हेरचाह गर्न असमर्थ अवस्था भएकोले बेसहारा बस्नुपरेको देखिन्छ। स्वास्थ्य दृष्टीकोणले धेरै दिर्घकालिन रोगि नभएको कारण गाउँपालिकाको औसत आयु वृद्धि हुने देखिन्छ। ज्येष्ठ नागरिकको स्थिति सुधार गर्न मानाशिकता परिवर्तन गर्नु चुनौतिपूर्ण रहेको पाईन्छ।

४.५.३ अवसर

यस गाउँपालिकामा रहेको विभिन्न वर्गको जनसंख्याले भविष्यमा सबल जनशक्ति उत्पादन गर्ने सम्भावना दर्शाएको पाईन्छ। त्यसैगरी संचार माध्यमलाई अझै सुदृढ बनाउन सके जुनै स्थानका बालबालिका तथा किशोर किशोरीहरूसँग पनि प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने अवसर देखिन्छ।

४.५.४ सोच

लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण मार्फत सबै नागरिक मर्यादित, न्यायपूर्ण र अर्थपूर्ण सहभागितामा मुलकको समावेशी विकास

४.५.५ लक्ष्य

सबै तह र तप्काका महिला, बालबालिका, ज्येष्ठ नागरिक र अपांगता भएका व्यक्तिलाई सामाजिक, संस्कृतिक, आर्थिक, शैक्षिकरूपमा सशक्तिकरण गर्दै महिला अधिकारको प्रत्याभूति गर्दै गुणस्तरीय जीवन र सहभागिता सुनिश्चित गर्ने

४.५.६ उद्देश्य

- सबै प्रकारका विभेद अन्त्य गर्दै महिला सशक्तिकरण गरी विकासका सबै प्रक्रियामा महिला मूलप्रवाहिकरण गर्ने
- राजनीतिक, आर्थिक, सार्वजनिक लगायत सम्पूर्ण निर्णायक तहमा महिलाहरूको सार्थक र सामान पहुँचक लागि समान अवसरहरूको सिर्जना गर्नु
- बाल अधिकार सुनिश्चित गर्दै गाउँपालिकालाई बालमैत्री पालिकाको रूपमा विकास गर्ने
- ज्येष्ठ नागरिकहरूको मान, सम्मान स्वास्थ्य र सुरक्षाको प्रत्याभूति गर्दै उहाँहरूको सिकाइ र अनुभवलाई समाज विकासका लागि सदुपयोग गर्ने
- नगरपालिकामा भएको अपांग जनसंख्यालाई संरक्षण गर्दै अपांगता भएकाहरूको हक अधिकार सुनिश्चित गर्दै पालिकालाई अपांगमैत्री पालिकाका रूपमा विकास गर्ने

४.५.७ रणनीति तथा कार्यनीति

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|--|
| ○ सबै प्रकारका विभेद अन्त्य गर्दै महिला सशक्तिकरण गरी विकासका सबै प्रक्रियामा महिला मूलप्रवाहिकरण गर्ने | • महिलालाई उद्दमी र आत्मनिर्भर बनाई हक अधिकार सुनिश्चितता गर्ने | • स्थानीय महिलाको आवश्यकता र सम्भावना अध्ययन गरेर उद्घसिलता विकास गर्ने। • महिलालाई आफ्नो अधिकार उपयोग गर्नका निम्ति ज्ञान तथा जनचेतना दिने |
| ○ राजनीतिक, आर्थिक, सार्वजनिक लगायत सम्पूर्ण निर्णायक तहमा महिलाहरूको सार्थक र | • महिला सहभागिता र आत्मसम्मान सुनिश्चित गर्न सामाजिक संरक्षणका कार्यक्रमहरू संचालन गर्ने | • महिला समुहहरूको संस्थागत विकासमा सहयोग गर्ने • सुरक्षा वासमा भएका तथा प्रवाहित महिलाहरूको लागि |

| | | |
|---|--|--|
| सामान पहुँचक लागि समान अवसरहरूको सिर्जना गर्नु | | आय आर्जन तथा सशक्तिकरणका कार्यक्रमहरू संचालन गर्ने |
| ○ बाल अधिकार सुनिश्चित गर्दै गाउँपालिकालाई बालमैत्री पालिकाको रूपमा विकास गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> • ५ वर्ष भित्र बालमैत्री गाउँपालिकाको रूपमा घोषणा गर्ने • बालबालिकालाई रचनात्मक विकास गर्ने र व्यवहारिक बनाउने। | <ul style="list-style-type: none"> • गाउँपालिकाका क्रियाकलापका बारेमा बालबालिकाहरूलाई जानकारी राख्न चासो जगाउने |
| ○ ज्येष्ठ नागरिकहरूको मान, सम्मान, स्वास्थ्य र सुरक्षाको प्रत्याभूति गर्दै उहाँहरूको सिकाइ र अनुभवलाई समाज विकासका लागि सदुपयोग गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> • ज्येष्ठ नागरिकको स्वास्थ्य सुधार गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> • ज्येष्ठ नागरिकलाई स्वास्थ्य सम्बन्धि प्रोत्साहन गर्ने। • ज्येष्ठ नागरिकलाई स्वास्थ्य सेवा निशुल्क गर्ने। |
| | <ul style="list-style-type: none"> • ज्येष्ठ नागरिकको जिवानोस्तर वृद्धि गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> • ज्येष्ठ नागरिकको पोषणयुक्त आहारा सुनिश्चितता गर्ने। • ज्येष्ठ नागरिकको सामाजिक भत्ता सुनिश्चितता गर्ने |
| नगरपालिकामा भएको अपांग जनसंख्यालाई संरक्षण गर्दै अपांगता भएकाहरूको हक अधिकार सुनिश्चित गर्दै पालिकालाई अपांगमैत्री पालिकाका रूपमा विकास गर्ने | अपांगता भएका व्यक्तिहरूको आत्मसम्मान सहितको सहभागिता तथा नेतृत्वदायी भूमिकाका लागि सकारात्मक वातावरण निर्माण गर्ने | पालिकाका सार्वजनिक भौतिक संरचनाहरूलाई अपांगमैत्री बनाउने नीति निर्माण गर्ने अपांग जनसंख्याको विवरण नियमित दुरुस्त गर्ने अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूलाई शिक्षाको सुनिश्चितता गर्न छात्रवृत्ति प्रदान गर्ने |

४.५.८ अपेक्षित उपलब्धिहरू

- महिला सशक्तिकरण मार्फत सामाजिक विभेदहरू न्यून भई महिला सहभागिता वृद्धि भएको हुनेछ
- जोखिममा भएका बालबालिका संरक्षण र बालबालिकाको व्यक्तित्व विकासको अवसर सिर्जना भएको हुनेछ
- ज्येष्ठ नागरिकका अनुभव तथा ज्ञानहरू सदुपयोग भएको हुनेछ
- योजनाको अन्तिममा सामाजिक सुरक्षाबाट लाभान्वित लक्षित वर्गको संख्या ११२८ बाट १८१७ पुग्नेछ।

परिच्छेद ५. पूर्वाधार क्षेत्र

५.१ सिंचाइ

५.१.१ पृष्ठभूमि

कृषि सँग प्रत्यक्ष रूपमा सम्बन्धित सिचाईले उत्पादनमा धेरै महत्त्वपूर्ण भूमिका खेल्दछ। नेपाल कृषिप्रधान देश भएपनि अझै अधिकांश कृषि आकासे पानीमा भर परेको देखिन्छ। यस गाउँपालिकामा श्रोतहरु प्रसस्त भएपनि दिगो सिचाई योजना संचालनमा ल्याउन सकिएको छैन। भएका सिचाई योजनाहरुको पनि अवस्था जिर्ण रहेको पाइन्छ।

५.१.२ प्रमुख समस्याहरु

यस गाउँपालिकाको भौगोलिक बनावट र छरिएको बस्ति तथा खेत भएका कारण उपर्युक्त सिचाई योजना कार्यन्वयन हुन सकेको छैन।

५.१.३ अवसर

पानीको श्रोत प्रसस्त देखिएको यस गाउँपालिकामा सिचाईको योजना ल्याई सिंचित खेत क्षेत्रफल वृद्धि गर्ने पर्याप्त अवसर रहेको पाइन्छ।

५.१.४ सोच

सम्पूर्ण कृषियोग्य भूमिमा बाह्रै महिना सिंचाई सुविधा

५.१.५ लक्ष्य

कृषियोग्य भूमिमा भरपर्दो र दिगो सिंचाई सेवामार्फत कृषि उत्पादकत्व तथा उत्पादनमा वृद्धि

५.१.६ उद्देश्य

- सिंचित क्षेत्र वृद्धि गर्नुका साथै जलश्रोतको बहुउद्देश्यीय उपयोगमा जोड दिनु
- विकसित सिंचाई प्रणालीमा व्यवस्थापन सुदृढिकरण गरी दिगोपन बढाउनु
- सिंचाईको आवश्यकता भएको स्थान र समयमा निर्वाध रूपमा पानीको उपलब्धता बढाउनु

५.१.७ रणनीति तथा कार्यनीति

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति |
|----------|--------|-----------|
|----------|--------|-----------|

| | | |
|---|--|---|
| <p>१. सिंचाईको आवश्यकता भएको स्थान र समयमा निर्वाध रूपमा पानीको उपलब्धता बढाउनु</p> | <ul style="list-style-type: none"> • बाह्रै महिना सिंचाई सेवा सहुलियाताको साथ उपलब्ध गराउनका लागि सतह बहुउद्देश्यीय र जलाशययुक्त सिंचाई, सामुदायिक boring आयोजनाहरू अघि बढाउने • सिंचाई विकासको गुरुयोजना, कृषि विकास रणनीतिका लक्ष्यहरू परिपूर्ति र जलवायु परिवर्तन अनुकूल हुनेगरी सिंचाई प्रणालीको विकास एवं विस्तार गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> • जल उपयोग गुरुयोजना तयार गरि सम्भाव्य सिंचाई आयोजनाहरूको पहिचान गर्ने। • कृषि उपजका पकेट क्षेत्रको सम्भावनाका आधारमा सिंचाई आयोजनाको विकास गर्ने। • सरकारी तथा गैरसरकारी संघ संस्थासँग समन्वय गरी सिंचाईका आधुनिक संरचनाहरूको निर्माण गर्ने। |
| <p>२. विकसित सिंचाई प्रणालीमा व्यवस्थापन सुदृढिकरण गरी दिगोपन बढाउनु</p> | <ul style="list-style-type: none"> • उच्च क्षमतामा संचालन गर्न प्राविधिक एवं आर्थिक दृष्टिकोणले उपयुक्त एवं नयाँ प्रणालीमा आधारित सिंचाईको विकास गर्ने • विद्यमान सिंचाई प्रणालीको संरक्षण, सम्भार र स्तरोन्नति गरि पूर्ण रूपमा उपयोग गर्ने। | <ul style="list-style-type: none"> • मूल तथा स्रोतको संरक्षण गरि सिंचाई प्रणालीको दिगो उपयोग गर्ने। • सिंचाई योजना बनाउँदा अनिवार्य रूपमा मर्मत संहार कोषको व्यवस्था गर्नका साथै उपभोगको आधारमा शुल्क संकलन गर्ने। • सिंचाई प्रणालीको दिगो व्यवस्थापनका लागि उपभोक्ता समितिलाई जिम्मेवार बनाउन। • कृषक व्यवस्थित सिंचाई आयोजनाहरूको नियमित मर्मत संहार गर्ने। |

५.१.८ अपेक्षित उपलब्धिहरू

- सिंचाईका लागि उपयोग्य मुहानहरू संरक्षण हुनेछन्।
- आकासे पानी पनि सिंचाई गर्नकानिम्ती पूर्वाधार विकास गरि प्रयोगमा ल्याइनेछ।

५.२ ऊर्जा

५.२.१ पृष्ठभूमि

स्थानीय तहको विकास निर्माण, उद्यम व्यवसाय स्थापना र विस्तारमा उर्जाको महत्त्वपूर्ण स्थान रहन्छ । यस गाउँपालिकामा उर्जाका श्रोत हरू जलविद्युतको उर्जाको वर्चस्व रहेको देखिन्छ । उक्त श्रोतका अतिरिक्त मट्टीतेल, जेनेरेटर आदि पनि उर्जाको श्रोत हुन् भने खाना बनाउने उर्जाको श्रोतका रूपमा दाउराको प्रयोग पनि अधिकतम रहेको पाईन्छ ।

५.२.२ प्रमुख समस्याहरु

यस गाउँपालिकामा जलविद्युतको पहुँच अधिकांश रहेको छ भने भोल्टेजको कमीले गर्दा पर्याप्त बिजुली उपभोग गर्न नपाउनु कम्जोर पक्ष रहेको पाईन्छ । त्यसैगरी सम्भावना बोके पनि स्थानीय रूपले लघु जलविद्युतका कार्यक्रम ल्याउन नसक्नु पनि यस गाउँपालिकाको कम्जोर पक्ष रहेको छ । केहि पोलहरु विस्तार गरि विद्युतको फेज वृद्धि गरे थुप्रै अवसरहरु सृजना हुने देखिन्छ भने सो गर्नकानिम्ती अर्थ जुटाउन चुनौतिपूर्ण रहेको देखिन्छ । बैकल्पिक उर्जाको पहुँचमावृद्धि गर्नु र सो उर्जाको माग र आपुर्तिबिच सन्तुलन कायम गर्न सक्नु चुनौतिपूर्ण रहेको पाईन्छ । आर्थिक कमजोरी नै बैकल्पिक उर्जाको विकासको प्रमुख बाधा भएको यस गाउँपालिकामा वायु तथा सौर्य उर्जा उत्पादनमा अझै पर्याप्त रूपमा निजि तथा सामुदायिक लगानी कर्ताहरुलाई आकर्षण गर्न सक्नु चुनौती रहेको देखिन्छ ।

५.२.३ अवसर

बैकल्पिक उर्जाको प्रवर्धन गर्नका निम्ति विभिन्न निजि तथा सरकारी संस्थाले देशभरि विभिन्न प्रयास र सो प्रविधिलाई कार्बन परियोजनाको रूपमा विकास गर्न सकिने अवस्थाले थप अवसर सृजना गरेको छ । बैकल्पिक उर्जाको प्रविधिहरु अन्तराष्ट्रिय बजारमा सस्तो तथा सहज उपलब्धि हुने देख्न थालिएको छ भने छोटो समयमा सोलार उर्जाको उत्पादन गर्न सकिने अवस्था छ । त्यसगरी बैकल्पिक उर्जाको प्रवर्धन गर्नका निम्ति विभिन्न निजि तथा सरकारी संस्थाले देशभरि विभिन्न प्रयास र सो प्रविधिलाई कार्बन परियोजनाको रूपमा विकास गर्न सकिने अवस्थाले थप अवसर सृजना गरेको छ ।

५.२.४ सोच

बैकल्पिक उर्जाको प्रयोगबाट आर्थिक विकासमा टेवा

५.२.५ लक्ष्य

- सबै घरधुरीमा पर्याप्त र सहूलियत विद्युत प्रवर्धन
- बैकल्पिक उर्जाको खपत बधाई परम्परागत र पेट्रोलियम उर्जा प्रतिस्थापन गर्ने

५.२.६ उद्देश्य

- हरेक बस्तीमा राष्ट्रिय प्रसारण लाइनको व्यवस्था गर्ने
- स्वच्छ र वैकल्पिक उर्जाको उत्पादन बढाई आधुनिक उर्जाको पहुँच बढाउनु

५.२.७ रणनीति तथा कार्यनीति

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|--|
| १. हरेक बस्तीमा राष्ट्रिय प्रसारण लाइनको व्यवस्था गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> • सबै घरपरिवार र स्थानमा उज्यालो पुर्याउने | <ul style="list-style-type: none"> • लागत साझेदारीमा सम्भाव्य स्थानमा बाँध निर्माण गरि विद्युत उत्पादन, सिचाई तथा पोखरी निर्माण गर्ने। • लागत साझेदारीमा विद्युत अपुग भएका घरधुरीमा विद्युत लाइन विस्तार गर्ने। • विद्युत लाईन र पोल जिर्ण भएको ग्रामिण स्थानमा जिर्ण पोल र तार मर्मत गर्ने र खुलातार प्रणालीलाई केवल प्रणालीमा रूपान्तरणको लागि सम्बन्धि पैरवी र साझेधारी गर्ने। • स्वास्थ्य संस्था र माध्यमिक विद्यालयमा पावर व्याकपको व्यवस्था गर्ने। |
| २. स्वच्छ र वैकल्पिक उर्जाको उत्पादन बढाई आधुनिक उर्जाको पहुँच बढाउनु | <ul style="list-style-type: none"> • नविकरनिय उर्जा प्रविधिको विस्तार र प्रवर्धन गरी पहुँच र उपयोग वृद्धि गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> • वैकल्पिक उर्जा सम्बन्धी स्थानीय नीति, कानुन, मापदण्ड र योजना तर्जुमा गरि कार्यन्वयन र नियमनको व्यवस्था गरि स्वच्छ उर्जामा पहुँच वृद्धि गर्ने। • दाउराको प्रयोगलाई कम गर्दै लैजान वायोग्यास, सुधारिएको चुलो, वायो ब्रिकेट जस्ता दाउराको किफायती नवीकरणीया उर्जा प्रविधिहरुको |
| | <ul style="list-style-type: none"> • पेट्रोलियम उर्जा, एल पी ग्याँस तथा दाउरा चुल्होलाई जलविद्युत, वायोग्याँस तथा सौर्या उर्जा चुल्होले विस्थापित गर्नु। | <ul style="list-style-type: none"> • खाना पकाउन विद्युतीय चुलोको प्रयोग गर्न प्रोत्साहन गर्ने। • घर घरमा वायो ग्याँस उत्पादनको लागी प्रोत्साहन गर्ने। • सार्वजनिक स्थल जस्तै विद्यालय, अस्पताल, चौकी, बजार आदिकालागी सुधारिएको तथा किफायती चुलोहरु हदान गर्ने। |
| | <ul style="list-style-type: none"> • वैकल्पिक उर्जाको विकासमा लगानी | <ul style="list-style-type: none"> • वायु मिल, सोलार प्लान्ट जस्ता वैकल्पिक उर्जा प्रवर्धनमा काम गर्ने निजि तथा सहकारी |

| | | |
|--|--|--|
| | <p>वृद्धिको वातावरण सिर्जना गर्ने।</p> | <p>संस्थालाई विशेष सहयोग गरि पालिकालाई उर्जा सुरक्षित पालिकाको रूपमा स्थापना गरिनेछ।</p> <ul style="list-style-type: none"> विद्युत जडान तथा मर्मत सम्भारका लागि दक्ष, तालिम प्राप्त जनशक्ति उत्पादन गर्ने। निजि क्षेत्रसँग मिलेर विद्युत संचालित सवारी साधनको प्रवर्धन गर्ने। विद्युत वितरण लाइनमा सम्पूर्ण काठेपुलहरु प्रतिस्थामपा गर्ने। |
| | <ul style="list-style-type: none"> वायु तथा सौर्य उर्जा लगायत अन्य उर्जाको सम्भावना अध्ययन गर्ने। | <ul style="list-style-type: none"> पालिकामा विभिन्न वैकल्पिक उर्जा उत्पादन तथा प्रसोधन गर्न सकिने ठाउको परिक्षण गर्ने। सम्भाना भएको उर्जाको उत्पादन बढाई पालिकालाई उर्जा क्षेत्रमा आत्मनिर्भर हुन उन्मुख बनाउने। |
| | <ul style="list-style-type: none"> वैकल्पिक उर्जालाई व्यावसायिक उर्जाको रूपमा विकास गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> जाला, वायु तथा सौर्य उर्जाबाट उत्पादन विद्युतलाई घरेलु तथा व्यावसायिक कामको लागि प्रयोग गर्ने। निजि , सार्वजनिक तथा सामुदायिक स्थानहरुमा उर्जा भण्डार सहितको सौर्य उर्जा प्लान्ट जडान गरि कुशल रूपमा उर्जा खापा गर्ने। |

५.२.८ अपेक्षित उपलब्धिहरु

- विदुतमा सबैको पहुँच हुनेछ
- बैकल्पिक उर्जाको प्रयोग र प्रवर्द्धन हुनेछ

५.३ सडक तथा यातायात

५.३.१ पृष्ठभूमि

यातायात पूर्वाधार समग्र विकासको मेरुदण्ड हो। यातायात सेवा लगायत पूर्वाधारका अन्य विकास आयोजनाले विस्तृत आर्थिक, सामाजिक विकासका अन्य क्षेत्रका विकासको गतिलाई सुगम पार्न तथा सार्वजनिक सेवामा पहुँच, प्रवाह र नागरिकको दैनिक जीवनयापनालाई सहज बनाउने भुमिका रहेको छ।

यस गाउँपालिकामा स्थानीय सरकारको स्थापना आएपछि धेरै नयाँ सडक विस्तार भएको देखिन्छ। सडकको संजाल गाउँपालिका भरि समान रूपले फैलिएको छ भने यातायात सुविधा अझै अपुग देखिन्छ। सडकको नयाँ ट्र्याक जम्मा ४६ किलोमिटर छ भने सडक चौडा बनाउने कार्य १२ दशमलब ५ किलोमिटरमा भैरहेको अवस्था छ। पाच वर्षका सडक तथा पुल योजनाहरूको संख्या २९२ रहेको पाइन्छ।

५.३.२ प्रमुख समस्याहरू

सडक संजालको विस्तार व्यापक भएपनि अधिकांस सडकको स्तर राम्रो नभएको सम्भावनालाई सदुपयोग गर्न भूगोलको बनावटले गर्दा अत्याधिक अर्थ चाहिने हुँदा विभिन्न निजी तथा सरकारी संस्था बाट अझै पर्याप्त सहयोग जुटाउन र पर्यावरणमा पर्ने असर पनि धेरै भएको र त्यस तर्फ अझै आवश्यक ध्यानाकर्षण गर्न नसक्नु चुनौतिपूर्ण रहेको देखिन्छ।

५.३.३ अवसर

सडक पूर्वाधारको विकासले सम्पूर्ण क्षेत्रलाई प्रत्यक्ष प्रभाव पार्ने हुनाले मूल सडक मात्र स्तरोन्नति गर्न सके गाउँपालिकाको आर्थिक विकासमा थप टेवा पुग्ने देखिन्छ।

५.३.४ सोच

सडक यातायातको विकास मार्फत आर्थिक सम्वृद्धि

५.३.५ लक्ष्य

स्थानीय सडक संजालको विस्तार गरी आर्थिक-सामाजिक विकास, व्यापार विस्तार एवं विविधिकरण तथा अन्तर गाउँपालिका स्तरीय सम्बन्धमा सुदृढिकरणमा टेवा पुर्याउने

५.३.६ उद्देश्य

- प्रभावकारी, दिगो, भरपर्दो, सुरक्षित, वातावरणमैत्री र कम खर्चिलो यातायात सेवामार्फत आर्थिक क्रियाकलाप विस्तार र सेवा प्रवाहको प्रभावकारिता बढाउनु
- वडा-गाउँपालिका, गापा-गापा/नपा, गापा-जिल्लाबीच तथा छिमेकी पालिकाहरू बीच ब्यापारिक सम्बन्ध विस्तार गर्नु
- यातायात व्यवस्थालाई सहज र सहूल्यत बनाई सम्पूर्णको न्यायोचित पहुँच पुर्याउने

५.३.७ रणनीति तथा कार्यनीति

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति |
|----------|--------|-----------|
|----------|--------|-----------|

| | | |
|--|--|---|
| <p>१. प्रभावकारी, दिगो, भरपर्दो, सुरक्षित, वातावरणमैत्री र कम खर्चिलो यातायात सेवामार्फत आर्थिक क्रियाकलाप विस्तार र सेवा प्रवाहको प्रभावकारिता बढाउनु</p> | <ul style="list-style-type: none"> • कृषि, पर्यटन तथा सामाजिक सेवा प्रवाहलाई सहज र सुलभ हुने गरि गुणस्तरीय पूर्वाधारको विकास र विस्तार गर्ने। | <ul style="list-style-type: none"> • गाउँपालिकाको रणनीतिक सडकहरू प्राथमिकता अनुसार क्रमशः ग्राभेल र पिच गर्दै लग्ने। • सडक नपुगेको प्रमुख बस्ति तथा बजार केन्द्रलाई लक्षित गरि अति जरुरि स्थानमात्र नयाँ ट्रयाक खोल्ने। • सडक संजाल निर्माण गर्दा कृषि, उर्जा, पर्यटन तथा उद्योग व्यवसायको समेत प्रवर्धन हुने गरि गर्ने। • सडकको नयाँ ट्रयाक खोल्दा तथा स्तरोन्नति गर्दा पुर्व वातावरणीय परिक्षण वा वातावरणीय प्रभाव मुल्यांकन पश्चात विस्तृत अध्ययन प्रतिवेदन तयार गरि मात्र सडक निर्माण र स्तरोन्नति गर्ने। |
| <p>२.</p> | <ul style="list-style-type: none"> • सडकको मापदण्ड, वर्गीकरण, नामकरण र प्राथमिकताक्रम सहित यातायात गुरुयोजना तर्जुमा सडक निर्माण र संचालन गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> • भू-उपयोग क्षेत्र र योजना अनुसार, वस्ती विकास तथा भौतिक निर्माणको योजना तर्जुमा र कार्यन्वयन गर्ने। • भौतिक योजना तथा यातायात गुरुयोजना अनुसार सडकको मापदण्ड, वर्गीकरण, नामाकरण तथा प्राथमिकता निर्धारण गर्ने। • प्राथमिकताका आधारमा सडक निर्माण, मर्मतसम्भार र यातायात संचालन गर्ने। |
| <p>३. यातायात व्यवस्थालाई सहज र सहुल्यत बनाई सम्पूर्णको न्यायोचित पहुँच पुर्याउने</p> | <ul style="list-style-type: none"> • कृषि, पर्यटन तथा सामाजिक सेवा प्रवाहलाई सहज र सुलभ हुने गरि यातायात व्यवस्थापन गर्ने। | <ul style="list-style-type: none"> • यातायात व्यावास्थापन सहज बनाउन आवश्यक पूर्वाधार व्यक्त गर्ने। • यात्रा सहज र गुणस्तरीय बनाउन आवश्यक मापदण्ड पुरा गर्ने। |

५.३.८ अपेक्षित उपलब्धिहरू

- सडक एवं सहायक पूर्वाधारको विकास एवं यातायात विस्तार भएको हुनेछ

५.४ सञ्चार तथा सूचना प्रविधि पूर्वाधार

५.४.१ पृष्ठभूमि

यस आधुनिक युगमा सूचना भनेको सबैभन्दा शक्तिसाली संसाधन हो । सूचना तथा संचारको पहुँच हरेक नागरिकको आधारभूत आवश्यकता बनिसकेको छ । यस गाउँपालिकामा संचारको स्थिति औसत रहेको देखिन्छ । ईन्टरनेटको माध्यम महँगो फोनको नेट रहेको छ भने फाइबर तार विस्तार गरि ईन्टरनेट पहुँच वृद्धि गर्नु पर्ने देखिन्छ ।

५.४.२ प्रमुख समस्याहरू

केहि स्थानमा भने न्युनतम संचार नेटवर्क समेत नरहेको र भएको स्थानहरूमा पनि गुणस्तरको नभएको कमजोर पक्ष देखिन्छ । स्थानियहरूलाई संचार पूर्वाधारको सदुपयोग गर्न सकिने पक्षहरूको बारेमा उचित जानकारी नभएको देख्न सकिन्छ । त्यसैगरी संचार प्रविधिमा सहुल्यता नभएको कारण सबै वर्गको पहुँचमा ल्याउन निकै चुनौतिपूर्ण देखिन्छ ।

५.४.३ अवसर

यस गाउँपालिकाका अधिकांश स्थानहरूमा न्युनतम संचार सुविधा कायम गरिएको देखिन्छ र सोअनुरूप न्यून आय भएका घर परिवार बाहेक मोबाईलको सुविधा उपलब्ध रहेको देखिन्छ । संचारको महत्त्व मध्यनजर गरेर विभिन्न तहका सरकारी तथा निजि क्षेत्रको संचार विकास गर्न प्रयास जाँरि अवस्था देखिन्छ । धेरै स्थानियाहरूको पहुँचमा मोबाईल रहेको कारण संचारलाई थप विकास गर्न सके विभिन्न सूचना तथा जानकारी प्रवाह सहज रूपले गर्न मिल्ने अवसर देखिन्छ ।

५.४.४ सोच

सुलभ र न्यायोचित संचार सेवामा सबैलाई संगलन गर्ने

५.४.५ लक्ष्य

गुणस्तरीय सूचना तथा सेवामा नागरिकको पहुँच विस्तार गर्ने

५.४.६ उद्देश्य

- सूचनाका पूर्वाधार विकास गर्ने
- सूचना प्रविधिमा सहुल्यता र गुणस्तर कायम गर्ने

५.४.७ रणनीति तथा कार्यनीति

| उद्देश्य | रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|---|
| १. सूचनाका पूर्वाधार विकास गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> इन्टरनेट सेवाको पहुँच अभिवृद्धि गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> गाउँपालिका, वडा कार्यालय, स्वास्थ्य संस्था र विद्यालयमा इन्टरनेट क्षमता वृद्धि गरि सेवाको विस्तार र गुणस्तर सुधार गर्ने। सबै वडा कार्यालयहरू, विद्यालय र स्वास्थ्य संस्थामा इन्टरनेट सेवा निहमित तथा सुचारु गर्न सेवा प्रदायक परिचालनको व्यवस्था गरिनेछ। गाउँकार्यपालिका कार्यालय, वडा कार्यालय, विद्यालय र स्वास्थ्य संस्था मुख्य बजारमा सिमितिभी क्यामेरा जडान गर्ने। |
| | <ul style="list-style-type: none"> २. टेलिफोन सेवा प्रभावकारी बनाउने | <ul style="list-style-type: none"> टेलिफोन टावरको संख्या र क्षमता वृद्धि गर्न समन्वय र पैरवी गर्ने। विद्यालय तथा स्वास्थ्य संस्थाहरूमा इन्टरनेट सुविधा जडान गर्ने र सुचना प्रविधिमा आधारित भई पठनपाठन तथा स्वास्थ्य सेवा प्रवाह गर्ने। ल्याण्डलाइन टेलिफोन र अप्टिकल फाईबर प्रविधिको इन्टरनेट विस्तार संचालन गर्न नेपाल टेलिकम र अन्य सेवा प्रदायक संस्थासँग छलफल, समन्वय र पैरवी गर्ने। |
| २. सुचना प्रविधिमा सहुल्यता र गुणस्तर कायम गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> सुचना तथा सेवा प्रवाहलाई सुचना प्रविधि बनाउने | <ul style="list-style-type: none"> राजस्व, प्रशासन, योजना तथा स्थानीय तथ्यांक सम्बन्धि सूचना व्यावास्थापन प्रणाली तयार गरि सुचना प्रविधिमा आधारित सेवा प्रवाहको व्यवस्था गर्ने। स्थानीय संचार माध्यम र संचाकर्मिका क्षमता विकास गरि गाउँपालिकालाई मिडीयामैत्री बनाउने। सम्पादित योजना, कार्यक्रम र गतिविधि एफएम रेडियो स्थापना संचालन गरि |

| | | |
|--|--|---|
| | | <p>सुचना र संचारको प्रमुख माध्यमको रूपमा विकास गर्ने।</p> <ul style="list-style-type: none">• गाउँपालिकाको मुखपत्रको रूपमा लिसंखु पाखरविकास बुलेटिन प्रकाशनको व्यवस्था गर्ने (चौमासिक)।• पदाधिकारी तथा सेवाग्राही रेडियो संवाद कार्यक्रम नियमित रूपमा संचालन गर्ने।• स्थानीय नीति, कानून, नियम र कार्यविधि, निर्णय, विकास कार्य संचालन, उपलब्धि, सफल अभ्यास बारे पत्रकार संवाद, पत्रपत्रिका, रेडियो र टेलिभिजनमा नियमिति प्रकासन र प्रसारको व्यवस्था गर्ने। |
|--|--|---|

५.४.८ अपेक्षित उपलब्धिहरू

- इन्टरनेटको पहुँच सबैमा हुनेछ
- मोबाइल प्रयोगकर्तामा बढोतरी हुनेछ

५.५ आवास तथा वस्ती विकास

५.५.१ पृष्ठभूमि

आवास मानवको जीवनको आधारभूत आवश्यकतामा पर्दछ। सविधानले पनि आवासलाई नागरिकको मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरेको छ। स्थानीय संचालन ऐनले सुरक्षी बस्ति विकास, भवन मापदण्ड तथा नियमन जस्ता कार्यहरु स्थानीय तहको जिम्मेवारीमा सुम्पेको छ। यस गाउँपालिकामा विपद्का कारण केहि वस्तीहरु जोखिममा रहेका छन्।

५.५.२ सोच

सबै नागरिकको सुरक्षित , सुलभ र व्यवस्थित आवासमा पहुँच

५.५.३ लक्ष्य

वातावरणमैत्री, सुरक्षित र सुलभ सार्वजनिक भवन तथा निजी आवासको विकास गर्ने

५.५.४ उद्देश्य

- आवास क्षेत्रमा सुरक्षा र पूर्वाधारको सुनिश्चितता गर्ने
- व्यवस्थित तरिकाले वस्ती विकास गर्ने

५.५.५ रणनीति तथा कार्यनीति

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|--|
| १. वस्तीको विकास एकीकृत र सुरक्षित गर्ने। | <ul style="list-style-type: none"> • भू-उपयोग योजनाअनुसार बस्ति विकास गर्दै लग्ने। • एक नमुना बस्ति विकास कार्यक्रम संचालन गरि अन्य अव्यवस्थित वस्तीहरुलाई व्यवस्थित गर्न सहज गर्ने। • वस्ती तथा आवासलाई चाहिने पूर्वाधारको उचित व्यवस्थापन गर्ने। • आवास, बस्ति विकास तथा सार्वजनिक निर्माण सुरक्षित बनाउन चेतना अभिवृद्धि गर्ने। |
| २. भवन निर्माणमा भवन संहिताको सशक्त कार्यन्वयन गर्ने। | <ul style="list-style-type: none"> • सरकारी भवनहरु बाल, महिला र अपाङ्गमैत्री बनाउनको साथै भवन संहिता तयार गरि कार्यन्वयन गर्ने। |

| | |
|--|---|
| | <ul style="list-style-type: none">• निर्माणमा संलग्न स्थानीयहरूलाई मापदण्ड बमोजिम निर्माण गर्न सिप तथा तालिम व्यवस्था गर्ने।• पक्कि निर्माण तथा खरको छाना विस्थापन गर्ने। |
| ३. क्षतिग्रस्त आवास तथा भवनहरूको पुननिर्माण गर्ने। | <ul style="list-style-type: none">• भूकम्पबाट क्षतिग्रस्त आवास तथा भवनहरूको पुननिर्माणको कार्य चुस्त बनाउन सहजीकरण गर्ने।• जोखिम नक्सांकन गरि विपद जोकिम स्थानमा रहेका घर बस्तीलाई सुरक्षित स्थानमा पुनःस्थापना गर्ने। |

५.५.६ अपेक्षित उपलब्धिहरू

ज्येष्ठ नागरिक आवास र सामुदायिक आवास निर्माण भएको हुनेछ, पूर्वाधार सहितको २ वटा नमुना एकीकृत बस्ति निर्माण भएको हुनेछ

परिच्छेद ६. लोकतन्त्र र सुशासन

६.१ मानव अधिकार

६.१.१ पृष्ठभूमि

संयुक्त राष्ट्र संघको स्थापना पछि मानव अधिकारको स स्थापना, सम्मान र प्रवर्धनमा अन्तराष्ट्रिय प्रयासको थालनी भएको हो। मानव अधिकारलाई शान्ति र विकासको मूल आधारमा रूपमा स्वीकार गर्दै संयुक्त राष्ट्र संघको महासभाले १० डिसेम्बर १९४८ मा मानव अधिकारको विश्वव्यापी घोषणापत्र जारी गरेपछि पहिलो पटक मानवको जन्मसिद्ध एवं नैशर्गिक अधिकारहरूलाई मानव अधिकारका रूपमा परिभाषित गरिएको थियो। राष्ट्र संघको वडापत्र र मानव अधिकारको विश्वव्यापी घोषणापत्रलाई आधार मानेर मानव अधिकारको विविध पक्षहरूलाई समेट्ने गरि मानव अधिकारको अधिकारसम्बन्धि विभिन्न अन्तराष्ट्रिय महासन्धिहरू जारी गर्दै आएका छन्। मानव अधिकार उल्लङ्घन तथा ज्यादतीका विरुद्ध अनुसन्धान गरि पीडाकलाई कारबाही र पिडितलाई क्षतिपूर्ति दिन स्थानीय सरकारलाई सिफारिस गर्ने, सिमान्तकृत समुदायका लागि इन्टर्नेसिप कार्यक्रम संचालन गर्ने, मानव अधिकार सम्बन्धमा अभिमुखीकरण तालिम संचालन गर्ने जस्ता कार्यक्रमहरू संचालन हुँदै आएका छन्।

६.१.२ प्रमुख समस्याहरू

समाजमा रहेको भेदभाव, छुवाछुत, लैंगिक सिमसा जस्ता सामाजिक विकृति, गाउँपालिकाको भौगोलिक संरचना, पूर्वाधार अभाव सेवा सुविधाको उपलब्धता ईत्यादी मानव अधिकारको प्रत्याभूतिका लागि परमुख समस्याको रूपमा रहेको पाईन्छ। मानव अधिकार सम्बन्धि न्युन चेतना विकास भएतापनि सेवाग्राही नागरिक अधिकारका बाहक हुन् भन्ने मानव अधिकार संस्कृतिको विकास हुन् नसक्नु, राजनीतिक, सामाजिक लगायतका मानव अधिकार सम्बन्धि आधारभूत ज्ञान, मूल्य मान्यता र संस्कारको पद्धति स्थापित हुन् नसक्नु, संरचनागत रूपमा रहेको सामाजिक विभेदलाई अन्त्य गर्न नसक्नु जस्ता प्रमुख समस्याको रूपमा रहेको देखिन्छ।

६.१.३ अवसर

नेपाल सरकारका क्षेत्रगत कार्यक्रमहरूमा मानव अधिकारलाई प्राथमिकतामा राखे, मानव अधिकारसम्बन्धी जनचेतना वृद्धि गर्न सकेमानव अधिकारको संरक्षण तथा सवार्धनका निम्ति अवासार प्रदान हुनसक्ने देखिन्छ। त्यसैगरी मानव अधिकारको संरक्षण तथा प्रवर्धनका लागि नेपालले जनाएका प्रतिवद्धताहरू र नेपालको संविधानमा व्यवस्था गरिएका नागरिकका विभिन्न मौलिक हकहरूले पनि अवसर प्रदान गरेको देखिन्छ।

६.१.४ सोच

सबै प्रकारका विभ्वधरु अन्त्य गरि समावेशी र समतामुलक समाजको विकास

६.१.५ लक्ष्य

मानव अधिकार सम्बन्धि संस्थाहरुबीच समन्वय, सहकार्य र सहभागता बढाई मानव अधिकार संस्कृतिको विकास गर्ने।

६.१.६ उद्देश्य

मानव अधिकारप्रति गरिएका प्रतिबद्धताहरु व्यवहारिक रुपमा सुनिश्चित गर्ने।

६.१.७ रणनीति तथा कार्यनीति

- १ मानव अधिकार उल्लङ्घनका घटनाको अनुसन्धान तथा मानव अधिकार अवस्थाको अनुगमन गर्ने।
- २ मानव अधिकारलाई विकासका मुद्दहरूसंग संरचनागत र कार्यात्मक रुपले जोड्ने।

परिच्छेद ७. अन्तरसम्बन्धित विषय

७.१ प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापन

७.१.१ पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकामा अधुवा, घागरा र विरिग नदि मुख्य जलश्रोत रहेको पाईन्छ । वर्षेनी वर्षामा यस पालिकाको विभिन्न वडाहरूमा नदीले कटान गरेको हुन्छ । यस गाउँपालिकाको सबल पक्ष भनेको वर्षेनी पानी बग्ने खोला हुनु रहेको पाईन्छ । तर भएका नदीको श्रोत सदुपयोग नगरी जमिनकै पानीमा मात्र भर पर्ने अवस्थाले कमजोरी झल्काउँछ । रहेका ३ खोलाबाट नै गरेर पानीको दिगो श्रोत लागि अन्त्य गर्न सकिने अवसर देखिन्छ । तर त्यसका लागि लागत खर्च गर्नु भन्दा boring कै पानीमा मात्र सरल तरिकाले भर पर्ने भएको कारण चुनौती उत्पन्न हुने देखिन्छ ।

यस गाउँपालिकामा केहि भू-भाग वन रहेको देखिन्छ । केहि वडाहरूमा सामुदायिक वनहरू रहेको देखिन्छ । ६०.२५ वर्ग किमी भूभाग वनले ओगटिनु यस गाउँपालिकाको सबल पक्ष रहेको देखिन्छ । तर सो वन हरुको उचित व्यवस्थापन गर्न भने अझै नसकिएको देखिन्छ । यो गाउँपालिका वनमा पशु पन्छी पनि घनत्वको हिसाबले उच्च रहेको पाईन्छ भने वनस्पति सम्पदा पनि मिचिदै आएको र संरक्षण गर्न असमर्थ देखिएको छ । हात्तिको प्रकोप यस गाउँपालिकाको वन सम्बन्धित मुख्य समस्या रहेको पाईन्छ । विभिन्न जैविक तथा वनस्पति सम्पदा फस्टाउन रहेका वनले अवसर दिएको भएपनि स्थानीयको वन सम्पदाको संरक्षणप्रति रहेको मानसिक्ता बदल्नु चुनौतीपूर्ण देखिन्छ । वर्षेनी हुने डढेलोको समस्याले नियमित विनास गर्दै गरेपनि न्यूनीकरण गर्न चुनौतीपूर्ण रहेको पाईन्छ ।

७.१.२ सोच

प्राकृतिक श्रोतलाई दिगो रूपमा संरक्षण गर्ने

७.१.३ लक्ष्य

वन तथा वनस्पति सम्पदा र जलश्रोतको संरक्षण गरि दिर्घकालिन उपभोग्यता सुनिश्चित गर्ने

७.१.४ उद्देश्य

- जलश्रोतका मुहानहरू पहिचान गरि संरक्षण गर्ने
- जलश्रोतको अधिकतम सदुपयोग गरि उपयोगमा वृद्धि गराउने
- जैविक विविधता संरक्षणको वृद्धि गर्ने
- वनको संचती तथा वन पैदावारको उत्पादनमा वृद्धि गराउने

७.१.५ रणनीति तथा कार्यनीति

| रणनीति | कार्यनीति |
|---|---|
| १. गाउँपालिकाका जलश्रोतका मुहानहरु संरक्षण गर्ने। | <ul style="list-style-type: none"> पानीका मुहानहरु विनास हुने विकास निर्माणका कामहरुको अनुगमन गर्ने। नदीहरुको उचित व्यवस्थापन गर्ने। |
| २. पानीका मुहानहरुको क्षमता अनुसार उचित उपयोग गर्ने। | <ul style="list-style-type: none"> सम्भावनाको अध्ययन गरि उचित तरिकाले जलश्रोतको सदुपयोग गर्ने। |
| ३. वन संरक्षण र व्यवस्थापन सम्बन्धि राष्ट्रिय तथा प्रदेश नीति कार्यन्वयन गर्न सहयोग गर्ने | <ul style="list-style-type: none"> वन तथा जीवक विविधता सम्बन्धी राष्ट्रिय तथा प्रदेश नीति बारे स्थानीय स्तरमा सचेतना अभिवृद्धि गरि कार्यन्वयनमा सहजीकरण गर्ने। नीति कार्यन्वयनका लागि संघ तथा प्रदेश सरकारका सम्बन्धित निकाय र संरचनासँग समन्वय र सहकार्य गर्ने। कार्वन व्यापारबाट गाउँपालिकालाई पुँजीगत लाभका लालागी प्रदेश तथा संघिय सरकारसँग समन्वय/पहल गर्ने। वातावारनिया परिक्षण मुल्यांकन र सो सम्बन्धि सिफारिशलाई अनिवार्य कार्यन्वयन गर्ने। |
| ४. वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन प्रणाली अनुसार वन पैदावारको सातत उत्पादन वृद्धि गरि वन पैदावारको आपूर्ति सहज बनाउने र आम्दानीमा वृद्धि गर्ने | |

७.१.६ प्रमुख कार्यक्रमहरु

- पुर्वाधारका कार्यक्रमहरुको DPR गर्दा EIA अनिवार्य गर्नु पर्ने।
- फोहोर मैलाको उचित व्यवस्थापन गरि जलश्रोतहरु सफा र स्वच्छ कायम गर्ने।
- नदीहरुको कटान नियन्त्रण गर्ने।
- सिचाई तथा खानेपानीका नयाँ मुहान खोज गरि योजनाहरु तयार पार्ने।
- भएका मुहानाहरुको उचित संरक्षण गरि क्षमता अनुसार मात्र योजना छनोट गर्ने।

७.२ विपद् व्यवस्थापन

७.२.१ पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकामा वर्षेनी विपदले धनजनको क्षति गर्ने गरेको पाईन्छ। मुख्यतः बाढी, हावाहुरी, आदि हुनसक्ने कारण विपद्को जोखिम उच्च रहेको पाईन्छ। यसैगरी आउँ, झाडा पखाला लगायत विरलै देखिने स्वाइन फ्लु तथा बर्ड फ्लु आदि रोगहरु पनि विपद्को कारकको रूपमा देखिएको पाईन्छ। विपद्को समयमा आश्रय स्थलका लागि खुला क्षेत्रको आवश्यकता भएकाले खुला क्षेत्रहरु कायम गर्ने कार्य अगाडी बढाउन आवश्यक देखिएको पाईन्छ। विपद्को समयमा कटानले गर्दा हानि भएको भुभागको संरक्षणका लागि आकस्मिक तटबन्धन आवश्यक देखिन्छ। विपद्को तथ्यांक अझै व्यवस्थित गर्न विपद् लेखाजोखा निर्देशिका जारी गरि लेखाजोखामा एकरूपता कायम गर्नु पर्ने देखिन्छ। विपद् व्यवस्थापन समितिहरु निर्माण भएपनि कार्यशिलता चुस्त बनाउन पर्ने देखिन्छ भने विभिन्न संघ तथा संस्थाहरुको समन्वयमा स्थानीय रूपले सकिने सम्पूर्ण प्रयासहरु कार्यन्वयन गरि जोखिम न्यूनीकरण गर्नु पर्ने देखिन्छ।

७.२.२ प्रमुख समस्याहरु

एकीकृत तथा योजनावद्ध विकास गर्न असमर्थ हुनु, जनसंख्याको बढ्दो चापलाई व्यवस्थित गर्न नसक्नु, अव्यवस्थित शहरीकरण बढ्नु, पूर्वाधा विकास र वातावरण विचको असन्तुलन हुनु, औद्योगिक क्षेत्र, अस्पताल र सहरी क्षेत्रबाट निष्काशन हुने रासयानिक मल र विषादी व्यवस्थापन गर्न, जोखिमपूर्ण मापदण्डको अभाव र कार्यन्वयन क्षमता कमजोर हुँदा वायु, ध्वनि तथा जमिनका प्रदुषण मात्रा बढ्नु, विभिन्न सरोकारवालाहरु बीच वातावरणसँग सम्बन्धित विषयमा समन्वय र सहकार्य हुन नसक्नु यस क्षेत्रका प्रमुख समस्याको रूपमा रहेका छन्।

७.२.३ अवसर

अवसर

विगतका अनुभवहरु समेत आधार लिई दिगो तथा सुरक्षित विकास सुनिश्चित गर्ने, स्थानीय पूर्वाधार विकास तथा एकीकृत बस्ति विकास कार्यलाई तालमेल हुने गरि विकास गर्ने, आर्थिक-सामाजिक रूपान्तरणका अलागी जनजीविकामा सुधार भएको विपद् प्रतिरोधी गुणस्तरीय पूर्वाधारसहित विपद् उत्थानशील बस्ति विकास गर्ने, सबै प्रकारको विपद्को सामना गर्ने आधुनिक प्रविधियुक्त संरचना र दक्ष जनशक्तिको विकास गर्ने तथा विकास साझेदारहरुबाट प्राप्त सहयोगलाई प्रभावकारी रूपमा परिचालन गरि आत्मनिर्भर बन्ने जस्ता अवसरहरु देखिएको पाईन्छ। विपद्लाई विकाससँग जोडी योजना अप्रक्रियाका विभिन्न चरणमा सम्बोधन हुने गरि मूलप्रवाहीकरण गर्ने प्रयास, विपद्का लागि पूर्वतयारी गर्ने रणनीति कार्यन्वयन गर्ने परिपाटीको विकास गर्ने, प्रतिकार्यकानिम्ती गाउँविपद् प्रतिकार्य कार्ययोजना तर्जुमा लगायतको पुर्व तयारीका नीतिगत तथा संस्थागत व्यवस्थाको सुदृढीकरण र कार्यविधिहरुको तयार र केन्द्रदेखि स्थानीय तहसम्मको व्यवस्था तथा आपेक्षित

तथा अवस्थित सँग तथा संस्थाका लगानी तथा श्रोतहरू उचित व्यवस्थापन गर्ने आदिलाई अवसरको रूपमा लिईएको छ।

चुनौती

विपद्का सबै कारणहरूको असर तथा प्रभावको वैज्ञानिक अनुसन्धान गरि क्षेत्रगत विकास योजना तर्जुमा गर्ने, भौतिक विकासको स्वरूपलाई भविष्यको आर्थिक विकासको बाधक बन्न नदिन स्थानीय तहका सेवाकेन्द्र तथा बस्तीहरूको आर्थिक-सामाजिक तथा भौतिक सम्पर्कलाई आर्थिक उत्पादनसँग जोड्ने, सुरक्षित बस्ति विकासको अवाधारनाभिन्न बस्ति विकासको योजना तर्जुमा र कार्यन्वयन गर्ने, सम्पूर्ण भौतिक पूर्वाधारसहितको विपद् उत्थानशील एकीकृत बस्ति विकास गर्ने चुनौतीका रूपमा रहेका देखिन्छन्। त्यसरी नै विपद् प्रतिकार्यको समयमा संलग्न विभिन्न निकाय तथा नागरिक विचको अन्तरसम्बन्ध कायम गर समन्वय गर्ने विषयमा चुनौती देखिएको पाईन्छ। पिडितको पहिचान, पिडितलाई तत्काल राहत तथा पुनर्स्थापना सम्बन्धि कार्यमा व्करूपता ल्याई दोहोरोपना सिर्जना हुन नदिनु समेत चुनौती रहेका देखिन्छन्।

७.२.४ सोच

विपद्हरूको प्रभावकारी व्यवस्थापनबाट विपद् उत्थानशील गाउँको रूपमा विकास गर्ने।

७.२.५ लक्ष्य

विपद्बाट हुने मानवीय, भौतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक र पर्यावरणीय क्षति न्यूनीकरण गर्ने।

७.२.६ उद्देश्य

विकासमा सबै चरणमा विपद् व्यवस्थापनलाई समाहित गराई विपद्बाट हुने मानवीय एवं भौतिक क्षति न्यूनीकरण गरिनेछ।

७.२.७ रणनीति तथा कार्यनीति

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|---|
| 1. विभिन्न निकायबाट हुने विपद् व्यवस्थापनको कार्यलाई समन्वय गरि एकीकृत रूपमा संचालन गर्ने। | 1. विपद् जोखिम न्यूनीकरणका लागि स्थानीय क्षमता अभिवृद्धि गर्ने। 2. अन्तर वडा तथा अन्तर गाउँपालिका जल व्यवस्थापन नीति अवलम्बन गर्ने। 3. गाउँ विपद् व्यवस्थापन कार्यलाई गाउँपालिका तहबाट व्यवस्थापन गर्न वडातहसम्म संरचना व्यवस्था गर्ने। |

| | |
|--|--|
| <p>२. अपेक्षित विपद अनुसारको खोज, राहत तथा उद्धारका लागि क्षमता अभिवृद्धि गर्न विशेष कार्यक्रम संचालन गर्ने।</p> | <p>१. बस्ति/समुदाय स्तरसम्म विपद पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य क्षमता विकास व्यवस्थापन गरि विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा अल्पिकरण गर्नका लागि गाउँपालिकाका वडा तहसम्म जनचेतनामुलक कार्यक्रम गर्ने।</p> |
| <p>३. विपद जोखिम न्युनिकरणलाई विकासका सबै आयाम तथा चरणमा मुलप्रवाहिकरण गर्ने।</p> | <p>१. एकीकृत बस्ति विकासको सुरुवाती चरणदेखि नै विपद विज्ञ, स्थानीय निकाय, योजनाविद् हरुलाई सहभागी गराई भू-उपयोग नीति अनुकूल हुने गरि दिर्घकालिन बस्ति विकास योजना बनाई लागु गर्ने।</p> <p>२. स्थानीय तहको योजना तर्जुमा तथा कार्यन्वयन प्रक्रियामा समाहित गर्न कार्यलाई प्राथमिकताका साथि अगाडी बढाउने।</p> |
| <p>४. विपद व्यवस्थापनलाई प्रभाकारी बनाउने नीतिगत व्यवस्थालाई समय सापेक्ष र व्यवहारिक बनाउने।</p> | <p>१. गाउँपालिकाको जोखिम नक्सांकन गरि विपद जोखिम न्यूनीकरणका कार्यक्रमहरु वार्षिक योजनामा समावेश गर्ने।</p> <p>२. गाउँ विपद व्यवस्थापन रणनीतिलाई स्थानीय विपद व्यवस्थापन भित्र संस्थागत गर्ने।</p> <p>३. विपद व्यवस्थापनको सब तहमा जलवायु परिवर्तन अनुकुलान्को अवधारणालाई आत्मसाथ गरि जलवायु परिवर्तनको नकारात्मक असर न्यूनीकरण गर्ने विशेष कार्यक्रमहरु संचालन गर्ने।</p> |

७.३ जलवायु परिवर्तन अनुकुलन

७.३.१ पृष्ठभूमि

जलवायु परिवर्तनका विभिन्न असरहरू अन्तर सम्बन्धित हुने भएको कारण वातावरणमा नकारात्मक असर न्यूनीकरण गरि संरक्षण गर्न तथा जलवायु परिवर्तनको प्रभाव अनुकुलन गर्दै समष्टिगत विकासका लक्ष्यहरू हासिल गर्ने सवाललाई मध्यनजर गरि स्थानीय तहबाटै नीति, कानून तथा संस्थागत संयन्त्रहरूको व्यवस्था गर्नु पर्ने देखिन्छ। हरित विकासको अवधारणा आत्मसात गर्नु जस्ता नीति विकास गरि पुर्वाधारै गर्न आवश्यक रहेको देखिन्छ। जलवायु परिवर्तनका क्षेत्रमा लगानी न्यायोचित गर्न जलवायु परिवर्तन बजेट व्यवस्था गरि राष्ट्रले तय गरेका योजना कार्यन्वयन गर्नु पर्ने देखिन्छ। वातावरण व्यवस्थापनलाई विकास कार्यसँग आवद्ध गर्दै वातावरण प्रभाव मुल्यांकनलाई संस्थागत गर्नु पर्ने देखिन्छ।

७.३.२ प्रमुख समस्याहरू

जलवायु परिवर्तनको अत्याधिक प्रभावित र जोखिमपूर्ण राष्ट्रको सुचिमा देश रहेको र जलवायु परिवर्तन बहुपक्षीय विषय भएको भए तापनि अन्तर क्षेत्रगत निकायहरूबीच समन्वयमा कमि र बुझाईमा एक रूप नहुनु पाईएको छ। त्यसैगरी जलवायुजन्य प्रकोपबाट हुने क्षति सम्बन्धमा अध्ययन, अनुसन्धान र आधारभूत तथ्यांकको कमि भएको पाईन्छ। त्यसैगरी जलवायु परिवर्तनको विषय समग्र विकास प्रक्रियामा मुलप्रवाहिकरण हुन नसक्नु, समस्या सम्बोधनको लागि समग्र संस्थागत क्षमता, आवश्यक वित्त, प्रविधि, ज्ञानको कमि रहनु प्रमुख समस्या रहेका छन्।

७.३.३ अवसर

दिगो विकासका लक्ष्यहरूमा सरकारी तथा अन्तराष्ट्रिय समुदायबाट प्रतिवद्धता जाहेर गरेको, जलवायु वित्तको व्यवस्था हुनु, प्रकृति संरक्षण अनुकुलनको क्षमता बढाउँ राष्ट्रिय कार्ययोजना छाता रणनीति तयार हुनु र जलवायु परिवर्तनका क्षेत्रमा उपलब्ध अन्तराष्ट्रिय सहयोगलाई राष्ट्रिय बजेट प्रणालीमा एकीकृत गर्ने जस्ता नया अवसर रहेका छन्।

जलवायु परिवर्तनमा राष्ट्रले नै महत्त्वपूर्ण भूमिका नखेले पनि जलवायु परिवर्तनलाई अझ सहयोग पुर्याउने स्थानीय समस्याहरू न्यूनीकरण गर्न चुनौती रहेको देखिन्छ। वन संरक्षण, फोहोर मैला व्यवस्थापन, हरितगृह ग्यासको उत्सर्जनलाई न्यूनीकरण गर्नु, पनि चुनौतिपूर्ण रहेको देखिन्छ। त्यसैगरी जलवायु वित्तमा पहुँच बढाई नातिजामुलक कार्यक्रम संचालन गर्नु, तत्काल जोखिममा रहेका क्षेत्रमा कार्यक्रम संचालन गर्नु तथा सम्पूर्ण स्थानियाहरूमा जलवायु परिवर्तन बारे हुने साझा धारणा विकास गर्नु पनि चुनौतिपूर्ण रहेको देखिन्छ।

७.३.४ सोच

स्वस्थ तथा स्वच्छ वातावरण।

७.३.५ लक्ष्य

वातावरणमैत्री र जलवायु परिवर्तनसँग अनुकूलित हुने विकास कार्यक्रमहरू संचालन गर्ने।

७.३.६ उद्देश्य

- वातावरणको संरक्षण स्थितिमा सुधार हुनेछ।
- प्रदुषण न्यूनीकरण हुनेछ।
- हरित विकासको अवधारणा अपनाई सम्पूर्ण क्रियाकलाप जलवायु परिवर्तन अनुकूलित हुनेछन्।

७.३.७ रणनीति तथा कार्यनीति

| रणनीति | कार्यनीति |
|--|--|
| १. वातावरण व्यासस्थापनलाई अंतरिक्रिकरण गर्दै वातावरण संरक्षण एवं प्रदुषण नियन्त्रणका लागि संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गरि विकास कार्यक्रमको अभिन्न अंकका रूपमा संचालन गर्ने। | १. वातावरण र जलवायु परिवर्तनका क्रियाकलापमा लगानी व्यवस्थापन गर्न विभिन्न निकायसँग साझेदारी तथा समन्वय गर्ने। २. वातावरण मैत्री योजना तर्जुमा तथा कार्यन्वयनमा अन्तरनिकाय समन्वयलाई सुदृढ गर्ने। ३. स्थानीय अनुकूलन कार्ययोजना मार्फत राष्ट्रिय अनुकूलन कार्ययोजनालाई वडा तहमा कार्यन्वयन गर्ने। |
| २. जल तथा मौसमी सेवालाई विश्वसनीय, भरपर्दो, नियमित, गुणात्मक बनाई जलवायु परिवर्तन तथा प्रकोपले पार्ने असरलाई न्यूनीकरण गर्ने कार्यमा परिचालीत गर्ने। | १. जलवायु परिवर्तन अनुकूलन हुने पूर्वाधार विकास गरि जनस्तरमा वातावरणीय चेतना र सावधानी जगाउने। २. जलवायु परिवर्तनले अनियमित बनाएको वर्षा आदिको प्रभाव नियमित मुल्यांकन गर्ने। |

७.३.८ प्रमुख कार्यक्रमहरू

- जलवायु परिवर्तनको संवेदनशीलतालाई आत्मसाथ गरि अनुकूलन कार्यक्रम अघि बढाउने।
- वातावरणीया दृष्टिकोणले सबल योजनाहरू प्राथमिकता गर्ने।
- जलवायु परिवर्तनको राष्ट्रिय भावना आत्मसाथ गर्दै कार्यक्रम तथा योजना कार्यन्वयन गर्ने।
- जलवायु परिवर्तनका प्रभावहरू आत्मसाथ गरि अप्रत्येसित विपद सामना गर्न पूर्वतयारी तथा प्रविधि विकास गर्ने।
- जलवायु परिवर्तनको प्रभाव न्यूनीकरण गर्न हरेक स्थानीयको भूमिका प्रष्ट पार्न चेतनामुलक कार्यक्रम गर्ने।

७.४ मानव संसाधन विकास

गुणस्तरीय मानव संसाधनको विकासले कृषि तथा गैरकृषि क्षेत्रको उत्पादकत्व बढाउन, सरकारी क्षेत्रको कार्यकुशलता अभिवृद्धि गर्न तथा क्षेत्रीय एवं अन्तराष्ट्रिय श्रम बजारमा पहुँच पुर्याउन सहयोग पुग्छ। मानव संसाधनको विकास र उचित उपयोग गर्नाका लागि विगतमा कुनै कार्यक्रमहरू संचालन नगरिएकाले अपेक्षित उपलब्धि हुन सकेको छैन। श्रम शक्तिमा वृद्धि भएअनुरूप स्थानीय स्तरमा रोजगारीका अवसरहरूमा वृद्धि नभएको कारण अधिकांश युवाहरू रोजगारिका निम्ति विभिन्न मुलुकमा विदेशिने गरेको देखिन्छ। जाने कामदारहरू अधिकांश अदक्ष कामदार रहेको पाईन्छ। यस्ता युवाहरूलाई व्यवसायिक तथा प्राविधिक शिक्षा त अठा सिपमुलक तालिमको माध्यमबाट दक्ष तथा क्षमतावान जनशक्तिमा परिणत गरि गाउँपालिका, जिल्ला तथा राष्ट्रिय श्रम बजारमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्षम बनाउन सकिन्छ। गाउँपालिका स्तरीय रोजगारीको अवसरहरू स्थानीयले नै सदुपयोग गर्न नसकेको कारण उपयोग गर्न सकिने वातावरण सिर्जना गर्नु पर्ने देखिन्छ।

प्रमुख समस्या

यस गाउँपालिकामा विद्यमान जनशक्ति उत्पादनको अवस्था र भविष्यमा आवश्यक पर्ने विभिन्न क्षेत्रमा जनशक्तिको आकलन गर्ने प्रणाली विकास नभएको देखिन्छ। त्यसैगरी उत्पादित जनशक्ति तथा र श्रम बजारमा मागबिच तालमेल नहुनु, आन्तरिक श्रम बजारमा समेत स्थानीय तहबाट जनशक्ति परिचालन गर्न नसकेर अरु क्षेत्रको भर पर्नु, प्राविधिक शिक्षाको गुणस्तर नभएको कारण सिप विकासमा सिमित व्यक्तिको मात्र सहभागिता हुनु, शिक्षित तथा अशिक्षित दुवै प्रकारका युवा विदेशिनु जस्ता समस्या यथावत रहेको देखिन्छ। सिप, शिक्षा तथा आवश्यकताबीच तालमेल मिलाउन नसकेको कारण, प्राविधिक शिक्षा लिदै गरेका विद्यार्थी पनि बजार मागबारे अविग्य रहनु परेको समस्या देखिन्छ। तसर्थ आर्थिक विकासको मुख्य आधार ठानिएको मानव संसाधनको विकासलाई प्राथमिकरण गर्न नसक्नु प्रमुख समस्या देखिएको छ।

अवसर तथा चुनौती

अवसर

यस गाउँपालिकाको जनसंख्याको उमेरगत संरचना अनुसार अश्रित जनसंख्याको अनुपात कम भएको र आर्थिक क्रियाकलापमा संलग्न जनशक्तिको वृद्धिले श्रमबजारमा बढ्दै गरेको सीपयुक्त जनशक्तिको मागलाई स्थानीय रूपमा सम्बोधन गर्न सकिने अवसर उत्पन्न भएको देखिन्छ। त्यसैगरी आर्थिक विकासका क्रियाकलापहरू बढ्दै गएको र प्राविधिक तथा अन्य सिप प्रदान गर्ने संस्थाहरूको स्थापनाको क्रम बढ्दै गएको कारणले गाउँपालिका भित्र गुणस्तरीय मानव संसाधनको विकास गर्ने र सोको उपयोग गर्ने अवसर रहेको देखिन्छ।

चुनौती

प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा तथा तालिम प्रदान गर्ने संस्थाहरू न्युन रहेका र भएका संस्थाबाट शिक्षित जनशक्तिको गुणस्तरमा पनि विश्वसनीयता कायम गर्न नसक्नुले चुनौती देखिएको छ। त्यसैगरी जीवन

उपयोगिता लक्षित शिक्षाको कमि र अधिकांश युवाहरूलाई दक्ष बनाउन प्रोत्साहन तथा तालिम प्रदान गर्न चुनौतिपूर्ण रहेको द देखिन्छ।

सोच, लक्ष्य र उद्देश्य

सोच

मानव संसाधनको विकासमार्फत आर्थिक विकासमा वृद्धि।

लक्ष्य

यस गाउँपालिकाको मानव संसाधन सम्बन्धि लक्ष्य अर्थतन्त्रमा योगदान दिन सक्ने हिसाबले मानव संसाधनको विकास गर्ने राखिएको छ।

उद्देश्य

यस गाउँपालिकाको मानव संसाधनको निर्धारित दिर्घकालिन लक्ष्य र सोच प्राप्त गर्न उद्देश्य गाउँपालिकाको समग्र विकास गर्न स्थानीय श्रम बजारमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने सक्षम मानव संसाधनको विकास गर्नु लिईएको छ।

रणनीति, कार्यनीति तथा कार्यक्रम

यस गाउँपालिकाको जलवायु परिवर्तन अनुकूलन सम्बन्धि उल्लेखित सोच तथा दिर्घकालिन लक्ष्य प्राप्त गर्ने रणनीति, कार्यनीति तथा कार्यक्रम देहाय अनुसार हुनेछन्।

| रणनीति | कार्यनीति | कार्यक्रम |
|---|--|--|
| १. गाउँपालिकालाई आन्तरिक रूपमा आवश्यक पर्ने दक्ष तथा अर्धदक्ष मानव संसाधनको विकास र उपयोगकोनिम्ति मानव संसाधन योजना तयार गर्ने। | १. गाउँ विकासका लागि आवश्यक जनशक्ति विकास गरि व्यवस्थित उपयोग गर्न निजि क्षेत्र समेतको सहभागितामा एकीकृत मानव संसाधन विकास योजना तयार गर्ने। | १. मानव संसाधन व्यवस्थापन स्थानीय नीति तथा एकीकृत कार्ययोजना तयार। २. |
| ३. वैज्ञानिक, प्राविधिक, व्यावसायिक तथा सिपमुलक तालिममा जोड दिने। | १. उच्च वैज्ञानिक तथा प्राविधिक शिक्षाका अवसरहरू सृजना गरि श्रमबजारमा प्रतिस्पर्धा गर्नसक्ने गुणस्तरीय जनशक्ति तयार गर्ने। २. लक्षित समुहको क्षमता विकासका लालागी छात्रवृत्ति | १. तालिम तथा सिप विकास सम्बन्धि कार्यक्रम संचालन गर्ने। २. अनुभवको आदानप्रदान र असल व्यहोराको प्रयोग गर्ने। |

| | लगायतका सुविधाहरू उपलब्ध गराउने। | |
|--|---|--|
| ३. मानव संसाधनको उपयोग गर्न सरकारी, सामुदायिक तथा निजि क्षेत्रबीच सहकार्य गर्ने। | १. प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा तथा तालिम प्रदान गर्ने निजि संस्थाहरूलाई आफ्नो पूर्वाधार तथा जनशक्ति विकास गर्न प्रोत्साहित गर्ने। २. उत्पादित जनशक्ति र श्रमबजारको मागलाई सन्तुलित बनाउने। | १. मानव संसाधनको उत्पादन र विकाससम्बन्धि कार्यमा संलग्न सरकारी, गैरसरकारी, निजि र शैक्षिक संस्था तथा निकायहरूबीच समन्वय गर्ने। |

परिच्छेद ८. योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन र अनुगमन तथा मूल्याङ्कन

८.१ योजना तर्जुमा

- संघीय सरकार र प्रदेश सरकारले गर्ने योजना जनातामुलक बनाउनलाई स्थानीय सरकार मार्फत बाट जनतालाई सहभागी गराएको छ। त्यसकारण संघ र प्रदेशलाई जनतासंग जोड्न स्थानीयले पहिचान गरेको योजनालाई प्राथमिकता दिईनुपर्ने देखिन्छ।
- स्थानीयले कार्यान्वयन गर्न सक्ने स्थानीयले नै गर्ने
- स्थानीयले गर्न नसक्ने प्रदेशले
- प्रदेशले नसक्ने संघ ले
- कम्तिमा ३ बर्गको लगानी (समानीकरण, समपुरक, ससर्त) मा स्थानीयबाट छनोट भएको कार्यक्रम तथा आयोजनालाई प्राथमिकता दिने
- सह-अस्तित्व/सहकार्य/सम्मन्वय

८.२ आयोजना बैङ्क

सन्तुलित आर्थिक तथा सामाजिक विकासको लागि आवश्यक लगानीका अवसर पहिचान गरी परिचालन गर्न र परिपक्व रूपमा योजना पहिचान तथा छनोटका कार्यहरू गराउन आयोजना बैङ्कको स्थापना हुनु लागेको हो। विकासका तोकिएको लक्ष्यहरू गुणस्तरयुक्त तथा निर्दिष्ट समयभित्र हासिल गर्न आयोजनाहरूको सही पहिचान र छनोट गर्ने प्रणालीको विकास गरि प्राथमिकता आधारमा आयोजना कार्यान्वयन गर्नु र गराउनु आजको आवश्यकता हो। कुनै निश्चित मापदण्ड विना आयोजनाको पहिचान तथा छनोट गर्ने र आवश्यक पूर्व तयारी विनानै कार्यान्वयनमा लैजाने गाउँपालिकाको वर्तमान परिपाटीले अधिकांश आयोजनाहरू समस्याग्रस्त छन्। यसबाट आयोजनाहरू तोकिएको समय र निर्धारित लागतमा सम्पन्न हुन सकेका छैनन्। परिणामस्वरूप हालका बर्षहरूमा सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनमा अनावश्यक तथा अत्यधिक चाप पर्न गएको छ। आयोजना बैङ्क गाउँपालिकासम्म विस्तार भएको अवस्थामा यसले वित्तीय अनुशासन कायम गर्न र लगानी थप अवसर जुटाउन एवं आयोजना कार्यान्वयनमा कुशलता हासिल गर्न महत्वपूर्ण योगदान गर्नेछ।

पालिकाले कार्यान्वयन गर्न आयोजना बैङ्क बाट नै छनोट गरिनु पर्नेछ। त्यसै गरी प्रदेश तथा संघको लगानीद्वारा कार्यान्वयन गरिने आयोजना पनि यसै आयोजनाबाट छनोट हुनु पर्दछ। आयोजना बैङ्कमा नभएका आयोजनाहरूलाई पहिले आयोजनाबैङ्क मा राखेर

निजी क्षेत्र, गैस.स.लाई लगानी गर्ने वातावरण बनाउनलाई आयोजना बैङ्कमा भएका (नभएमा थपेर कार्यान्वयनमा लैजाने).....

आयोजना बैङ्क यसै प्रतिवेदनको अनुसूचीमा पेश गरिएको छ।

८.३ संस्थागत तथा कार्यान्वयन व्यवस्था

आवधिक योजनाले परिकल्पना गरेको लक्ष्य, उद्देश्य र नतिजा हासिल गर्न सम्भव हुन्छ। तसर्थ, पहिचान भएका नतिजाहरू हासिल गर्नलाई तोकिएको कार्यक्रम तथा परियोजनाहरूको सफल कार्यान्वयनका लागि आवश्यक जनशक्ति, भौतिक पूर्वाधार, मेसिनरी उपकरणहरू आदि उपलब्धहुन आवश्यक छ। यसका लागि खास गरि सेवा प्रदायक निकायहरू, स्थानीय तह, जिल्लास्तरीय विषयगत कार्यलयहरू तथा तिनको इलाका वा गाउँपालिका स्तरीय इकाईहरू नागरिक समाज, गैर सरकारी संस्था तथा निजी क्षेत्रको वर्तमान संस्थागत अवस्थाको विश्लेषण गरी सोहि अनुसार क्षमता विकासका कार्यक्रमहरू संचालन गर्न आवश्यक हुन्छ। संस्थागत विकाशका क्षेत्रमा देखिएको कमिकमजोरीहरूलाई समयमा नै सम्बोधन गर्न सकेमा उपलब्धि हासिल गर्न सहज हुनेहुँदा त्यसमा पर्याप्त पहल गर्नुपर्ने हुन्छ। यस सन्धर्भमा केही महत्वपूर्ण पक्षहरू निम्नानुसार उल्लेख गरिएका छन्।

स्थानीय तह

स्थानीय तह मार्फत प्रवाह हुने सेवाहरूलाई प्रभावकारी बनाउन निम्नानुसार गरिने छ।

- स्थानीय तहमा उपलब्ध साधनश्रोतलाई पारदर्शी रूपमा विनियोजन र खर्च व्यवस्था मिलाउने।
- प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत र राजनीतिक दलका प्रतिनिधिहरूका विचमा नियमित छलफल, साझेदारी, र सहकार्य गर्ने वातावरण बनाउने
- राजनीतिक दल, गैसस, पत्रकार र नागरिक समाजका प्रतिनिधिहरूलाई औगमन कार्यमा सहभागी गराउने
- गाउँपालिकाको आन्तरिक श्रोत परिचालनमा जोड दिने
- गाउँपालिकाको आवश्यक जनशक्तिको व्यवस्थापन र परिचालन व्यवस्थित बनाउने
- निर्माण सम्बन्धि कार्यक्रमहरूको विस्तृत डिजाइन गर्ने परिपाटिलाई कार्यान्वयनमा ल्याउने
- गाउँपालिकाको नीति निर्माण, निर्णय गर्नुपर्ने अति महत्वपूर्ण जिम्मेवारीको प्रभावकारी कार्यान्वयन का लागि योजना अधिकृतको अनिवार्य उपस्थितिको लागि पहल गर्ने
- समयमा अक्शितयारी प्राप्तगरी विकास निर्माणका साथै संस्थागत विकासका विभिन्न कार्यक्रमहरू कार्यान्वयन गर्न सबै पक्षबाट पहल गर्ने
- गाउँपालिका संरचना संगठनलाई सुदृढ बनाउन क्षमता विकासका लागि आवश्यक तालिमको व्यवस्था गर्ने
- गाउँपालिकामा तथा वडाकार्यालयहरूमा उपलब्ध नेटवर्क कम्जोर भएका कारण इलेक्ट्रोनिक सेवा प्रवाह कार्य सरल हुन् नसकेको हुँदा इन्टरनेटको सेवा प्रभावकारी बनाउन पहल गर्ने
- सहभागितामुलक वार्षिक योजना प्रक्रियाको अनिवार्य अवलम्बन गर्ने तथा गराउने

विषयगत शाखा

आयोजना कार्यान्वयनमा लक्ष्य अनुरूप प्रगतिको लागि गाउँपालिका र बिषयगत शाखाबीच समन्वय, सूचना व्यवस्थापन र सूचना आदानप्रदान आदिको महत्वपूर्ण भूमिका रहेको हुन्छ। यस सम्बन्धमा निम्नानुसार व्यवस्थापन गरिनेछ।

- गाउँपालिका र बिषयगत शाखाहरू बीच सूचनाको आदानप्रदानमा प्रभावकारिता कायम गर्ने
- गाउँपालिका स्थित बिषयगत शाखाहरूमा दरबन्दी अनुरूप पदपूर्ति गर्न र वर्ष भरि गाउँमा बस्ने वातावरण सिर्जना गर्न पहल कदमी चल्ने
- स्वास्थ्य कार्यलयको ग्रामिण इलाकाहरूमा स्वास्थ्यकर्मीहरूको दरबन्दी अनुसार पदपूर्ति ज्यादै न्यून भएको सोको पूर्तिका लागि पहल गर्ने
- अधिकांस बिषयगत शाखाहरूको विनियोजित बजेट अपर्याप्त रहेको र समयमा बजेट निकासो नहुने वर्तमान प्रवृत्तिको अन्त्य गर्न राजनैतिक नेतृत्वले केन्द्र पहल गर्ने

गैर सरकारी संघ संस्था र निजी क्षेत्र

गाउँपालिकामा कार्यरत गैर सरकारी संघ संस्थाहरूको संख्या उल्लेखनीय छ। डाँगीवारी, राजगढ, चकचकी आसपासको क्षेत्रहरूमा गैर सरकारी संस्थाका कार्यक्षेत्र रहेको छ। गैसस र स्थानीय निकायहरूको बीचमा सहकार्य गर्ने वातावरण सिर्जना गर्न निम्नानुसार गरिनेछ।

- गाउँपालिकाको विकासका लागि गैसस र निजी क्षेत्रको क्षमता विकास गरी स्थानीय निकायहरू बीचमा सहकार्य गर्ने वातावरण सिर्जना गर्न निम्नानुसार गरिनेछ।
- स्थानीय तह, बिषयगत शाखा र गैसस बीचमा आवश्यक समन्वय, सहकार्य गरी कार्यक्रमहरूमा देखिएको दोहोरोपना न्यूनीकरण गर्ने
- गैसस कार्यक्रम तथा बजेटहरू पारदर्शिता गरि सहकार्यको वातावरण निर्माण गर्ने
- कार्यरत गाउँपालिकाका सबै वडा र बस्तीलाई समेट्ने गरी कार्यक्रम/क्रियाकालाप निर्धारण गर्न ध्यान दिने

६.४ तहगत सम्बन्ध तथा अन्तरसरकार समन्वय

नेपालको संविधानले संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्र नेपालको राज्य संरचना संघ, प्रदेश र स्थानीय तह हुने व्यवस्था गरेको छ। संवैधानिक व्यवस्था बमोजिम संघ, प्रदेश र स्थानीय तहले आ-आफ्नो अधिकार प्रयोग गर्दा एक अर्काको साझा चासो, सरोकार र राष्ट्रिय लक्ष्य एवं हितको बिषयलाई समेत ध्यान दिई आफ्ना सामाजिक, आर्थिक एवं संस्कृतिक विकासका प्रयासहरू अघि बढाउनु परेको छ। यी तिन तहको सम्बन्ध सहकारिता, सहअस्तित्व र समन्वयका सिद्धान्तका आधारमा हुने संवैधानिक व्यवस्था छ। तीन तहले संविधान प्रदत्त अधिकारको महत्तम प्रयोग मार्फत विकास र सुशासन प्रतिष्पर्धा तथा आवश्यकता अनुअस सहयोग र सहकार्य गरी अन्तरसरकार समन्वयलाई मजबुत बनाउदै राष्ट्रिय विकासमा योगदान पुर्याउनु आजको आवश्यकता हो।

८.५ जोखिम व्यवस्थापन

योजनाको अपेक्षित लक्ष्य तथा उद्देश्य हासिल गर्न राजनीतिक स्थायित्व, रात्रितिक दलहरू बीच सहकार्य, नीतिगत स्थिरता, लगानीको अनुकूल वातावरण, आर्थिक स्थायित्व, विकास साझेदारको सहयोग, निकायगत कार्यक्षमता र कुशलता, अन्तरक्षेत्रगत अन्तरनिकायगत समन्वय र सहकार्य आवश्यक हुन्छ। त्यस्तै योजना निर्धारण गरे अनुरूप सार्वजनिक, निजी तहत सरकारी एवं गैरसरकारी क्षेत्रबाट सहयोग हुने अपेक्षा गरिएको छ। योजना अवधिमा सम्पन्न हुने प्राथमिकता प्राप्त आयोजना र कार्यक्रमले योजनाको कायान्वयन पक्षलाई निक्कै गर्नछ। तसर्थ योजना तर्जुमा गर्दा लिईएको मान्यता र पूर्वानुमान अनुरूप नियन्त्रणको दायराभित्र रहने अनुमान गरिएको छ।

बाह्य जोखिम

यस अन्तर्गत जिल्ला तथा राष्ट्रियव्यापी स्तरका आर्थिक, राजनीतिक र वातावरणका जोखिम रहेका छन्। छिमेकी गाउँपालिका र अन्य प्रमुख व्यापार, श्रम बजार र लगानी सम्बन्ध भएका गाउँपालिकाले अवलम्बन गर्ने आर्थिक एवं बित्तिय नीति तथा तिनीहरूको आर्थिक स्थिति, बजार तथा उत्पादन अवस्था, बजारमा आउन सक्ने असन्तुलन तथा आर्थिक संकट बाटच गाउँपालिकाको विकासको क्षेत्रमा नकारात्मक प्रभाव पर्न सक्दछ। यसले निर्यात, आयात, कृषि, रोजगारी, पर्यटन आगमनमा असर पर्न सक्दछ। योजनाका समष्टिगत तथा विषय क्षेत्रगत नीति तथा रणनीतिले यी पक्षलाई समग्र रूपमा सम्बोधन गर्दै गाउँपालिकाको आर्थिक स्थितिलाइ सबल गर्ने अनुमान गरिएको छ। साथै जलवायु परिवर्तनबाट वातावरणमा पर्ने नकारात्मक असर, महामारी तथा अन्य विपद लगायतका कारणपनि योजनाले लिएका लक्ष्यहरू प्राप्तमा नकारात्मक असर पर्ने जोखिम रहेका छन्।

आन्तरिक जोखिम

गाउँपालिकाको संस्थागत विकास र कार्यन्वयन क्षमताले विकास योजना, नीति तथा कार्यक्रमको कार्यन्वयनलाई प्रभावित पर्दछ। साथै, योजना अवधिमा तर्जुमाहुने वार्षिक र आवधिक योजनामा उल्लेख भएका लक्ष्य तथा रणनीतिको निरन्तरता दिनुपर्ने हुन्छ। योजनाका लक्ष्यहरू हासिल गर्न सो अनुरूप राजनीतिक नेतृत्व, कर्मचारीतन्त्र र नागरिकको दृष्टिकोण तथा मनोवृत्ति एवं संरचनात्मक व्यवस्थामा परिवर्तन हुनु आवश्यक छ। श्रोत साधनको विनियोजन एवं संचालनमा कुशलता कायम गर्दै कार्य पद्धति र कार्य संस्कृतिमा सुधार गर्न सकेमा जोखिम पक्षको व्यवस्थापन हुन सक्छ। गाउँपालिकालाई आत्मनिर्भर बनाउदै बित्तिय, मानवीय तथा भौतिक साधनको प्रभावकारी परिचालन हुन् नसकेमा उल्लेखित लक्ष्य हासिल नहुने जोखिम रहन्छ।

८.६ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन

प्रभावकारी अनुगमन तथा मुल्यांकन प्रक्रियाबाट यस आवधिक योजनाको प्रभाव, असर, प्रतिफलको नतिजा मापन गरिने छ। यसै गरि प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजनाहरूको प्रक्रिया अनुगमन गरिनेछ। नतिजा मापन

आवश्यकता अनुसार बाह्य बिज्ञबाट हुनेछ। कार्यक्रम तथा आयोजनाहरूको प्रक्रिया अनुगमन गरिनेछ। कार्यक्रम तथा आयोजनाको कार्यन्वयन प्रक्रिया अनुगमन गर्ने जिम्मेवारी गाउँकार्यपालिका र सुपरिवेक्षण तथा अनुगमन समितिको रहनेछ। यस अनुगमन तथा मुल्यांकन समितिको क्षमता विकासको तालिम गरिनु पर्छ। आवधिक योजनाको कार्यक्रम तथा मापन अनुगमन तथा मुल्यांकन सम्बन्धि बिस्तृत प्रक्रिया तथा जिम्मेवारी देहाय अनुसार रहनेछ।

- गाउँ कार्यपालिका तथा विषयगत समिति
- गाउँपालिकास्तरीय अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समिति
- जिल्ला समन्वय समिति
- विषयगत शाखा उपशाखा, परियोजना संघ, संस्था
- नागरिक समज्ज, संघ संस्था तथा तेस्रो पक्ष

आवधिक तथा बार्षिक गाउँ विकास योजनाको अनुगमन तथा मुल्यांकन साधन तथा विधि देहाय अनुसार रहनेछ।

- स्थलगत अनुगमन
- कार्ययोजना (लक्ष्य)र प्रगतिविच तुलना तथा मापन
- नागरिक अनुगमन
- नतिजामा अनुगमन
- नतिजामा आधारित ढांचा अनुसार बार्षिक समिक्षा
- नातिजामुलक ढांचा अनुसार सहभागितामुलक मध्यावधि समिक्षा
- चौमासिक समिक्षा
- नतिजामुलक ढांचा अनुसार सहभागितामुलक अन्तिम समिक्षा (तेस्रो पक्ष बाट)

आवधिक तथा बार्षिक गाउँ विकास योजनाको अनुगमन तथा मुल्यांकनको प्रक्रिया देहाय अनुसार हुनु पर्नेछ।

| के गर्ने? | कसले गर्ने? | कहिले गर्ने? | कसरि गर्ने? |
|-------------------------------|--|---------------------------------|--|
| कार्यक्रम वा प्रक्रिया अनुगमन | गाउँपालिका स्तरीय अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समिति वडा स्तरीय अनुगमन समिति, समुदाय तथा समुदायमा आधारित संस्थाहरु | पटके, मासिक, चौमासिक, र बार्षिक | स्थलगत अनुगमन चौमासिक कार्ययोजनाको लक्ष्य र प्रगति विवरणको तुलना |

| | | | |
|---------------------|---|---|--|
| प्रतिफल मुल्यांकन | गाउँकार्यपालिका, अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समिति | चौमासिक, अर्ध वार्षिक, वार्षिक र मध्यावधि | स्थलगत अनुगमनवार्षिक कार्ययोजनाको लक्ष्य ट प्रगति विवरणको तुलना नतिजामुलक अनुगमन खाका अनुसार नतिजा मापन |
| असर तह मुल्यांकन | गाउँकार्यपालिका, अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समिति र तेस्रो पक्ष | वार्षिक मध्यावधि र अन्तिम वर्ष | सहभागितामुलक छलफल नतिजामुलक अनुगमन खाका अनुसार नतिजा मापन नमुना सर्वेक्षण वस्तुगत विअरण अध्ययन |
| प्रभाव तह मुल्यांकन | गाउँ कार्यपालिका, अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समिति, र तेस्रो पक्ष | मध्यावधि र अन्तिम वर्ष | सहभागितामुलक छलफल नतिजामुलक अनुगमन खाका अनुसार नतिजा मापन नमुना सर्वेक्षण वस्तुगत विअरण अध्ययन प्रगति प्रतिवेदन अध्ययन |

८.७ वार्षिक समिक्षा

वार्षिक समिक्षालाई आवधिक योजनालाई आधार मानेर वार्षिक योजनाहरूको वार्षिक समिक्षा गर्ने र त्यसको प्रतिवेदन प्रदेश र संघलाई पठाउने कार्यले तिन तहको Cohesion राम्रो हुने देखिन्छ।

परिच्छेद ९. नतिजा खाका

९.१ पृष्ठभूमि

आवधिक योजनाले परिकल्पना गरेको सौँच, लक्ष्य र उदेश्यहरू कसरी प्राप्त गर्न सकिन्छ भन्ने तथ्यलाई तर्कसंगत ढंगबाट नतिजा खाकामा प्रस्तुत गरिएको छ। नेपालको विगतको अनुभव र राष्ट्रिय योजना आयोगले अभ्यासमा ल्याएको नतिजा खाकाको ढाँचालाई नै आधार मानी यस आवधिक योजनाको नतिजा खाका तर्जुमा गरिएको छ। गाँउपालिकालाई बार्षिक र क्षेत्रगत गुरु योजनाहरू तर्जुमा गर्न, संचालित परियोजनाहरूको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्न र स्वयं आवधिक योजनाको मध्यावधि समिक्षा र मध्यकालिन खर्च संरचना तयार गर्न समेत यसले मद्दत गर्दछ।

यो आवधिक योजनामा विषयगत नतिजा खाकालाई अनुसूची ५ को तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छः

अनुसूची १-

बडा स्तरीय योजना तर्जुमा उपस्थिति

आज मिति २०७३।०३। गतेको दिन तिसंखु पाखर
गाउँपालिकाको वडा नं. १५ का वडाध्यक्ष श्री
पसाड लाला तामाङ, ज्यूको अध्यक्षतामा आन्धिक थाङमा
निर्माणका लागि वडास्तरीय भेला गरि परामर्शकार्य
तपश्चिन वसाविसको उपस्थितिमा स्थानीय वरिष्ठ
सम्पन्न गरियो ।

तपश्चिन :

| नाम | पदासंस्था | हस्ताक्षर |
|--------------------------------|---|-----------|
| १. पसाड लाला तामाङ | वडाध्यक्ष | |
| २. रिपेड धिखिड | वडा सदस्य | |
| ३. सुय काफ्लु का | गाउँपालिका सदस्य | |
| ४. विमोद लाल धिखिड तामा | वडा सदस्य | |
| ५. रिपेड योञ्जन | पूर्व प्रतिनिधि | |
| ६. मौनिका तामा | वडा सदस्य | |
| ७. सायाङ लामा | वडा सदस्य | |
| ८. सुभाष मोक्तान तामाङ | गाउँपालिका सदस्य | |
| ९. अजु गजुर | कलित गाउँपालिका सदस्य | |
| १०. सुभाष राया मोक्तान लामा का | श्री धर्मोदय गाउँपालिका सं. प्र. (अ.) वडा परिचालिका | |
| ११. विन कडाहर कमाई | कलित प्रतिनिधि - | |

आज मिति २०७८/०२/०६ गतेको दिन लिसें -
 पाखर गाउँपालिकाको वडा नुमाका वडा
 अध्यक्ष श्री विजय योजना व्यक्त अध्यक्षतामा
 आवधिक योजना निर्माणका लागि वडा स्तरीय
 भूमा गरी परामर्श कार्य तपशिल बैठकको
 उपशितमा सर्वपक्षीय बैठक सम्पन्न गरियो ।

तपशिल

| नाम | संख्या/पद | सहायक |
|--------------------|---------------|-------|
| १) विजय योजना | वडा अध्यक्ष | |
| २) पेमा गणेश लामा | जि.का.स | |
| ३) जीरे लामा | स.स. | |
| ४) पुन्ये नेपाली | जि.का.स | |
| ५) सुनिता नेपाली | स.स. | |
| ६) प्रेम कुमार रिज | वडा सचिव | |
| ७) शेखन लामा | जि.का.स | |
| ८) सुनिल योजना | स.स. | |
| ९) मादिश कपाली | वडा प्राविधिक | |
| १०) शशीमाया तमाङ | परिचालिका | |

मास मिति २०७९/०३/०७ गतेको दिन लिखतु पाखर
गाउँपालिकाको वडा नं. ३ का वडाध्यक्ष मान बहादुर तमाड
उपको अध्यक्षतामा आवधिक योजना निर्माणका लागि
वडा स्तरीय बैठक गरी परामर्श कार्य तपशिल समितिमाको
उपस्थितिमा सर्वपक्षीय बैठक सम्पन्न गरियो।

तपशिल :

| नाम | पद/संस्था | हस्ताक्षर |
|----------------------|---------------------------------|-------------------|
| १) मान बहादुर तमाड | वडाध्यक्ष | मान बहादुर तमाड |
| २) सञ्जिव श्रेष्ठ | वडा सदस्य | सञ्जिव श्रेष्ठ |
| ३) धन कुमारी विक | वडा सदस्य | धन कुमारी |
| ४) काजी बहादुर तामाङ | पूर्व वडा अध्यक्ष | काजी बहादुर तामाङ |
| ५) शकुलाल तामा | जनता प्रतिनिधि | शकुलाल तामा |
| ६) ज्ञान ब तामा | कृषि प्रतिनिधि | ज्ञान ब तामा |
| ७) अभिराज तामाङ | शिक्षक | अभिराज तामाङ |
| ८) रमेश कुमार केसी | कृषक | रमेश कुमार केसी |
| ९) हरि चन्द्र विक | जनता | हरि चन्द्र विक |
| १०) राय बहादुर खत्री | पूर्वका प्रचारक/व्याय जा. विभाग | राय बहादुर खत्री |

आज मिति २०७१/०३/०५ गतेको दिन निम्नो पत्र
गाउँपालिका वडा नं ४ का वडाध्यक्षमा श्री
मन्मथ शायकको अध्यक्षतामा आन्विक योजना
निर्माणका लागि वडा स्तरीय मेलन गरि पश्चात
कार्य तपडिल समितिमा उपस्थितमा सर्वपक्षीय
बैठक सम्पन्न गरियो

तपडिल :

| क्र.सं. | नाम | पदा संस्था | हस्ताक्षर |
|---------|------------------------|---------------------------|------------|
| १) | मन्मथ शायक | वडाध्यक्ष | |
| २) | तिलक शायक | पश्चात | तिलक |
| ३) | तिलक श्रेष्ठ | पश्चात | |
| ४) | रम बहादुर श्रेष्ठ | शिष्यक | रम बहादुर |
| ५) | रविन श्रेष्ठ | डाइरेक्टर | |
| ६) | बिबेकबहादुर श्रेष्ठ | जनता प्रतिनिधि | बिबेक |
| ७) | मानबहादुर श्रेष्ठ | जनता प्रतिनिधि | मान |
| ८) | मानकुमार श्रेष्ठ | महिला प्रतिनिधि | मान |
| ९) | शुभमाया श्रेष्ठ | महिला प्रतिनिधि | शुभमाया |
| १०) | कैलाश श्रेष्ठ | कुषक | |
| ११) | निख पाण्डे श्रेष्ठ | कुषक | |
| १२) | साधना श्रेष्ठ | लि.वा.जा.क. कृषि परिवारिक | |
| १३) | हरि बहादुर श्रेष्ठ | कुषक | हरि-३ |
| १४) | डा. बहादुर श्रेष्ठ | // | डा. बहादुर |
| १५) | श्रीमती बहादुर श्रेष्ठ | कुषक | श्रीमती |
| १६) | नोक कोठ श्रेष्ठ | कुषक | नोक |
| १७) | कान्छा लामा | वडा अध्यक्ष | |

आज मिति २०७५/०३/०४ गतेको दिन निरंशु पाश्चर
 गौंडपालिक वडा नं ५ का वडाध्यक्ष श्री तिलक बहादुर
 श्रेष्ठ ज्यूको अध्यक्षतामा आवधिक खासना निर्माण
 लाडी वडा स्तरीय मेलना गरि परामर्श कार्य तपडिल
 समोजिमको उपस्थितिमा सर्वपक्षिय बैठक सम्पन्न गरियो।

तपडिल :

| नाम | पदा/संस्था | हस्ताक्षर |
|------------------------|------------------------|-----------|
| १. तिलक बहादुर श्रेष्ठ | वडाध्यक्ष | तिलक |
| २. जिगा डल्लो | वडा सदस्य महिला संस्था | जिगा |
| ३. सुमिता सुनार | वडा सदस्य महिला संस्था | सुमिता |
| ४. मनजब मेस | वडा सदस्य | मनजब |
| ५. मनजब मेस | वडा सदस्य | मनजब |
| ६. जंगल वडा अध्यक्ष | प्रतिनिधि | जंगल |
| ७. गणेश श्रेष्ठ | प्रतिनिधि | गणेश |
| ८. गणेश श्रेष्ठ | | गणेश |
| ९. रामेश्वर श्रेष्ठ | स्वास्थ्य संस्था | रामेश्वर |
| १०. रामेश्वर श्रेष्ठ | स्वास्थ्य संस्था | रामेश्वर |
| ११. रामेश्वर श्रेष्ठ | स्वास्थ्य संस्था | रामेश्वर |
| १२. रामेश्वर श्रेष्ठ | स्वास्थ्य संस्था | रामेश्वर |
| १३. रामेश्वर श्रेष्ठ | स्वास्थ्य संस्था | रामेश्वर |
| १४. रामेश्वर श्रेष्ठ | स्वास्थ्य संस्था | रामेश्वर |
| १५. रामेश्वर श्रेष्ठ | स्वास्थ्य संस्था | रामेश्वर |
| १६. रामेश्वर श्रेष्ठ | स्वास्थ्य संस्था | रामेश्वर |
| १७. रामेश्वर श्रेष्ठ | स्वास्थ्य संस्था | रामेश्वर |
| १८. रामेश्वर श्रेष्ठ | स्वास्थ्य संस्था | रामेश्वर |
| १९. रामेश्वर श्रेष्ठ | स्वास्थ्य संस्था | रामेश्वर |
| २०. रामेश्वर श्रेष्ठ | स्वास्थ्य संस्था | रामेश्वर |
| २१. रामेश्वर श्रेष्ठ | स्वास्थ्य संस्था | रामेश्वर |

आज मिति २०७६/०३/०८ गतेको दिन निरंखु पाखर
 गाउँपालिका वडा नं ०६ का वडा अध्यक्ष श्री दान
 बहादुर तामाङ्ग ज्यूको अध्यक्षतामा आवधिक
 योजना निर्माणका लागि वडा स्तरीय मला
 गरि परामर्श कार्य तपशिल समितिमा
 उपस्थितिमा सर्वपक्षीय बैठक सम्पन्न गरियो ।

तपशिल :

| नाम | पद/संस्था | संस्था/क्षेत्र |
|-----------------------------|--------------------------|----------------|
| १) दान बहादुर तामाङ्ग | वडा अध्यक्ष | वि.सं.सं. |
| २) खानु सापकोटा | वडा सदस्य (महिला) | गाउँ |
| ३) मणिलाल पाण्डे | स्वास्थ्य अनुमो | सकल |
| ४) जीवन गुरुङ | वडा सदस्य | देवान |
| ५) रिमल बहादुर बस्नेत | प.अ. श्री देवी मा. वि. | सकल |
| ६) रमेश खड्का | शिक्षक श्री देवी मा. वि. | सकल |
| ७) पावेली ज्योत्सना नेपाल | गा.स (वडा कार्यलय) | गाउँ |
| ८) सुलभा थापा मोकल | गा.स (वडा कार्यलय) | सकल |
| ९) चन्द्रवती नेपाली मुक्तार | वडा सदस्य | सकल |
| १०) पद्मदेवी गण्डारी | (वडा सदस्य) | सकल |
| ११) राज कुमार गण्डारी | स्थानिय | सकल |

अनुसूची २ :दिगो विकास लक्ष्य २०३०

नेपालका हरेक तहका सरकारहरुले दिगो विकास लक्ष्य केन्द्रित योजनहरु तर्जुमा गर्नु पर्ने पारवधान अनुरूप यस वृत्तेश्वर गाउँपालिकाले पनि आफ्ना योजनाहरुलाई दिगो विकास लक्ष्यहरु सँग आन्तरिकिकरणमा विशेष जोड दिने छ ।

दिगो विकास लक्ष्यहरु यस प्रकार छन्

दिगो विकासका लक्ष्य १: हरेक क्षेत्रमा रहेका सबै स्वरुपहरुको गरिबीको अन्त्य गर्ने । यस गाउँपालिकाका निम्न योजनाहरुबाट लक्ष्य १ को संबोधन हुनेछ ।

दिगो विकासका लक्ष्य २: भोकमरी अन्त्य गर्ने, खाद्य सुरक्षा र पोषण प्राप्त गर्ने र दिगो कृषि प्रवर्द्धन गर्ने ।

दिगो विकासका लक्ष्य ३: सबै उमेर समूहका ब्यक्तिका लागि स्वस्थ जीवनको सुनिश्चितता गर्दै समृद्ध जीवनस्तर प्रदान गर्ने ।

दिगो विकासका लक्ष्य ४: समावेशी तथा समतामूलक गुणस्तरीय शिक्षा सुनिश्चित गर्ने र सबैका लागि आजीवन सिकाईका अवसर प्रवर्द्धन गर्ने ।

दिगो विकासका लक्ष्य ५: लैङ्गिक समानता हासिल गर्ने तथा महिला, किशोरी तथा बालबालिकाहरुलाई सशक्त बनाउने ।

दिगो विकासका लक्ष्य ६: सबैका लागि सुरक्षित पानी तथा सरसफाईको उपलब्धताका साथै यसको दिगो व्यवस्थापन सुनिश्चित गर्ने ।

दिगो विकासका लक्ष्य ७: ब्यहोर्न सकिने, भरपर्दो, दिगो र आधुनिक उर्जामा सबैको पहुँच सुनिश्चित गर्ने ।

दिगो विकासका लक्ष्य ८: सबैका लागि स्थिर, समावेशी तथा दिगो आर्थिक वृद्धि, पूर्ण तथा उत्पादनशील रोजगारी र मर्यादित कामलाई प्रवर्द्धन गर्ने ।

दिगो विकासका लक्ष्य ९: उत्थानशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी तथा दिगो औद्योगिकरणको प्रवर्द्धन र नवप्रवर्तनलाई प्रेरित गर्ने ।

दिगो विकासका लक्ष्य १०: देश भित्र तथा देशहरुबीचको असमानता हटाउने ।

दिगो विकासका लक्ष्य ११: शहरहरू एवं मानव बस्तीहरूलाई समावेशी, सुरक्षित, उत्थानशील र दिगो बनाउने।

दिगो विकासका लक्ष्य १२: दिगो उपभोग तथा उत्पादन प्रणाली-ढाचाहरू सुनिश्चित गर्ने।

दिगो विकासका लक्ष्य १३: जलवायु परिवर्तन तथा यसका प्रभावसँग जुध्न तत्काल कार्य अघि बढाउने।

दिगो विकासका लक्ष्य १५: भूसतही, भूपरिधिस्तरीय, पारिस्थितिकीय प्रणालिको दिगो उपयोग, रक्षा र पुनरुत्थापना गर्ने, वनको दिगोरूपमा व्यवस्थापन गर्ने, मरुमूमिकरण बिरुद्ध लड्ने र जमीनको क्षयिकरण रोक्नुका साथै यसलाई उल्ट्याउने तथा जैविक विविधताको क्षयातिलाई रोक्ने।

दिगो विकासका लक्ष्य १६: दिगो विकासका निम्ति शान्तिपूर्ण र समावेशी समाजको प्रवर्द्धन गर्ने, न्यायमा सबैको पहुँच प्रदान गर्ने र सबै तहमा प्रभावकारी, जवाफदेही र समावेशी संस्था निर्माण गर्ने।

दिगो विकासका लक्ष्य १७: दिगो विकासका लागि कार्यान्वयनका साधनलाई सुदृढ गर्ने र अन्तराष्ट्रिय साझेदारीलाई पुनः जीवन्त तुल्याने।

माथि भनिए अनुसार दिगो विकास लक्ष्यका कुन लक्ष्यहरूको अन्तर सम्बन्ध कुन योजना तथा आयोजना सँग छ भनि प्रत्येक नतिजा तथा सो सँग सम्बन्धित योजना गतिविधि सँग उल्लेख गरिएको छ।

अनुसूची ३: सन्धर्भ सामग्रीहरु

- स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन २०७८, राष्ट्रिय योजना आयोग
- १५ औं राष्ट्रिय आधिक योजना खाका २०७५, राष्ट्रिय योजना आयोग
- पूर्व योजना तर्जुमा गोष्ठी पालिकका जिम्मेवार व्यक्तिहरु सँग छलफल बाट प्रस सूचना
- ५ वर्षका लागि वडास्तरबाट तयार भएका योजना खाका
- नेपालको संविधान
- स्थानीय सरकार संचालन ऐन २०७४
- अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन २०७४
- राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग ऐन २०७४
- विभिन्न नीतिहरु (भू उपयोग नीति २०७२, विकास सहायता नीति, कृषि, सिँचाई, वन तथा वातावरण सम्बन्धि नीतिहरु)
- सहभागी पार्टीहरुका घोषणा पत्रहरु

अनुसूची ४ आयोजना बैंक

अनुसूची: कार्यक्रम तथा योजना

| क्षेत्र | उपक्षेत्र | कार्यन्वयन हुने स्थान, वडा/गापा | योजना/कार्यक्रमको नाम | लागत अनुमान (रु.) हजारमा | राष्ट्रिय लक्ष्य | प्रदेशिक विकासको चालक | दिगो विकासको लक्ष्य | स्थानीय लक्ष्य |
|--------------|----------------------------|---------------------------------|---|--------------------------|------------------|-----------------------|---------------------|----------------|
| आर्थिक विकास | उद्योग तथा बजार व्यवस्थापन | १ | आलुको चिप्स र मसौरा प्रसोधन गर्ने | २००० | ३ | घ | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | उद्योग तथा बजार व्यवस्थापन | १ | कृषि उत्पादन लक्षित हाट बजार निर्माण गर्ने | १००० | ३ | घ | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | उद्योग तथा बजार व्यवस्थापन | १ | थन्का संकलन तथा बजारीकरण उद्योग स्थापना गर्ने | १००० | ३ | घ | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | उद्योग तथा बजार व्यवस्थापन | १ | पानी धारा बाट उत्पादित विभिन्न अन्न पिसानी र बजारीकरण गर्ने केन्द्र स्थापना गर्ने | १००० | ३ | घ | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | उद्योग तथा बजार व्यवस्थापन | १ | फलफुलको जुस बनाई बजारीकरण गर्न सहजीकरण | १००० | ३ | घ | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | उद्योग तथा बजार व्यवस्थापन | १ | सामुहिक स्थानीय गुन्द्रुक प्रसोधन केन्द्र निर्माण | १५००० | ३ | घ | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | कृषि | १ | पोल्टरी फर्महरुलाई अनुदान र सहयोग दिने | १०००० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | १ | कृषि संकल केन्द्र निर्माण गर्ने | ३००० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | १ | चिस्यान केन्द्र निर्माण गर्ने | ५००० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | १ | रासायनिक मलको उपलब्धता गराउने र प्राङ्गारिक मल सम्बन्धि तालिम दिने | ७५० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | खनिज | १ | ठूलो धादिगमा स्लेट स्टोन र चुन ढुंगा उत्खनन् गर्न अध्ययन गर्ने | १००००० | ३ | च | ३ | ४ |
| आर्थिक विकास | पर्यटन | १ | केबुल कार (दासे - ना मुहान) (४ कि.मि) | १०००००० | ४ | ड | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | पर्यटन | १ | दासे - कल्लावारी , तिखगखु - ठूलो धादिड), कल्लेर - होचाड (३०० मि.) गरि ३ स्थानमा बन्जी जम्प सम्भावना अध्ययन | १००० | ४ | ड | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | पर्यटन | १ | पारागलाइडिड सम्भाव्यता अध्ययन | ५०० | ४ | ड | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | पर्यटन | १ | ठूलो धादिड भित्र आन्तरिक ट्रेक रुट निर्माण | २००० | ४ | ड | ८ | २ |

अनुसूची: कार्यक्रम तथा योजना

| क्षेत्र | उपक्षेत्र | कार्यन्वयन हुने स्थान, वडा/गापा | योजना/कार्यक्रमको नाम | लागत अनुमान (रु.) हजारमा | राष्ट्रिय लक्ष्य | प्रादेशिक विकासको चालक | दिगो विकासको लक्ष्य | स्थानीय लक्ष्य |
|------------------------|-------------------------|---------------------------------|--|--------------------------|------------------|------------------------|---------------------|----------------|
| आर्थिक विकास | बैंक तथा वित्तीय संस्था | १ | लघुवित्त स्थापना गर्ने | १००० | ५ | ग | ४ | ३ |
| आर्थिक विकास | सिंचाई | १ | ठाडो खोलाबाट सिंचाई योजना निर्माण गर्ने | १५००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | उर्जा | १ | ठाडो खोला वा फेदा खोला लघु जलविद्युत आयोजना निर्माण | १०००००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | उर्जा | १ | स्कूल, हेल्थ पोस्ट, बस्तीको चोकहरुमा सोलार बती जडान गर्ने | १०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | भवन | १ | सामुदायिक भवन, साविक - ४ र साविक - ७ (दलित बस्ति) | ५००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | १ | जर्देव - अम्बल डाँडा स्तरोन्नति | १०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | १ | निलजेल - दासे मार्ग स्तरोन्नति | १०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | १ | बुलबुले - ठुलो धादिङ देखि धासे सडक स्तरोन्नति | २५००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | १ | सार्वजनिक यातायात थप गरि व्यवस्थित संचालन गर्ने | ५००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | सुचना र संचार | १ | NTC टावर निर्माण गर्ने | १०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | सुचना र संचार | १ | फाइबर नेट विस्तार गर्ने | २०००० | ३ | च | ४ | ३ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | सिमाद व्यवस्थापन | १ | दासे - घट्टे खोला पहिरो पहिरो नियन्त्रण गर्ने | ५००० | ३ | क | ११ | ६ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | सिमाद व्यवस्थापन | १ | साविक ७, घट्टा खोला रसुङ्गापाङ्गमा पहिरो नियन्त्रण गर्ने | ५००० | ३ | क | ११ | ६ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | सिमाद व्यवस्थापन | १ | साविक ४, जमसिंग जाने बाटो, मकुन पहिरो नियन्त्रण गर्ने | ५००० | ३ | क | ११ | ६ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | सिमाद व्यवस्थापन | १ | साविक ६, ४ र २ गरि ठुलो धादिगमा हुने गरेको जग्गा भासिने रोकथाम गर्ने | ५००० | ३ | क | ११ | ६ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | सिमाद व्यवस्थापन | १ | साविक ६, वदी खोलामा हुने चट्यांग जोखिम न्यूनीकरण गर्ने | ५००० | ३ | क | ११ | ६ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | सिमाद व्यवस्थापन | १ | साविक ७ को भस्मे पहिरो नियन्त्रण गर्ने | ५००० | ३ | क | ११ | ६ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | सिमाद व्यवस्थापन | १ | साविक ७ पाङ्चेत, च्यालिक पहिरो नियन्त्रण गर्ने | ५००० | ३ | क | ११ | ६ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | १ | साविक ७ को टाडी गुम्बा पुननिर्माण गर्ने | ५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | १ | खानि साविक वडा ६ गुम्बा पुननिर्माण गर्ने | ५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | १ | संस्कृतिको विषयमा अभिमुखिकरण कार्यक्रम गर्ने | ५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | १ | साविक वडा ५ को टासी - थोन्तलि गुम्बा पुननिर्माण गर्ने | ५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | १ | साविक - ७ मा र तल्लो भेग (दासे) चर्च निर्माण गर्ने | ५०० | ३ | च | ८ | ४ |

अनुसूची: कार्यक्रम तथा योजना

| क्षेत्र | उपक्षेत्र | कार्यन्वयन हुने स्थान, वडा/गापा | योजना/कार्यक्रमको नाम | लागत अनुमान (रु.) हजारमा | राष्ट्रिय लक्ष्य | प्रादेशिक विकासको चालक | दिगो विकासको लक्ष्य | स्थानीय लक्ष्य |
|---------------|----------------------------|---------------------------------|--|--------------------------|------------------|------------------------|---------------------|----------------|
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | १ | साविक ६को सडगिने गुम्बा पुननिर्माण गर्ने | ५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | १ | साविक ९ को ब्यासा गुम्बा पुननिर्माण गर्ने | ५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | खानेपानी तथा सरसफाई | १ | खानि धादिङ्ग खानेपानी स्तरोन्नति | ५०० | ३ | क | ६ | ३ |
| सामाजिक विकास | खानेपानी तथा सरसफाई | १ | दुदुले मुहान, साविक ४ र कर्किङ्ग खोला, खाली धादिङ्ग श्रोतबाट खानेपानी आयोजना निर्माण गर्ने | ४००० | ३ | क | ६ | ३ |
| सामाजिक विकास | खानेपानी तथा सरसफाई | १ | बघी - दासी (स्किम ३) खानेपानी योजना पूर्णता | १००० | ३ | क | ६ | ३ |
| सामाजिक विकास | खानेपानी तथा सरसफाई | १ | माकु दोङ्ग गुम्बा, गुम्बा टोल खानेपानी आयोजना निर्माण | २००० | ३ | क | ६ | ३ |
| सामाजिक विकास | खानेपानी तथा सरसफाई | १ | लर्खर खोला - धुरटोल - वडा कार्यालय खानेपानी योजना स्तरोन्नति | १५०० | ३ | क | ६ | ३ |
| सामाजिक विकास | खानेपानी तथा सरसफाई | १ | साविक - ७, दमे टोल, गौरी धाराको ड्रेनेज व्यवस्थित गर्ने | २००० | ३ | क | ६ | ३ |
| सामाजिक विकास | युवा तथा खेलकुद | १ | १ फुटसल निर्माण र घोरिसि टाडि, ब्यासा, खानी, जर्देवीमा १-१ खेल मैदान निर्माण गर्ने | १०००० | ३ | च | ९ | ४ |
| सामाजिक विकास | युवा तथा खेलकुद | १ | युवा लक्षित जनचेतनात्मक तथा सिपमुलक कार्यक्रम | २५००० | ३ | च | ९ | ४ |
| सामाजिक विकास | शिक्षा | १ | प्रयोगात्मक शिक्षा प्रदान गर्ने | १५०० | ३ | च | ४ | ३ |
| सामाजिक विकास | शिक्षा | १ | विद्यालय जाने सडक स्तरोन्नति गर्ने | ५००० | ३ | च | ४ | ३ |
| सामाजिक विकास | शिक्षा | १ | विद्यालयहरूमा ईन्टरनेट व्यवस्थापन गर्ने | १००० | ३ | च | ४ | ३ |
| सामाजिक विकास | शिक्षा | १ | विद्यालयहरूमा पानीको फिल्टर उपलब्ध गराउने | १००० | ३ | च | ४ | ३ |
| सामाजिक विकास | शिक्षा | १ | विद्यालयहरूमा विषयगत शिक्षकको दरबन्दी विस्तार गर्ने | १००० | ३ | च | ४ | ३ |
| सामाजिक विकास | शिक्षा | १ | विद्यालयाहरूमा सीसीटीभी क्यामेराको व्यवस्था गर्ने | १००० | ३ | च | ४ | ३ |
| सामाजिक विकास | स्वास्थ्य | १ | टाडिमा (५ सैया को) सब-हेल्थ पोस्ट निर्माण गर्ने | १०००० | ३ | च | ३ | ३ |
| सामाजिक विकास | स्वास्थ्य | १ | निर्माणाधीन हेल्थ पोस्टमा बर्थिङ सेन्टर थप गर्ने | २५००० | ३ | च | ३ | ३ |
| सामाजिक विकास | स्वास्थ्य | १ | स्वास्थ्य चौकिमा स्वास्थ्य कर्मचारीको दरबन्दी विस्तार गर्ने | १५०० | ३ | च | ३ | ३ |
| आर्थिक विकास | उद्योग तथा बजार व्यवस्थापन | २ | वाइन या जाम उद्योग तथा बजारीकरण उद्योग स्थापना गर्ने | १०००० | ३ | घ | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | कृषि | २ | कोल्ड स्टोर निर्माण गर्ने | ५००० | ३ | ख | २ | १ |

अनुसूची: कार्यक्रम तथा योजना

| क्षेत्र | उपक्षेत्र | कार्यन्वयन हुने स्थान, वडा/गापा | योजना/कार्यक्रमको नाम | लागत अनुमान (रु.) हजारमा | राष्ट्रिय लक्ष्य | प्रादेशिक विकासको चालक | दिगो विकासको लक्ष्य | स्थनीय लक्ष्य |
|-----------------|-------------------------|---------------------------------|--|--------------------------|------------------|------------------------|---------------------|---------------|
| आर्थिक विकास | कृषि | २ | टेन्टिड ल्याव निर्माण गर्ने | १५०० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | २ | पशुपालन व्यवस्थित गर्नुपर्ने | ५०० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | २ | रसायन मलको उचित व्यवस्था गर्ने | ५०० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | २ | कृषि ल्यावको स्थापना | ३००० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | पर्यटन | २ | पार्क निर्माण गर्ने | २५०० | ४ | डु | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | बैंक तथा वित्तीय संस्था | २ | बैंकहरुको उचित व्यवस्थापन तथा अनुगमन गर्ने | - | ५ | ग | ४ | ३ |
| आर्थिक विकास | सिचाई | २ | सिचाईको निमित्त लिफ्टिङको व्यवस्था गर्नुपर्ने | २००० | ३ | ख | २ | १ |
| पूर्वाधार विकास | उर्जा | २ | लघु जल विद्युत निर्माण गर्ने | १००००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | पर्यटन | २ | केबुल कार निर्माण गर्ने (सैलुङ्ग देखि लिशांखुपाखर सम्म) | १०००००० | ४ | डु | ८ | २ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | २ | पुल (कल्भट) निर्माण गर्ने | ५००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | २ | कंकलिंग बजार देखि पाचाङ्ग हुँदै च्याजी खेत | १५००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | २ | यातायातको उचित व्यवस्थापन गर्ने | ५००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | २ | सडक निर्माण गर्ने (हेल्थ पोस्टदेखि कंकलिंग बजार) | १०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | २ | सडक स्तरोन्नति गर्ने (दोभान, कंकलिंग डाँडा, निगले, नगर गाउँ हुँदै वाफल (वडा ३ जोड्ने)) | ३०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | सुचना र संचार | २ | टावर निर्माण र उचित इन्टरनेटको व्यवस्था गर्ने | १०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | २ | आवश्यक मूर्ति निर्माण गर्ने | ५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | २ | संरचना पुनः निर्माण गर्ने | ५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | खानेपानी तथा सरसफाई | २ | खानेपानीको उचित व्यवस्था गर्ने | ५०० | ३ | क | ६ | ३ |
| सामाजिक विकास | महिला विकास | २ | महिला सशक्तिकरण र सिपमुलक प्रशिक्षण कार्यक्रम | ३००० | ३ | च | ५ | ४ |
| सामाजिक विकास | महिला विकास | २ | महिलाको स्वास्थ्यको बारेमा जागरण कार्यक्रम गर्ने | १५०० | ३ | च | ५ | ४ |
| सामाजिक विकास | युवा तथा खेलकुद | २ | पाखेवा फुटबल मैदानको स्तरोन्नति गर्ने | १००० | ३ | च | ९ | ४ |

अनुसूची: कार्यक्रम तथा योजना

| क्षेत्र | उपक्षेत्र | कार्यन्वयन हुने स्थान, वडा/गापा | योजना/कार्यक्रमको नाम | लागत अनुमान (रु.) हजारमा | राष्ट्रिय लक्ष्य | प्रादेशिक विकासको चालक | दिगो विकासको लक्ष्य | स्थानीय लक्ष्य |
|-----------------|----------------------------|---------------------------------|--|--------------------------|------------------|------------------------|---------------------|----------------|
| सामाजिक विकास | शिक्षा | २ | मनो सामाजिक परमर्शा गर्न पर्ने । | १००० | ३ | च | ४ | ३ |
| सामाजिक विकास | शिक्षा | २ | शिक्षकहरुलाई प्रशिक्षण गराउने | ५०० | ३ | च | ४ | ३ |
| सामाजिक विकास | स्वास्थ्य | २ | एम्बुलेन्स, सव वाहन र महत्वपूर्ण सुई लगायत उपकरणको उचित व्यवस्था गर्ने | २०००० | ३ | च | ३ | ३ |
| सामाजिक विकास | स्वास्थ्य | २ | स्वास्थ्य भवनको स्तरोन्नति गर्ने | १००० | ३ | च | ३ | ३ |
| आर्थिक विकास | उद्योग तथा बजार व्यवस्थापन | ३ | आरु बखडाको जुस र जामको लघु उद्योग निर्माण गर्ने | २००० | ३ | घ | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ३ | २ वटा कोल्ड स्टोर (चिप्ले वाग खोर र होल्गा) निर्माण गर्ने | १०००० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ३ | चिया खेतीको व्यवस्था गर्ने | १००० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ३ | दुधको डेरी निर्माण गर्ने | २००० | १० | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ३ | बाखा पालनलाई प्रशिक्षण र सहूलियत प्रदान गर्ने | ७५० | १० | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ३ | लम्बु ताल निर्माण गर्ने | २०००० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ३ | वार्जन खोला माछा पालन निर्माण गर्ने | ५०० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ३ | साडमे खोला माछा पालन निर्माण गर्ने | ५०० | ४ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | सहकारी | ३ | सहकारीको व्यवस्था गर्ने | ५००० | ३ | | | |
| आर्थिक विकास | सिचाई | ३ | ३.५ सिचाईको उचित व्यवस्था गर्ने | १५०० | १० | क | ९ | ४ |
| आर्थिक विकास | सिचाई | ३ | तिन चोक खोला घिचेत सिचाई निर्माण गर्ने | ३००० | ३ | क | ९ | ४ |
| आर्थिक विकास | सिचाई | ३ | बाफल बेसिन सिचाई (टुपलु खोला) निर्माण गर्ने | २००० | ३ | क | ९ | ४ |
| पूर्वाधार विकास | पर्यटन | ३ | जोर भिर भिउ टावर संरक्षण गर्ने | ५००० | ४ | ड | ८ | २ |
| पूर्वाधार विकास | पर्यटन | ३ | टावरको नयाँ निर्माण गर्ने | ३००० | ४ | ड | ८ | २ |
| पूर्वाधार विकास | पर्यटन | ३ | मूर्ति निर्माण गर्ने | १००० | ४ | ड | ८ | २ |
| पूर्वाधार विकास | पर्यटन | ३ | होलाग देखी गोन्दर डाँडा सिटी निर्माण | ३००० | ४ | ड | ८ | २ |
| पूर्वाधार विकास | भवन | ३ | प्रहरी चौकी निर्माण गर्ने | २००० | ३ | क | ९ | ५ |

अनुसूची: कार्यक्रम तथा योजना

| क्षेत्र | उपक्षेत्र | कार्यन्वयन हुने स्थान, वडा/गापा | योजना/कार्यक्रमको नाम | लागत अनुमान (रु.) हजारमा | राष्ट्रिय लक्ष्य | प्रादेशिक विकासको चालक | दिगो विकासको लक्ष्य | स्थनीय लक्ष्य |
|------------------------|---------------------|---------------------------------|---|--------------------------|------------------|------------------------|---------------------|---------------|
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ३ | होल्गा, गोगने, बाखाखोर, दिन चोक, ग्याल्पा रोड निर्माण गर्ने | २०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ३ | जिम्बाल, वाफल डाँडा, संखेर, ठनडागी सडक मर्मत र कालोपत्र गर्ने | २५००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ३ | अन्तर वडा गाडी व्यवस्था गर्ने | ५००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ३ | घट्टे खोलामा झोलुङ्गे पुल (वेसर्जङ्ग) निर्माण गर्ने | १०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ३ | मुक्ति खोला मा २ वटा ट्रस पुल (मान्छे हिँड्न को लागि) निर्माण गर्ने | १०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ३ | मैच्याङ्गधारा, ग्याबाटोल, घिदेत, साहाजावन सडक निर्माण गर्ने | ३०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ३ | वरगाड खोला पक्की पुल गाडी चल्ने निर्माण गर्ने | २५००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ३ | साडमे खोला १ वटा ट्रस पुल निर्माण गर्ने | १०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | युवा तथा खेलकुद | ३ | पारापेट निर्माण गर्ने | १००० | ३ | च | ९ | ४ |
| पूर्वाधार विकास | सुचना र संचार | ३ | तिन चोक को ट्रान्सफर्मर नजिक टावर निर्माण गर्ने | १०००० | ३ | च | ४ | ३ |
| पूर्वाधार विकास | सुचना र संचार | ३ | स्कूल, हेल्थपोस्ट अफिसहरुमा इन्टरनेट व्यवस्था गर्ने | २००० | ३ | च | ४ | ३ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | विपद व्यवस्थापन | ३ | उसिदोङ्ग खोला नियन्त्रण गर्ने | ४०००० | ३ | क | ११ | ६ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | विपद व्यवस्थापन | ३ | लम्बु खोला नियन्त्रण गर्ने | २००००० | ३ | क | ११ | ६ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | विपद व्यवस्थापन | ३ | साम्य खोला नियन्त्रण गर्ने | २००००० | ३ | क | ११ | ६ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | ३ | गलेश्वर महादेव मन्दिर पुन ः निर्माण गर्ने | ५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | ३ | छोर्ताङ्ग (ढाना ग्याङ्ग स्तुपा) पुन ः निर्माण गर्ने | ५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | ३ | टासो छोलिङ्ग गुम्बा पुन ः निर्माण गर्ने | ५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | खानेपानी तथा सरसफाई | ३ | सुद्ध खानेपानीको व्यवस्था गर्ने | १००० | ३ | क | ६ | ३ |
| सामाजिक विकास | शिक्षा | ३ | ३ वटा विद्यालय शिक्षक करारमा पदपूर्ति गर्ने | १००० | ३ | च | ४ | ३ |
| सामाजिक विकास | शिक्षा | ३ | इन्टरनेटको व्यवस्था गर्ने | ५०० | ३ | च | ४ | ३ |
| सामाजिक विकास | शिक्षा | ३ | मन्टेशरीको व्यवस्था गर्ने | १००० | ३ | च | ४ | ३ |
| सामाजिक विकास | स्वास्थ्य | ३ | २ वटा हेल्थपोस्ट निर्माण गर्ने | २०००० | ३ | च | ३ | ३ |
| सामाजिक विकास | स्वास्थ्य | ३ | बर्थिङ सेन्टर र एम्बुलेन्सको व्यवस्था गर्ने | १०००० | ३ | च | ३ | ३ |

अनुसूची: कार्यक्रम तथा योजना

| क्षेत्र | उपक्षेत्र | कार्यन्वयन हुने स्थान, वडा/गापा | योजना/कार्यक्रमको नाम | लागत अनुमान (रु.) हजारमा | राष्ट्रिय लक्ष्य | प्रादेशिक विकासको चालक | दिगो विकासको लक्ष्य | स्थनीय लक्ष्य |
|-----------------|----------------------------|---------------------------------|---|--------------------------|------------------|------------------------|---------------------|---------------|
| आर्थिक विकास | उद्योग तथा बजार व्यवस्थापन | ४ | आलु लघु उद्योगको निर्माण गर्ने | २००० | ३ | घ | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | उद्योग तथा बजार व्यवस्थापन | ४ | ग्यारेज (ट्रयाक्टरहरुको) निर्माण गर्ने | १५०० | ३ | घ | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | उद्योग तथा बजार व्यवस्थापन | ४ | स्लेट ढुङ्गाको खानिको अध्ययन तथा निर्माण गर्ने | ५००० | ३ | घ | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ४ | कन्य च्याउको उत्पादनमा सहयोग गर्ने | ५०० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ४ | कृषि विकास फर्म हरुको व्यवस्था गर्ने | १००० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ४ | कोल्ड स्टोरको निर्माण गर्ने | ५००० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ४ | चिया खेतीको लागि अनुदानको व्यवस्था गर्ने | १००० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ४ | ट्राउट माछा पालनको लागि सहयोग प्रदान गर्ने | ५०० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ४ | मौरीपालनमा सहयोगको व्यवस्था गर्ने | ५०० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ४ | सिताकी च्याउको उत्पादनमा सहयोग गर्ने | ५०० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | पशुपंछि | ४ | कुखुरा, बाखा, भैंसीको लागि दाना गराउनको लागि सहयोगको व्यवस्था गर्ने | ५००० | ३ | झ | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | पशुपंछि | ४ | बाखा, पालनलाई सहूलियत प्रदान गर्ने | २००० | ३ | झ | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | पशुपंछि | ४ | भेटेनरिको निर्माण गर्ने | १०००० | ३ | झ | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | बैंक तथा वित्तीय संस्था | ४ | एडिबिएल, नेपाल बैंकहरुको पहुँचको व्यवस्था गर्ने | - | ५ | ग | ४ | ३ |
| आर्थिक विकास | सिचाई | ४ | लिफ्ट इरिगेशन गर्ने वा डिप बोरिङको व्यवस्था गर्ने | २००० | ३ | क | ९ | ४ |
| पूर्वाधार विकास | कला र संस्कृति | ४ | जेष्ठ नागरिक विश्राम स्थल निर्माण गर्ने | ५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| पूर्वाधार विकास | पर्यटन | ४ | ताम्चे डाँडामा होमस्टेको निर्माण गर्ने | १५०० | ४ | ङ | ८ | २ |
| पूर्वाधार विकास | पर्यटन | ४ | भिउ टावरको निर्माण गर्ने | ३००० | ४ | ङ | ८ | २ |
| पूर्वाधार विकास | भवन | ४ | ४ कोठे भवन नयाँ भवनको निर्माण गर्ने | ३००० | ३ | क | ९ | ५ |

अनुसूची: कार्यक्रम तथा योजना

| क्षेत्र | उपक्षेत्र | कार्यन्वयन हुने स्थान, वडा/गापा | योजना/कार्यक्रमको नाम | लागत अनुमान (रु.) हजारमा | राष्ट्रिय लक्ष्य | प्रादेशिक विकासको चालक | दिगो विकासको लक्ष्य | स्थानीय लक्ष्य |
|------------------------|--------------------------------|---------------------------------|---|--------------------------|------------------|------------------------|---------------------|----------------|
| पूर्वाधार विकास | भवन | ४ | अर्को नयाँ हेल्थ पोस्ट निर्माण गर्ने (सिखेमा) | १००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | भवन | ४ | लाइब्रेरी भवन र जेष्ठ नागरिक भवन एउटै गराउने | ३००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | भवन | ४ | सिखे, चुलिडाँडामा सिखे सामुदायिक भवनको निर्माण गर्ने | २५०० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ४ | बसको शंख्या बढाउने | ५००० | ३ | क | ६ | ३ |
| पूर्वाधार विकास | युवा तथा खेलकुद | ४ | खेल मैदानको व्यवस्थापन गर्ने | १५०० | ३ | च | ९ | ४ |
| पूर्वाधार विकास | सुचना र संचार | ४ | इन्टरनेटको व्यवस्था गर्ने | ५०० | ३ | च | ४ | ३ |
| पूर्वाधार विकास | सुचना र संचार | ४ | टावर निर्माण र इन्टरनेटको उच्चत व्यवस्था गर्ने | १०००० | ३ | क | ६ | ३ |
| पूर्वाधार विकास | स्वास्थ्य | ४ | एम्बुलेन्सको व्यवस्था गर्ने | ५००० | ३ | च | ३ | ३ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | विपद व्यवस्थापन | ४ | चट्यांग जोखिम न्यूनीकरण गर्ने | १००० | ३ | क | ११ | ६ |
| सामाजिक विकास | अल्पसंख्यक तथा सिमान्तकृत वर्ग | ४ | विभिन्न उद्योगको निर्माण, रोजगारको व्यवस्था गर्ने | १०००० | ३ | ख | २ | १ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | ४ | गुम्बाहरु पुनः निर्माण गर्नुपर्ने | ५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | ४ | ताम्चे डाँडा सेतीदेवी मन्दिरको निर्माण गर्ने | १००० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | खानेपानी तथा सरसफाई | ४ | आकाशको पानी संकलन गर्न सकिने | ५०० | ३ | क | ६ | ३ |
| सामाजिक विकास | शिक्षा | ४ | मनो सामाजिक परमर्शको व्यवस्था गर्ने | १००० | ३ | च | ४ | ३ |
| सामाजिक विकास | शिक्षा | ४ | शिक्षक दरबन्दको पदपूर्ति गर्ने | १००० | ३ | च | ४ | ३ |
| सामाजिक विकास | सिचाई | ४ | लिफ्ट इरिगेशन निर्माण गर्ने | २००० | ३ | क | ९ | ४ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ५ | आलु उद्योग र मेसिनको व्यवस्था गर्ने र किसानलाई प्रशिक्षण प्रदान गर्ने | २००० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ५ | घाँस काट्ने मेसिनको व्यवस्था गर्ने | १००० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ५ | चिया बगान विकास गर्ने | १००० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ५ | बाखा पालनलाई सहूलियत प्रदान गर्ने | ७५० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ५ | माछा पालनको प्रशिक्षण तथा सहूलियत प्रदान गर्ने | ५०० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ५ | रासायनिक मलको उपलब्धता गराउने र प्राङ्गारिक मल सम्बन्धि तालिम दिने | ७५० | ३ | ख | २ | १ |

अनुसूची: कार्यक्रम तथा योजना

| क्षेत्र | उपक्षेत्र | कार्यन्वयन हुने स्थान, वडा/गापा | योजना/कार्यक्रमको नाम | लागत अनुमान (रु.) हजारमा | राष्ट्रिय लक्ष्य | प्रादेशिक विकासको चालक | दिगो विकासको लक्ष्य | स्थानीय लक्ष्य |
|-----------------|-----------------|---------------------------------|---|--------------------------|------------------|------------------------|---------------------|----------------|
| आर्थिक विकास | कृषि | ५ | लगु उद्योग निर्माण गर्ने | १००० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ५ | हर्वल कलेक्सन सेन्टरको स्थापना गर्ने | ५०० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | पर्यटन | ५ | चुलि डाँडा पर्यटन स्थल निर्माण गर्ने(डि.पि.आर. भइसकेको) | २५०० | ४ | ड | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | सिचाई | ५ | ठाम खोला जेठल सिचाईको भत्केको संरचना पुन ः निर्माण र स्तरोन्नति गर्ने | १५०० | ३ | क | ९ | ४ |
| आर्थिक विकास | सिचाई | ५ | लिफ्ट इरिगेशन निर्माण गर्ने (स्रोत ः मभिर खोला) | २००० | ३ | क | ९ | ४ |
| पूर्वाधार विकास | उर्जा | ५ | बर्न खोला लघुविद्युत आयोजना (बर्न खोला) निर्माण गर्ने | १०००००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | पर्यटन | ५ | जिप लाइन निर्माण गर्ने | १००००० | ४ | ड | ८ | २ |
| पूर्वाधार विकास | भवन | ५ | १८ किलो सातमानेमा ३०० वटा चिहान घर निर्माण गर्ने | १५०० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | भवन | ५ | ५ वटा प्रतिकालयहरुको निर्माण गर्ने | ७५० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | भवन | ५ | निगले - जिरी रोड सडकमा एउटा प्रतिकालय | १५० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | भवन | ५ | निगले काली भैरव गुठी भवन निर्माण गर्ने | ३००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | भवन | ५ | भत्किएका संरचना पुनः निर्माण गर्ने | २००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | भवन | ५ | लाइब्रेरी हलको निर्माण गर्ने | २५०० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | भवन | ५ | हेल्थ पोस्टको पुनः निर्माण गर्ने | २००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ५ | ओची - बन्धन - बर्ना - पाखर हाइवे) मर्मत र कालो पत्र गर्ने | २५००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ५ | जेठलघाट सम्म गोरेटो बाटो निर्माण गर्ने | ५०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ५ | बनी ,लडिबडि, सिल्दुङ्ग गोरेटो बाटो निर्माण गर्ने | ५००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ५ | बनीखोला देखि लाकुरे डाँडा सम्म गोरेटो बाटो निर्माण गर्ने | ५००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ५ | महाभिर फलटे देखि निगले सम्म गोरेटो बाटो निर्माण गर्ने | ५००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ५ | यो चिहानमा सम्म जाने बाटो निर्माण गर्ने | १०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | युवा तथा खेलकुद | ५ | खेलमैदान व्यवस्थापन गर्ने | १५०० | ३ | च | ९ | ४ |
| भौतिक विकास | यातायात | ५ | झोलुङ्गे पुल पुनःनिर्माण गर्ने | १००० | ३ | क | ९ | ५ |

अनुसूची: कार्यक्रम तथा योजना

| क्षेत्र | उपक्षेत्र | कार्यन्वयन हुने स्थान, वडा/गापा | योजना/कार्यक्रमको नाम | लागत अनुमान (रु.) हजारमा | राष्ट्रिय लक्ष्य | प्रादेशिक विकासको चालक | दिगो विकासको लक्ष्य | स्थानीय लक्ष्य |
|------------------------|---------------------|---------------------------------|--|--------------------------|------------------|------------------------|---------------------|----------------|
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | क्षिप्र व्यवस्थापन | ५ | कम्पाउन्ड वाल निर्माण गर्नुपर्ने । | ३५०० | ३ | क | ११ | ६ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | क्षिप्र व्यवस्थापन | ५ | ग्याविअन पर्खाल एङ्गेज वा रिटेनिड वाल निर्माण गर्ने | १५००० | ३ | क | ११ | ६ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | क्षिप्र व्यवस्थापन | ५ | ग्याविअन वाल वा नयाँ रिटेनिड वाल निर्माण गर्ने | १०००० | ३ | क | ११ | ६ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | क्षिप्र व्यवस्थापन | ५ | ग्याविअन, सियरवाल वा एङ्गेज निर्माण गर्ने | २०००० | ३ | क | ११ | ६ |
| सामाजिक विकास | खानेपानी तथा सरसफाई | ५ | डिप बोरिङको निर्माण गर्ने | ५०० | ३ | क | ६ | ३ |
| सामाजिक विकास | खानेपानी तथा सरसफाई | ५ | ४ वटा जति इन्सिर्निरिटरहरूको व्यवस्था गर्ने | २०००० | ३ | क | ६ | ३ |
| सामाजिक विकास | खानेपानी तथा सरसफाई | ५ | अर्गानिक फोहरको लागि डम्पीङ्ग क्षेत्रको व्यवस्था गर्ने | ५०००० | ३ | क | ६ | ३ |
| सामाजिक विकास | पशुपंछि | ५ | वन्यजन्तुलाई नियन्त्रण गर्ने | ५०० | ४ | ख | २ | १ |
| सामाजिक विकास | भवन | ५ | हेल्थ पोस्ट निर्माण गर्ने | १०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| सामाजिक विकास | शिक्षा | ५ | इन्टरनेटको व्यवस्था गर्ने | ५०० | ३ | च | ४ | ३ |
| सामाजिक विकास | शिक्षा | ५ | नया भवन निर्माण गर्ने, विद्यालयमा तहगत र विषयगत शिक्षकको दरबन्दी विस्तार गर्ने, होस्टेलको व्यवस्थापन गर्ने, घेरावार, नाली व्यवस्थापन गर्ने, खेलकुद मैदान निर्माण गर्ने | १००० | ३ | च | ४ | ३ |
| सामाजिक विकास | स्वास्थ्य | ५ | बच्चा तताउने मेसिन जस्ता उपकरण, औषधीहरूको खरिद गर्ने | २०००० | ३ | च | ३ | ३ |
| सामाजिक विकास | स्वास्थ्य | ५ | रिटेनिड वालले पहिरोको व्यवस्थापन गर्ने (हेल्थपोस्टको पछ्याडिपट्टिको कम्पाउन्डमा) | १००० | ३ | च | ३ | ३ |
| सामाजिक विकास | स्वास्थ्य | ५ | सोलारबाट पानी तताउने र वैकल्पिक सोलार उर्जा इमर्जेन्सिको लागि व्यवस्था गर्ने | २००० | ३ | च | ३ | ३ |
| सामाजिक विकास | स्वास्थ्य | ५ | हेल्थ पोस्टको स्तरोन्नति गर्ने, मेडिकल सामानको खरिद तथा सप्लाइ चेन अनुगमन गर्ने | २००० | ३ | च | ३ | ३ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ६ | चिया खेतीको गर्ने को सम्भाव्यता अध्ययन र नयाँ प्रोजेक्टको निर्माण गर्ने | १५०० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ६ | नयाँ कोल्ड स्टोरको स्थापना गर्ने | ५००० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ६ | बिउ र मलको उपलब्धता सहज बनाउने | ५०० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ६ | लप्सीको उद्योग निर्माण गर्ने | १००० | ३ | ख | २ | १ |

अनुसूची: कार्यक्रम तथा योजना

| क्षेत्र | उपक्षेत्र | कार्यन्वयन हुने स्थान, वडा/गापा | योजना/कार्यक्रमको नाम | लागत अनुमान (रु.) हजारमा | राष्ट्रिय लक्ष्य | प्रादेशिक विकासको चालक | दिगो विकासको लक्ष्य | स्थनीय लक्ष्य |
|------------------------|---------------------|---------------------------------|--|--------------------------|------------------|------------------------|---------------------|---------------|
| आर्थिक विकास | पर्यटन | ६ | सस्पेन्सन ब्रिजको निर्माण गर्ने र बन्जि जम्पीड गराउने | ५०००० | ४ | ड | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | सिचाई | ६ | लिफ्ट इरिगेसन वा डिप बोरिङ गर्ने | २००० | ३ | क | ९ | ४ |
| पूर्वाधार विकास | उर्जा | ६ | विद्यालय, हेल्थ पोस्ट, मुख्य सडक (अरनिको हाइवे - भुमिस्थान) सम्म सोलार प्यानल र लाइटको स्थापना गर्ने | ३००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | पर्यटन | ६ | रातो माटे पहाडको डाँडामा भिउ टावर र पिक्निक स्पटको निर्माण गर्ने | ५००० | ४ | ड | ८ | २ |
| पूर्वाधार विकास | भवन | ६ | ट्रेनिङ हल निर्माण गर्ने | २५०० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | भवन | ६ | वाड कार्यालय पुनःनिर्माण गर्ने | १००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ६ | ककलिङ्ग देखि ठुलोबन्दन सडक मर्मत र स्तरोन्नति गर्ने | १५००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ६ | डाँडा गाउँ देखि हापिवेशी गोरेटो बाटोमा बेसि देखि स्कुलसम्म सिँडी ढलान निर्माण गर्ने | ७५०० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ६ | भुमिस्थान देखि हापिवेशी सडक मर्मत र स्तरोन्नति गर्ने | १५००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ६ | यातायातको लागि वाहनको व्यवस्था गर्ने | ५००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | सुचना र संचार | ६ | इन्टरनेटको व्यवस्था गर्ने | ५०० | ३ | च | ४ | ३ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | विपद व्यवस्थापन | ६ | ३ टाउँमा २००० वटा ग्याविअन बाल निर्माण गर्ने | ५००० | ३ | क | ११ | ६ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | विपद व्यवस्थापन | ६ | ग्याविअन गर्न नसकिने एन्करेज र सर्किटिङ गर्ने | ५००० | ३ | क | ११ | ६ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | विपद व्यवस्थापन | ६ | ग्याविअन बालको (१२० ग्याविअन) निर्माण गर्ने | ६००० | ३ | क | ११ | ६ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | विपद व्यवस्थापन | ६ | ड्रेनेज ग्यालेरिको निर्माण गर्ने | २०००० | ३ | क | ११ | ६ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | ६ | जलेधरी सेदी देवी मन्दिर (ओखर बाट) संरक्षण र व्यवस्थापन गर्ने | ५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | ६ | नयाँ स्तुपाको निर्माण गर्ने | १००० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | ६ | संरचना पुनः निर्माण गर्ने | ५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | खानेपानी तथा सरसफाई | ६ | खानेपानीको उचित व्यवस्था गर्ने | ५०० | ३ | क | ६ | ३ |
| सामाजिक विकास | खानेपानी तथा सरसफाई | ६ | डीप बोरिङ वा ठुलो बन्धनबाट लिफ्ट गर्ने | ५०० | ३ | क | ६ | ३ |
| सामाजिक विकास | पशुपंछि | ६ | पशु विकासको लागि विभिन्न अनुदानहरुका कार्यक्रम ल्याउने | ५००० | ४ | ख | २ | १ |

अनुसूची: कार्यक्रम तथा योजना

| क्षेत्र | उपक्षेत्र | कार्यन्वयन हुने स्थान, वडा/गापा | योजना/कार्यक्रमको नाम | लागत अनुमान (रु.) हजारमा | राष्ट्रिय लक्ष्य | प्रादेशिक विकासको चालक | दिगो विकासको लक्ष्य | स्थानीय लक्ष्य |
|------------------------|-------------------------|---------------------------------|---|--------------------------|------------------|------------------------|---------------------|----------------|
| सामाजिक विकास | शिक्षा | ६ | परीक्षा नियन्त्रण कार्यालयमा बजेट छुट्टयाइ दरबन्दी विस्तार गर्ने | २००० | ३ | च | ४ | ३ |
| सामाजिक विकास | शिक्षा | ६ | विद्यालयमा करार शिक्षक र स्थायी शिक्षकको दरबन्दी विस्तार गर्ने। । | २००० | ३ | च | ४ | ३ |
| सामाजिक विकास | स्वास्थ्य | ६ | बर्थ सेन्टर निर्माण गर्ने | ५००० | ३ | च | ३ | ३ |
| सामाजिक विकास | स्वास्थ्य | ६ | हेल्थपोस्ट निर्माण गर्ने | १०००० | ३ | च | ३ | ३ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ७ | ट्राउट फार्मिङ्ग को लागि बजेट छुट्टयाइने | ५०० | ५ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | ७ | माटो परीक्षण गर्ने | ३०० | ५ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | पर्यटन | ७ | जेठर ठुलो चौरबाट महादेवथान पाल्पाश्वरी जिपलाइन निर्माण गर्ने | १००००० | ४ | डु | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | बैंक तथा वित्तीय संस्था | ७ | ए.डि.बि.एल. वा नेपाल बैंक राख्न प्रबन्ध मिलाउने | - | ५ | ग | ४ | ३ |
| आर्थिक विकास | बैंक तथा वित्तीय संस्था | ७ | कृषि विकास बैंकको साखा पुर्नस्थापनाको प्रबन्ध मिलाउने | - | ५ | ग | ४ | ३ |
| आर्थिक विकास | सिचाई | ७ | अमलडाँडा देखि कमेरो खोला सम्म लिफ्ट इरिगेशन निर्माण गर्ने | ३०००० | ५ | क | ९ | ४ |
| आर्थिक विकास | सिचाई | ७ | पाखर खोलाबाट सिचाईको निर्माण गर्ने | ५००० | ५ | क | ९ | ४ |
| पूर्वाधार विकास | उर्जा | ७ | पाखर खोलामा जलविद्युत आयोजना निर्माण गर्ने | १०००००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | भवन | ७ | ३० जनाको क्षमता भएको ध्यान केन्द्र निर्माण गर्ने | १५०० | ५ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ७ | अमल डाँडा देखि गुदुङ्ग डाँडा सडक मर्मत र स्तरोन्नति गर्ने | २०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ७ | कमेरो खोलामा आवश्यकता अनुसारको पुल निर्माण गर्ने | १०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | यातायात | ७ | बाटोको साइडमा साइडवाक निर्माण गर्ने | १००००० | ५ | क | ११ | ६ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | विपद व्यवस्थापन | ७ | ग्याविअन पर्खाल (२५० ग्याविअन पर्खाल) निर्माण गर्ने | १०००० | ५ | क | ११ | ६ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | ७ | नयाँ गुम्बाको निर्माण गर्ने | १००० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | ७ | सेती देवी, काली देवी, पञ्च देवी पञ्च देवी | १५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | ७ | ३ बौद्ध पाखर निर्माण | १५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | ७ | ३ वटा मन्दिर निर्माण | १५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | ७ | गुम्बा निर्माण गर्ने | १००० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | ७ | गुम्बा संरक्षण र पुनःनिर्माण | ५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | ७ | संरचना पुनः निर्माण गर्ने | ५०० | ३ | च | ८ | ४ |

अनुसूची: कार्यक्रम तथा योजना

| क्षेत्र | उपक्षेत्र | कार्यन्वयन हुने स्थान, वडा/गापा | योजना/कार्यक्रमको नाम | लागत अनुमान (रु.) हजारमा | राष्ट्रिय लक्ष्य | प्रादेशिक विकासको चालक | दिगो विकासको लक्ष्य | स्थनीय लक्ष्य |
|------------------------|--------------------------------|---------------------------------|--|--------------------------|------------------|------------------------|---------------------|---------------|
| सामाजिक विकास | खानेपानी तथा सरसफाई | ७ | मिनि इन्क्लिनोमिटर खरिद गर्ने | १००० | ३ | क | ६ | ३ |
| सामाजिक विकास | खानेपानी तथा सरसफाई | ७ | बोगटे धारोको ट्याङ्कीको मर्मत र निर्माण गर्ने(नयाँ को सपोर्ट) । | २००० | ५ | क | ६ | ३ |
| सामाजिक विकास | शिक्षा | ७ | ४ देखी ६ कोठाको भवन (ट्रसको) भवन निर्माण गर्ने, कम्पाउन्ड, बाटो र खाने पानीको व्यवस्था गर्ने | ५००० | ३ | च | ४ | ३ |
| सामाजिक विकास | स्वास्थ्य | ७ | औषधीको अभाव न्यूनीकरण गर्ने | २००० | ५ | च | ३ | ३ |
| आर्थिक विकास | उद्योग तथा बजार व्यवस्थापन | गाउँपालिका | जडिबुटि संकलन केन्द्र र नर्सरी निर्माण गर्ने | २५०० | ३ | घ | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | उद्योग तथा बजार व्यवस्थापन | गाउँपालिका | बजार व्यवस्थापनमा सहजीकरण गर्ने | ५००० | ३ | घ | ८ | २ |
| आर्थिक विकास | कृषि | गाउँपालिका | उन्नत विजको व्यवस्था गर्ने | २५०० | ३ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | गाउँपालिका | खाद्य मलको उपलब्धता सहज बनाउने | १०००० | ५ | ख | २ | १ |
| आर्थिक विकास | कृषि | गाउँपालिका | भेटेनरी डाक्टर बस्तिस्तरमा उपलब्ध गर्ने | १००० | ३ | ख | २ | १ |
| पूर्वाधार विकास | उर्जा | गाउँपालिका | वैकल्पिक उर्जाको सहजीकरण गर्ने | १०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| पूर्वाधार विकास | उर्जा | गाउँपालिका | सडक बत्तीहरु (सोलार ल्याम्प) को व्यवस्था गर्ने | १००००० | ३ | क | ९ | ५ |
| वन तथा विपद व्यवस्थापन | विपद व्यवस्थापन | गाउँपालिका | पहिरो जोखिम छेत्रमा ग्यावीन पर्खाल र रिटेनिड पर्खाल निर्माण गर्ने | २००००० | ३ | क | ११ | ६ |
| सामाजिक विकास | अल्पसंख्यक तथा सिमान्तकृत वर्ग | गाउँपालिका | विपन्न वर्गको मानिसहरुलाई राहतमा टेम्पो, म्याजिकहरु दिने | २००० | ३ | ख | २ | १ |
| सामाजिक विकास | अल्पसंख्यक तथा सिमान्तकृत वर्ग | गाउँपालिका | गलैचा प्रशिक्षण प्रदान गर्ने | १००० | ३ | ख | २ | १ |
| सामाजिक विकास | अल्पसंख्यक तथा सिमान्तकृत वर्ग | गाउँपालिका | ग्यारेज मर्मत प्रशिक्षण प्रदान गर्ने | १००० | ३ | ख | २ | १ |
| सामाजिक विकास | अल्पसंख्यक तथा सिमान्तकृत वर्ग | गाउँपालिका | ढाकाको प्रशिक्षण प्रदान गर्ने | १००० | ३ | ख | २ | १ |

अनुसूची: कार्यक्रम तथा योजना

| क्षेत्र | उपक्षेत्र | कार्यन्वयन हुने स्थान, वडा/गापा | योजना/कार्यक्रमको नाम | लागत अनुमान (रु.) हजारमा | राष्ट्रिय लक्ष्य | प्रादेशिक विकासको चालक | दिगो विकासको लक्ष्य | स्थनीय लक्ष्य |
|---------------|--------------------------------|---------------------------------|--|--------------------------|------------------|------------------------|---------------------|---------------|
| सामाजिक विकास | अल्पसंख्यक तथा सिमान्तकृत वर्ग | गाउँपालिका | प्लमविङ्ग प्रशिक्षण प्रदान गर्ने | १००० | ३ | ख | २ | १ |
| सामाजिक विकास | अल्पसंख्यक तथा सिमान्तकृत वर्ग | गाउँपालिका | महिलालाई लक्षित विभिन्न प्रशिक्षण प्रदान गर्ने | १५०० | ३ | ख | २ | १ |
| सामाजिक विकास | अल्पसंख्यक तथा सिमान्तकृत वर्ग | गाउँपालिका | महिलाहरुलाई ड्राइभिङ, इलेक्ट्रिसियनको तालिम प्रदान गर्ने | १५०० | ३ | ख | २ | १ |
| सामाजिक विकास | अल्पसंख्यक तथा सिमान्तकृत वर्ग | गाउँपालिका | मोबाइल र इलेक्ट्रोनिक्स प्रशिक्षण प्रदान गर्ने | १००० | ३ | ख | २ | १ |
| सामाजिक विकास | अल्पसंख्यक तथा सिमान्तकृत वर्ग | गाउँपालिका | सिलाई कटाई प्रशिक्षण प्रदान गर्ने | १००० | ३ | ख | २ | १ |
| सामाजिक विकास | कला र संस्कृति | गाउँपालिका | मौलिक कला सम्बन्धि प्रशिक्षण दिने | १५०० | ३ | च | ८ | ४ |
| सामाजिक विकास | शान्ति तथा सुरक्षा | गाउँपालिका | विभिन्न टोलमा पुलिस स्टेशन निर्माण गर्ने | १०००० | ३ | क | ९ | ५ |
| सामाजिक विकास | स्वास्थ्य | गाउँपालिका | १० या १५ शैयाको अस्पताल भवन निर्माण गर्ने | १००००० | ३ | च | ३ | ३ |
| जम्मा | | | | ७७००२०० | ८९६.०० | | | |

अनुसूची ५: नतिजा खाका

आर्थिक विकास

| नतिजा शृंखला | सूचक | | आधार बर्ष | लक्ष्य | | | | |
|--|--|----------|-----------|--------|--------|--------|--------|--------|
| | विवरण | इकाई | | ०७८/७९ | ०७९/८० | ०८०/८१ | ०८१/८२ | ०८२/८३ |
| प्रभाव १. कृषि, पशु जन्य औद्योगिक तथा पर्यटकीय उत्पादन एवं उत्पादनशील सेवा सुविधाको उपलब्धता गुणस्तर र उपयोगमा वृद्धि गरी रोजगारीको सुनिश्चिता तथा खाद् सुरक्षा मा सुधार | आफना उत्पादन र आमदानी बाट बर्षभर खान पुग्ने परिवार | प्रतिशत | ८३ | ८५ | ९० | ९५ | १०० | १०० |
| | बरोजगारी | प्रतिशत | २२ | १८ | १५ | १० | ५ | २ |
| | आर्थिक प्रतिष्ठान | सङ्ख्या | ४९५ | ७०० | ७२५ | ७५० | ७८५ | ८५० |
| | रोजगारी सिर्जनामा बढोत्तरी | जना | १८७५ | १७०० | १७५० | १८०० | १९०० | २२०० |
| | उत्पादनशील उद्द्योग | सङ्ख्या | ७२ | १२५ | १४० | १५५ | १६० | १७५ |
| | जनशक्ति तालिम प्राप्त व्यक्ति | जना | १२२५ | १२५० | १३०० | १३५० | १३५० | १३७५ |
| | वैदेशिक रोजगारीमा गएकाको सङ्ख्या | सङ्ख्या | ११५२ | ११२५ | ११२० | ११०० | १००० | ७०० |
| असर १: कृषि, पशु, व्यवसायिक र पर्यटकीय लगायतका उत्पादनमुलक सेवा तथा सुविधाको उपलब्धता, गुणस्तर र उपयोगमा वृद्धि भएको हुनेछ | कृषिछेत्रमा संलग्न घरपरिवार(कृषि र पशुपंजी पालन) | सङ्ख्या | ९८२ | १००० | १०५० | ११५५ | १२७१ | १३९८ |
| | गैर कृषि पेशा (उद्दम, व्यापार र जागिर) मा निर्भर | जनसंख्या | १२०५० | १३२५५ | १४५८१ | १६०३९ | १७६४२ | १९४०७ |
| | उद्द्योग तथा व्यवसायमा संलग्न व्यक्ति | जना | ४९५ | ५९४ | ७१३ | ८५५ | १०२६ | १२३२ |
| प्रतिफल १.१. कृषि उपजको व्यवसायीकरण र उत्पादन वृद्धि भएको हुनेछ | तरकारी उत्पादन | मे.ट. | १८ | २२ | २५ | ३५ | ५० | ६० |
| | फलफुल उत्पादन | मे.ट. | १५ | २२ | २५ | ३५ | ५० | ६० |
| | दुग्ध चिस्यान केन्द्र/संकलन केन्द्र | सङ्ख्या | २ | २ | ३ | ४ | ४ | ५ |
| प्रतिफल १.२ खेतियोग्य जमीनमा सिंचाई सुविधा उपलब्ध भएको हुनेछ | सुचारु सिंचाई आयोजना | सङ्ख्या | ७ | ८ | १० | १२ | १५ | १७ |
| प्रतिफल १.३. आधुनिक पशुपालन व्यवसायको माध्यमबाट पशुजन्य उत्पादनमा आत्मनिर्भर भएको हुनेछ | स्थानीय व्यवसायिक कृषि फार्म | संख्या | २२० | २६४ | ३१७ | ३८० | ४५६ | ५४७ |

आर्थिक विकास

| नतिजा शृंखला | सूचक | | आधार बर्ष | लक्ष्य | | | | |
|--|--|---------|-----------|--------|--------|--------|--------|--------|
| | विवरण | इकाई | ०७८/७९ | ०७९/८० | ०८०/८१ | ०८१/८२ | ०८२/८३ | ०८३/८४ |
| प्रतिफल १.४ स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योगको स्थापना एवं बजारको विकास भएको हुनेछ | चालु लघु उद्योग | सङ्ख्या | १५ | १८ | २२ | २६ | ३१ | ३७ |
| | चालु घरेलु उद्योग | सङ्ख्या | ९९ | ११९ | १४३ | १७१ | २०५ | २४६ |
| प्रतिफल १.५ पर्यटकीय पूर्वाधार, सेवा तथा सुविधाको प्रवर्द्धन भई पर्यटकको आगमनमा वृद्धि हुनेछ | व्यवस्थित पर्यटकीय स्थल | सङ्ख्या | ५ | ६ | ७ | ९ | १० | १२ |
| | व्यवस्थित होमस्ते र पर्यटकीय गाउ | सङ्ख्या | १ | १ | १ | २ | २ | २ |
| | भ्रमण गर्ने वार्षिक पर्यटक (वाह्य) | सङ्ख्या | १२० | १४४ | १७३ | २०७ | २४९ | २९९ |
| | भ्रमण गर्ने वार्षिक पर्यटक (आन्तरिक) | सङ्ख्या | १४५० | १७४० | २०८८ | २५०६ | ३००७ | ३६०८ |
| | पर्यटक, सेवामुलक व्यवसायमा संलग्न व्यक्ति | सङ्ख्या | १५ | १८ | २२ | २६ | ३१ | ३७ |
| प्रतिफल १.६ वित्तीय सेवा तथा सुविधाको पहुँचमा अभिवृद्धि हुनेछ | सेवा सुचारु बैंक शाखा तथा वित्तीय सेवा प्रदायक | संख्या | ६ | ७ | ९ | १० | १२ | १५ |
| | बैंकमा खाता हुने तथा सेवा उपयोग गर्ने परिवार | संख्या | २२५३ | २४७८ | २७२६ | २९९९ | ३२९९ | ३६२८ |

सामाजिक विकास

| नतिजा शृंखला | सूचक | | आधार वर्ष | लक्ष्य | | | | |
|---|--|---------|-----------|--------|--------|--------|--------|--------|
| | विवरण | इकाई | ०७८/७९ | ०७९/८० | ०८०/८१ | ०८१/८२ | ०८२/८३ | ०८३/८४ |
| प्रभाव २: आधारभूत र गुणस्तरीय शिक्षा, स्वास्थ्य तथा खानेपानी सेवामा न्यायोचित पहुँच एवं लक्षित वर्गको सशक्तिकरण गरी समावेशी तथा समतामुलक समाज निर्माण | १५ देखि ६० सम्मको साक्षर जनसंख्या | प्रतिशत | ८६.६६ | ८९ | ९१ | ९३ | ९५ | ९९ |
| | प्रविधिक शिक्षामा अध्ययनरत विद्यार्थी | संख्या | २२६५ | २३०० | २३८० | २४५० | २५०० | २५०० |
| | उच्चा शिक्षामा अध्ययनरत विद्यार्थी | संख्या | ७८३ | ७९० | ८०० | ८१० | ८३० | ८५० |
| | साक्षर जनसंख्या | प्रतिशत | ३४ | ४० | ५० | ६५ | ७५ | ८५ |
| | विद्यालय | सङ्ख्या | २९ | ३२ | ३६ | ४० | ४२ | ४५ |
| | पाइपप्रणाली वा सुरक्षित खानेपानीको सेवा उपयोग गर्ने जनसंख्या | प्रतिशत | ६३ | ७० | ७५ | ८० | ८५ | ९५ |
| | निजि धारा भएको परिवार | प्रतिशत | ६३.३ | ६५ | ७० | ७३ | ७५ | ८० |
| | चर्पी भएको परिवार | प्रतिशत | ९६.३५ | ९८ | १०० | १०० | १०० | १०० |
| | सेप्टिक टंकी सहितको चर्पी | प्रतिशत | ४४.५ | ५० | ६० | ७० | ९० | १०० |

सामाजिक विकास

| नतिजा शृंखला | सूचक | | आधार बर्ष | लक्ष्य | | | | |
|---|--|--------|-----------|--------|--------|--------|--------|--------|
| | विवरण | इकाई | ०७८/७९ | ०७९/८० | ०८०/८१ | ०८१/८२ | ०८२/८३ | ०८३/८४ |
| | प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/अस्पताल पुगन लागने औसत समय | मिनेट | ४० | ३५ | ३० | २५ | २० | १५ |
| | स्नातक तह उत्तीर्ण गर्ने महिला | संख्या | ३२८ | ३५० | ४०० | ४५० | ५५० | ६५० |
| प्रतिफल २.१ जीवन उपयोगी गुणस्तरीय आधारभूत प्राविधिक तथा उच्च शिक्षामा सम्वेशी समतामुलक पहुँच वृद्धि भयी दक्ष जनशक्ति उत्पादन भएको हुनेछ | स्नातक तह उत्तीर्ण जनसंख्या | संख्या | ६४३ | ६८० | ७०० | ७४० | ८०० | ८५० |
| | कृषि बिज्ञान सम्बन्धि अध्यनरत विद्यार्थी | संख्या | २२ | २५ | ३० | ३५ | ४० | ५० |
| | सूचना प्रविधि सम्बन्धि अघांरत विद्यार्थी | संख्या | ३० | ३५ | ४० | ४५ | ५५ | ६५ |
| | व्यवस्थित विज्ञान र कम्प्युटर प्रयोगशाला भयको विद्द्यालय | संख्या | १७ | २५ | ३० | ३५ | ४० | ४५ |

सामाजिक विकास

| नतिजा शृंखला | सूचक | | आधार वर्ष | लक्ष्य | | | | |
|---|---|---------|-----------|--------|--------|--------|--------|--------|
| | विवरण | इकाई | ०७८/७९ | ०७९/८० | ०८०/८१ | ०८१/८२ | ०८२/८३ | ०८३/८४ |
| प्रतिफल २.२ गुणस्तरीय आधारभूत स्वास्थ्य सेवाको पहुँच अविबृद्धि भइ म्नाती शिशु तथा बाल मृतुदर घटी स्वास्थ्य समाजको सृजना भएको हुनेछ | परिवार नियोजनका साधनको प्रयोग दर | प्रतिशत | २१ | ४० | ६० | ८० | ९० | ९५ |
| प्रतिफल २.३ महिला, बालबालिका, दलित, ज्येष्ठ नागरिक एकल महिला, फरक क्षमता तथा पछाडी पारिएको वर्ग शसक्त भई निर्णायक तहमा सहभागिताको वृद्धि भएको हुनेछ | सामाजिक सुरक्षाबाट लाभान्वित लक्षित वर्ग | संख्या | १५८१ | १६०० | १७०० | १८०० | १९०० | २००० |
| प्रतिफल २.४ आत्मनिर्भर तथा सिर्जनशील युवाशक्तिको विकास तथा उत्पादनमुलक कार्यमा युवा सहभागिता वृद्धि भएको हुनेछ | बैदेशिक रोजगारीमा गएका युवा | संख्या | १५२६ | १४०० | १३०० | १२०० | ११०० | १००० |
| | युवा क्लब, संजाल तथा संस्था | संख्या | ९ | १५ | २० | २५ | २५ | २५ |
| | उद्दम, व्यवसाय र स्वरोजगारीमा संलग्न युवा | संख्या | १८९७ | २००० | २२०० | २४०० | २६०० | २८०० |

पूर्वाधार विकास

| नतिजा शृंखला | सूचक | | आधार बर्ष | लक्ष्य | | | | |
|---|--|--------|-----------|--------|--------|--------|--------|--------|
| | विवरण | इकाई | ०७८/७९ | ०७९/८० | ०८०/८१ | ०८१/८२ | ०८२/८३ | ०८३/८४ |
| प्रतिफल ३.१ सडक एवं सहायक पूर्वाधारको विस्तार र विकास एवं यातायात सुचारु भएको हुनेछ | पक्की सडकमा पुग्न लाग्ने औसत समय | मिनेट | २२ | ३० | २८ | २५ | २२ | २० |
| | कालोपत्रे सडक | किमी | ७६ | ९१ | १०९ | १३१ | १५८ | १८९ |
| | ग्राभेल सडक | किमी | ७३ | १७५ | २०० | २३० | २६० | ३०० |
| | धुले सडक | किमी | ३२५ | ३५८ | ३९३ | ४३३ | ४७६ | ५२३ |
| | बायो इन्जिनियरिंग प्रविधि र सडक साइड वृक्षारोपण | किमी | ३ | १५ | ३८ | ५० | ७५ | ९० |
| प्रतिफल ३.२ आवास बजार, बस्ति, एकीकृत, व्यवस्थित र सुरक्षित भएको हुनेछ | प्रवार्धित तथा मापदण्ड अनुसार निर्माण तालिम लिएको दक्ष व्यक्ति | संख्या | २५४ | २७९ | ३०७ | ३३८ | ३७२ | ४०९ |
| | आधारभूत पूर्वाधार सहित व्यवस्थित बजार | संख्या | २ | ४ | ६ | ८ | १० | १२ |

पूर्वाधार विकास

| नतिजा शृंखला | सूचक | | आधार बर्ष | लक्ष्य | | | | |
|--|--|---------|-----------|--------|--------|--------|--------|--------|
| | विवरण | इकाई | ०७८/७९ | ०७९/८० | ०८०/८१ | ०८१/८२ | ०८२/८३ | ०८३/८४ |
| प्रतिफल ३.४ सूचना र संचार प्रविधिको पहुँच भएको हुनेछ | मोबाइल प्रयोगकर्ता | प्रतिशत | ८९ | ९५ | १०० | १०० | १०० | १०० |
| | उद्दम व्यवसायमा सूचना प्रविधि प्रयोग गर्ने व्यक्ति | प्रतिशत | २२ | २५ | ५० | ७५ | ९० | १०० |

वन तथा वातावरण

| नतिजा शृंखला | सूचक | | आधार बर्ष | लक्ष्य | | | | | पुस्त्याईका आधारहरू |
|---|--|---------|-----------|--------|--------|--------|--------|--------|---------------------|
| | विवरण | इकाई | ०७८/७९ | ०७९/८० | ०८०/८१ | ०८१/८२ | ०८२/८३ | ०८४/८५ | |
| प्रभाव ४: वन, जैविक, जलाधार, विपद तथा जलवायु सम्बन्धित नीति बनाएर कायान्वयन गरि उत्थान सिल समाजको निर्माण गर्ने | | | | | | | | | गाउँ बस्तुगत विवरण |
| असर ४: वन तथा जैविक विविधता र प्राकृतिक स्रोतको संरक्षण र दिगो उपयोगमा वृद्धि भएको हुनेछ | रुख विरूवाले ढाकेको क्षेत्र | प्रतिशत | ६८ | ७० | ७२ | ७२ | ७२ | ७२ | सर्वेक्षण प्रतिवेदन |
| | सुरक्षित तथा संरक्षित चरण क्षेत्र | प्रतिशत | १२ | १३ | १५ | १५ | १५ | १५ | |
| | वनमा आधारित उद्द्योग | संख्या | ३ | ३ | १२ | १२ | १२ | १२ | |
| | सामुदायिक वन | संख्या | ८ | १० | १२ | १६ | २० | २४ | |
| प्रतिफल ४.१ जलाधार संरक्षण तथा भूमिको एकीकृत व्यवस्थापन र | संरक्षित पानीमुहान | संख्या | ३५ | ४० | ५२ | ६८ | ७० | ७० | |
| | नदिनियन्त्रण लम्बाई | किमी | १५ | २५ | ३२ | ३६ | ४० | ४९ | |
| | संरक्षित गलछी र पहिरो | संख्या | २६ | ३६ | ४८ | ५२ | ६७ | ७५ | |
| प्रतिफल ४.२ जलवायु अनुकूल पर्यवारनिय स्वच्छता अवित्रिद्धि भएको हुनेछ | प्रयोग भएको फोहोर्महिला व्यवस्थापन प्रणाली (ल्याण्डफिल साइट, सामुदायिक Dumping Site) | संख्या | १ | १ | ३ | ४ | ४ | ५ | |
| | कम्पोस्ट-बिन, गाबेज पिट प्रयोग गर्ने परिवार | प्रतिशत | ५० | ७५ | ८५ | ९५ | १०० | १०० | |
| | परम्परागत दाउरा प्रयोग गर्ने घर धुरी | प्रतिशत | ३५ | ४५ | २५ | १५ | ५ | ० | |
| | स्थानीय विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा जलवायु अनुकूल कार्ययोजना तर्जुमा | संख्या | १ | १ | १ | १ | १ | १ | |
| प्रतिफल ४.३ विपदबाट हुने क्षयतिलाई न्यूनीकरण | अयोग्य स्थानमा रहेका बस्ति | संख्या | ४ | ४ | ४ | ० | ० | ० | |
| | तालिम प्राप्त स्वयसेवक | संख्या | ५७ | ६३ | ६९ | ७६ | ८३ | ९२ | |

संस्थागत विकास, सेवा प्रवाह सुशासन र अन्य

| नतिजा शृंखला | सूचक | | आधार बर्ष | लक्ष्य | | | | | पुस्त्याईका आधारहरू |
|---|--|--------|-----------|--------|--------|--------|--------|--------|---------------------|
| | विवरण | इकाई | ०७८/७९ | ०७९/८० | ०८०/८१ | ०८१/८२ | ०८२/८३ | ०८३/८४ | |
| प्रभाव ५: गाउँपालिकाको संरचना र मनाव संसाधन व्यवस्थित गरेर योजना तर्जुमालाई सुध्रिड गरी सुशासन कायम गर्ने | | | | | | | | १०० | |
| ५:गाउँपालिकाको कार्यसम्पादनको स्तर वृद्धि भएर सेवाग्राह | गाउँपालिकामा क्रियाशील गैस.स. अ.गैस.स. विकास साझेदार | संख्या | ४ | ६ | ६ | ७ | ७ | ८ | |
| प्रतिफल ५.१ स्थानीय कानुन तर्जुमा भई पूर्ण रुपमा कार्यन्वयन भएको हुनेछ | गाउँपालिकाले स्वीकृत गरेका कानुन नीति, ऐन | संख्या | २८ | २९ | ३१ | ३२ | ३४ | ३६ | |
| | क्रियाशील नीतिगत समिति तथा संयन्त्र | संख्या | ९ | १० | ११ | १३ | १३ | १५ | |
| | भु-उपयोग नीति तयार भएको | संख्या | ० | १ | १ | २ | ३ | ३ | |
| | राजस्व सुधार योजना तयार भएको | संख्या | १ | १ | २ | २ | ४ | ५ | |

संस्थागत विकास, सेवा प्रवाह सुशासन र अन्य

| नतिजा शृंखला | सूचक | | आधार बर्ष | लक्ष्य | | | | | पुस्तयाईका आधारहरू |
|--|---|--------|-----------|--------|--------|--------|--------|--------|--|
| | विवरण | इकाई | ०७८/७९ | ०७९/८० | ०८०/८१ | ०८१/८२ | ०८२/८३ | ०८३/८४ | |
| प्रतिफल ५.२ गाउँपालिका र सबै वडा कार्यालयहरूको संस्थागत क्षमता, मानव संसाधन र कार्यक्षमता अविबृद्धि भएको हुनेछ | गाउँपालिकामा कार्यरत मानव संसाधन | संख्या | ११२ | १६८ | १८५ | २०३ | २२४ | २४६ | गाउँ वस्तुगत विवरण अनुगमन तथा मुल्यांकन प्रतिवेदन |
| | गाउँपालिका तथा वडा कार्यालय आफ्नै भवन | संख्या | ६ | ८ | ११ | १२ | १२ | १२ | |
| | सेवा केन्द्रहरू | संख्या | ८ | १० | ११ | १२ | १३ | १५ | |
| | तर्जुमा तथा सेवाप्रवाह सम्बन्धि क्षमता विकास कार्यक्रम | पटक | ७ | ९ | १२ | १५ | १६ | १८ | |

अनुसूची ६ : तस्विरहरु



वडा नं - १ मा गरिएको वडा स्तरीय योजना संकलन



वडा नं - २ मा गरिएको वडा स्तरीय योजना संकलन



वडा नं — ३ मा गरिएको वडा स्तरीय योजना संकलन



बडा नं -४ मा गरिएको बडा स्तरीय योजना संकलन



वडा नं — ५ मा गरिएको वडा स्तरीय योजना संकलन



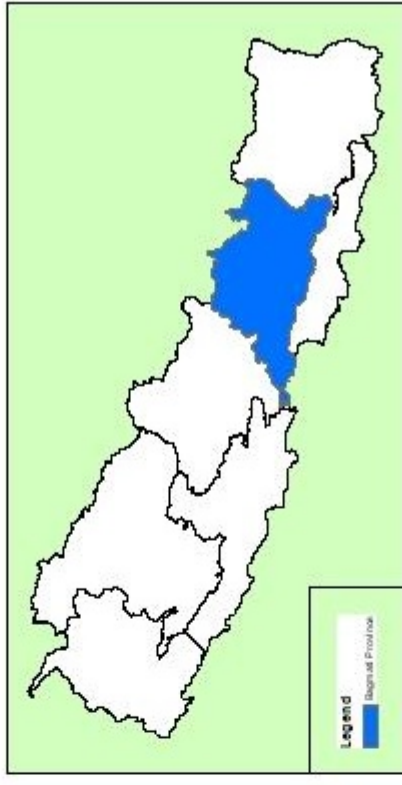
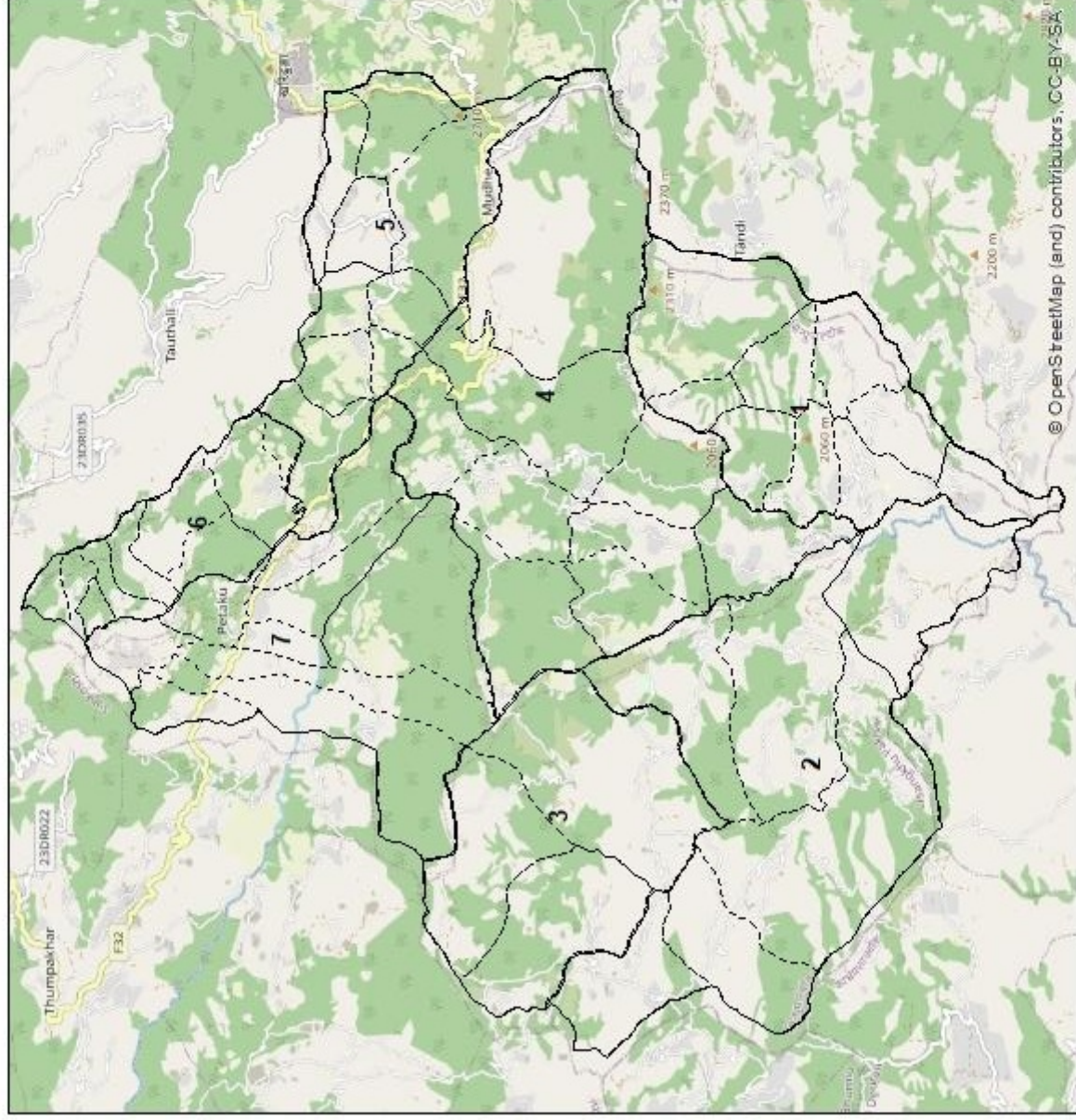
वडा नं — ६ मा गरिएको वडा स्तरीय योजना संकलन



वडा नं — ७ मा गरिएको वडा स्तरीय योजना संकलन

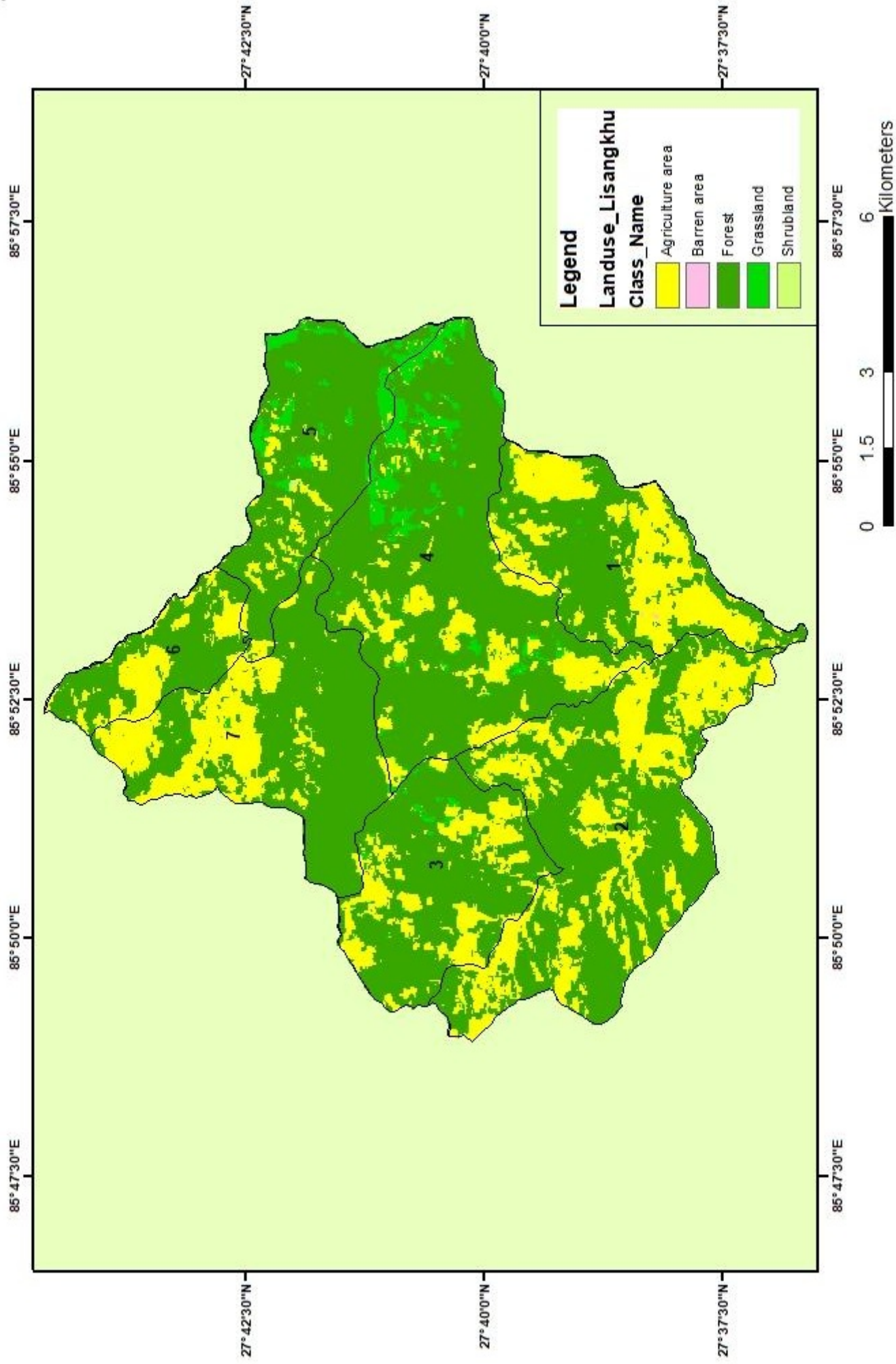
अनुसूची ७ : श्रोत नक्शा

Layout Map

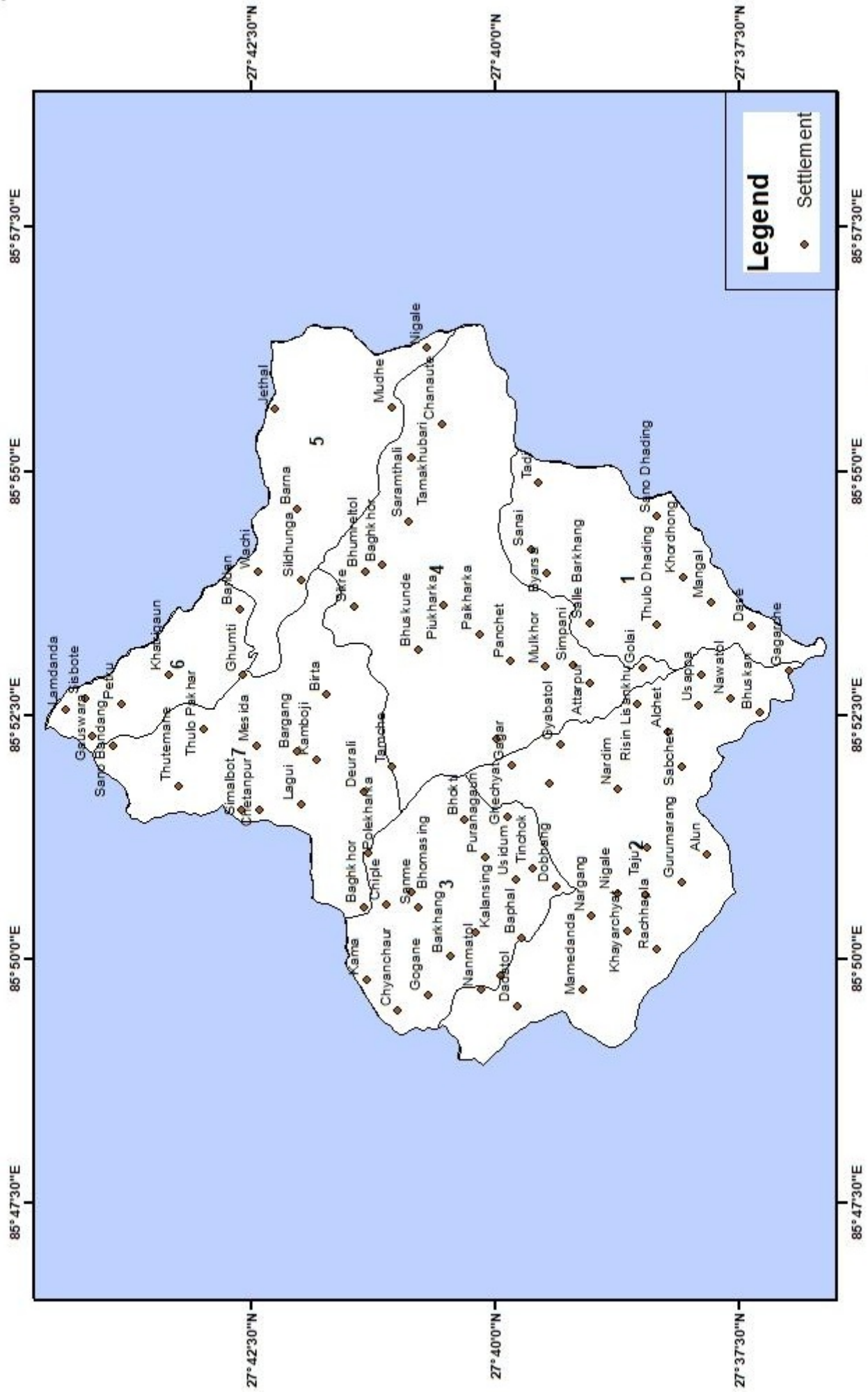


Coordinate System: GCS WGS 1984
Datum: WGS 1984
Units: Degree

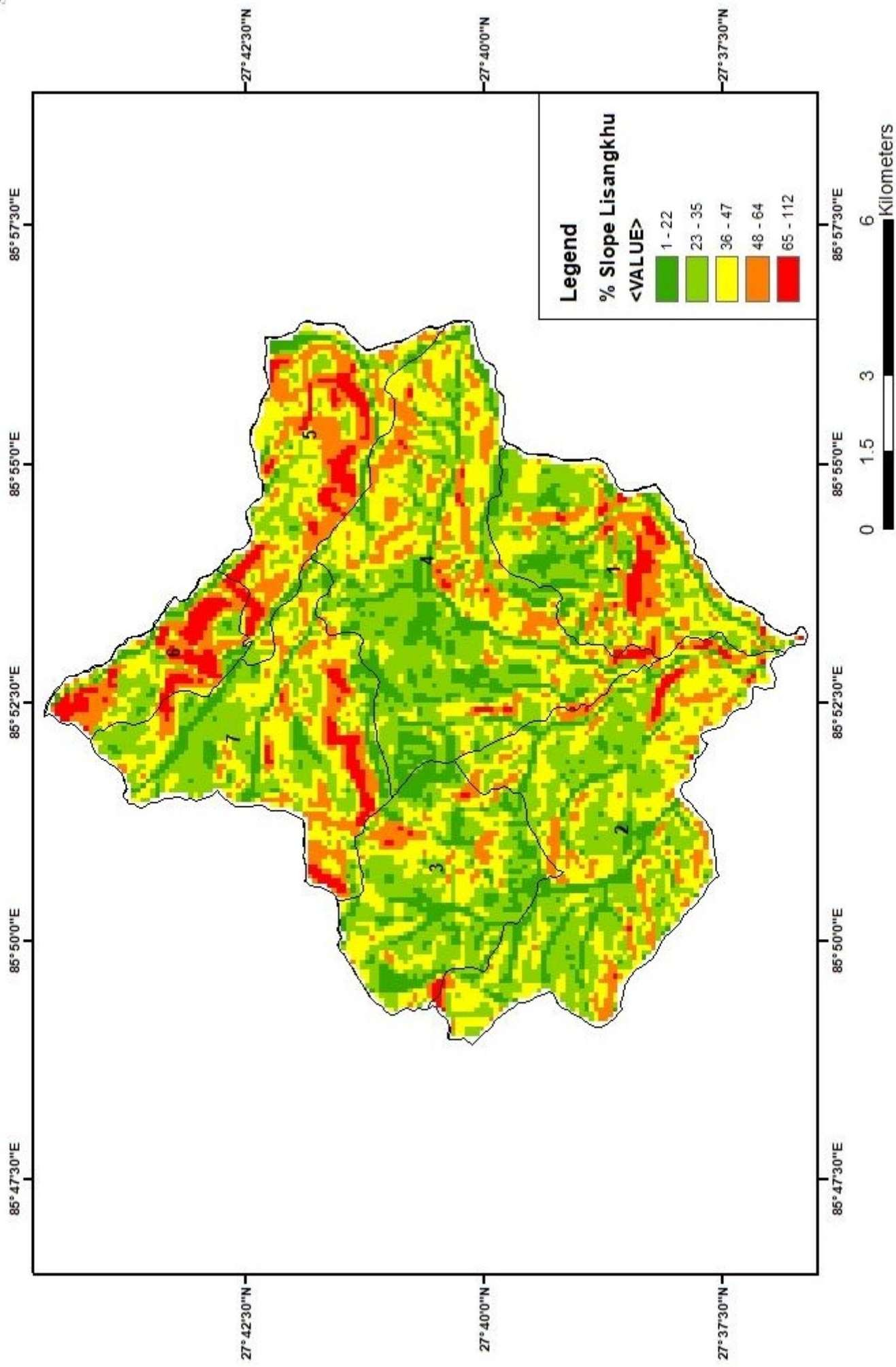
Landuse Map



Settlement Map



Slope Map



Water Bodies

